भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

सितंबर 2017

खंड 71 अंक 9

संपादन समिति
जनक राज
गौतम चैटर्जी
अमिताभ सरदार
राजीव रंजन

संपादक
सुनील कुमार

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादन समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेख में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2017

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया "भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन" खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषयवस्तु

भाषण

दबावग्रस्त आस्तियों का निवारण: अंतिम अवस्था की तरफ
उर्जित आर. पटेल 1

कृषि ऋण पर माफी पर सेमिनार -
प्रभावशीलता और सीमाएँ - आरंभिक व्याख्यान
उर्जित आर. पटेल 5

लेख

चुनिंदा आर्थिक टाइम सीरीज़ के मासिक मौसमी कारक, 2016-17 9

निजी कॉर्पोरेट निवेश : वर्ष 2016-17 के दौरान हुई वृद्धि और
2017-18 के लिए संभावनाएं 23

वर्तमान सांख्यिकी **33**

हाल के प्रकाशन **72**

अनुपूरक

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17

भाषण

दबावग्रस्त आस्तियों का निवारण: अंतिम अवस्था की तरफ
उर्जित आर. पटेल

कृषि ऋण पर माफी पर सेमिनार -
प्रभावशीलता और सीमाएँ - आरंभिक व्याख्यान
उर्जित आर. पटेल

*दबावग्रस्त आस्तियों का निवारण: अंतिम अवस्था की तरफ**

उर्जित आर. पटेल

1. माननीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, सेबी के अध्यक्ष श्री अजय त्यागी, आईबीबीआई के अध्यक्ष डॉ. साहू; नेशनल फाउन्डेशन फॉर कॉर्पोरेट गवर्नेन्स के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री चन्द्रजीत बनर्जी, देवियो और सज्जनो। सबसे पहले तो मैं आयोजकों यथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय,भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) और नेशनल फाउंडेशन फॉर कॉर्पोरेट गवर्नेन्स की सराहना करता हूँ कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के ऐसे अहम विषय पर इस सम्मेलन का आयोजन किया। विगत कुछ वर्षों में लगातार उच्च अनुपातों को देखें तो बैंकिंग प्रणाली का सकल एनपीए अनुपात 12 प्रतिशत पर चल रहा है, जो वस्तुत: चिन्ता का विषय है। इस जीएनपीए का 86.5 प्रतिशत बड़े कर्जदारों के पास है, अर्थात ऐसे कर्जदार जिनके पास 5 करोड़ और अधिक की रकम फंसी हुई है। जब इसे कुछ बैंकों, खासकर सरकारी क्षेत्र के बैंकों की पूंजी की स्थिति के समक्ष देखें, तो इस समस्या से निपटने की चुनौती और भी बढ़ जाती है।

2. बैंक के तुलनपत्र को विघ्न रहित करने और पूँजी के कुशल पुन: आबंटन के लिए दबावग्रस्त आस्तियों का सहज,समयबद्ध निराकरण या नकदीकरण काफी महत्वपूर्ण होगा। बहु आयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इस चुनौती का सम्यक रूप से सामना करने के लिए सरकार, आईबीबीआई और रिज़र्व बैंक एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। इस संक्षिप्त चर्चा के दौरान मेरा आशय है कि इस सम्मिलित दृष्टिकोण के प्रमुख आयामों पर प्रकाश डालूँ और इसमें निहित विचारधारा के बारे में बताऊँ।

3. कानूनी, विनियामक, पर्यवेक्षी और संस्थागत विधान को प्रबल बनाने के लिए पिछले कुछ माह के दौरान सरकार और रिज़र्व बैंक दोनों ने जो विशिष्ट उपाय किए हैं, उनका अंतिम उद्देश्य समयबद्ध तरीके से दबावग्रस्त आस्तियों के शीघ्र निवारण में सुविधा प्रदान करना है। इन उपायों में शीघ्रता की जो भावना निहित है वह इस प्रवृत्ति में परिलक्षित होती है कि कार्य को बहुत आगे तक नहीं खींचा जाए।इन उपयों में अन्य बातों के साथ-साथ पहले के विधान की दो प्रमुख खामियों को हटाया गया है- पहली यह कि निवारण के लिए स्पष्ट-संहित, समय बद्ध अवधि का नहीं होना; और दूसरी यह कि व्यावहारिक पुनर्संरचना योजनाओं को आगे-बढ़ाने के लिए बैंकों और ज्वाइंट लैन्डर्स फोरम्स(जेएलएफ) में समन्वय की विफलता।

I. कानूनी विधान को प्रबल बनाना

दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016

4. दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता,2016 (आईबीसी) का पारित होना हमारे देश में क्रेडिट संस्कृति में सुधार की दिशा में एक विभाजक है। आईबीसी से पहले भारत में दिवाला प्रक्रिया और /अथवा कार्पोरेट बचाव के विभिन्न पक्षों को नियंत्रित करने के लिए बहुविध कानून हुआ करते थे, जिसमें सम्यक कानूनी विधान नहीं था जो संकटग्रस्त अथवा चूककर्ता कम्पनियों के लिए अनुमेय एक सर्वांगीण प्रक्रिया बताता हो। आईबीसी में उद्यमिता संवर्द्धन पर विशेष रूप से ज़ोर देते हुए, आस्तियों के मूल्य को अधिक करने और सभी हिस्सेदारों के हितों को संतुलित करते हुए किसी आस्ति के निवारण की समयबद्ध प्रक्रिया की एकल विन्डो प्रदान की गई है।

5. एक ऋणदाता के लिए अधिकांश मामलों में कोई आस्ति तब अधिक मूल्यवत्ता रखती है जब यह व्यवसाय में लगी हो और पर्याप्त नकदी प्रवाह का सृजन करे,बजाय इसके कि वह आस्ति जो दिवाला प्रक्रिया में पड़ी हो । आईबीसी में 180 दिन की समय सीमा बाँध दी गई है (जिसे और आगे 90 दिन बढ़ाया जा सकता है) और इसी अवधि में ऋणदाता को निवारण योजना के लिए सहमति देनी होगी,इसमें विफल रहने पर इस कानून के तहत न्यायनिर्णयकर्ता प्राधिकरण शोधन-अक्षम कम्पनी पर नकदीकरण आदेश पारित कर देगा। समग्र रूप से ऋणदाताओं के लिए परिसमापन की जो आशंका बड़ी हानियों का कारण बन सकती है,वह न बने इसके लिए शीघ्रता से किसी निर्णय पर पहुँचने के लिए ऋणशोधन निवारण अवधि के दौरान सही परिस्थितियाँ सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रोत्साहन होते हैं।

6. प्रवर्तक के लिए आईबीसी के तहत लाए जाने का सबसे बड़ा झटका यह हो सकता है कि उसे अपनी फर्म किसी सक्षम बोली-लगाने वाले को सौंपनी पड़ जाए। इस फर्म को यह ध्यान

* उर्जित आर. पटेल, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 19 अगस्त 2017 को मुंबई में ''दिवाला और शोधन अक्षमताः बदलते प्रतिमान पर राष्ट्रीय सम्मेलन'' के उद्घाटन सत्र में दिया गया भाषण।

रखना होगा कि वह चूक नहीं करें और सबसे बड़ी बात कि ज्यादा कर्ज नहीं ले। इससे देश में क्रेडिट संस्कृति की प्रत्याशा बढ़ेगी।

अब हम बैंकिंग विनियमन (संशोधक) अध्यादेश की तरफ आते हैं, यह अध्यादेश संसद के दोनों सदनों में वित्त मंत्री महोदय के विशिष्ट नेतृत्व में पारित हो चुका है।

7. एनपीए समस्या के आकार और प्रवृत्ति ने सहवर्ती उपायों का किया जाना जरूरी बना दिया ताकि इस चुनौती का व्यवस्थित रूप से सामना करने में सरकार और रिज़र्व बैंक की मंशा और प्रतिबद्धता का संकेत दिया जा सके। आईबीसी तो आ चुका था लेकिन बड़े दबावग्रस्त खातों के संबंध में बैंकों और JLF की तरफ से अपेक्षित कार्रवाई सामने नहीं आ रही थी। इस आलस्य का कुछ हिस्सा आईबीसी के आरंभिक दिनों को गया तो इसका कुछ हिस्सा एजेन्सी और नैतिक खतरे की अनूठी (और गंभीर) समस्या को जाता है जो एनपीए का निवारण नहीं करने से हुई, जबकि अधिकांश बैंकिंग क्षेत्र सरकारी स्वामित्व में था।

8. इसी विफलता को सुधारने के लिए रिज़र्व बैंक को सांविधिक समर्थन को जरूरी समझा गया ताकि मामलों को आईबीसी के तहत भेजा जा सकें। बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अध्यादेश, 2017 में रिजर्व बैंक को शक्ति दी गई है कि वह आईबीसी के प्रावधानों के तहत चूक के मामले में बैंकिंग कम्पनियों को ऋण-शोधन निवारण प्रक्रिया आरंभ करने के लिए निदेश जारी कर सकता है। इसके जरिए बैंक को यह सक्षमता भी दी गई है कि दबावग्रस्त आस्तियों के सम्बन्ध में निदेश जारी करे और दबावग्रस्त आस्तियों के निवारण के बारे में बैंकिंग कंपनियों को सलाह देने के लिए एक या अधिक प्राधिकारियों या ऐसी समितियों को निर्दिष्ट करे जिनके लिए रिज़र्व बैंक ही सदस्यों की नियुक्ति करे अथवा नियुक्ति हेतु अनुमोदन करे।

रिजर्व बैंक द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई

9. इस अध्यादेश के ऐलान के अनुसरण में रिज़र्व बैंक ने आईबीसी के तहत निवारण हेतु संदर्भित किए जाने वाली लेखाबहियों का एक सेट निर्धारित किया,जो आंतरिक परामर्शदाता समिति JAC की सिफारिशों,पर आधारित है। प्रतिष्ठानों की शिनाख्त करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया आर्थिक मूल्यों की शीघ्रतम वसूली के उद्देश्य के अनुरूप रही। आईएसी द्वारा सिफारिश किए गए वर्गीकरण मानदंडों का आधार एक बोधगम्य पृथकता (एनपीए की मात्रा,अहमियत और साथ ही अवस्था) था और इनका आईबीसी के निहित प्रयोजनों तथा इस अध्यादेश के साथ निकट संबंध है।

10. हालांकि इस बात पर भी अवश्य जोर दिया जाना चाहिए कि आईबीसी के तहत ऋण-शोधन अक्षमता प्रक्रिया में भेजने जाने का अनिर्वाय रूप से यह मतलब नहीं है कि कम्पनी का समापन हो रहा है। इसमें तो बस एक समय सीमा बताई जाती है जिसके भीतर सभी हिस्सेदारों को मिलकर एक व्यावहारिक निवारण योजना बतानी होगी जिसका अनुमोदन ऋण दाताओं की समिति की कम-से-कम 75 प्रतिशत द्वारा किया जाए; यदि यह प्रयास विफल हो केवल तभी कम्पनी का समापन किया जाएगा।

II. विकासमान विनियामक विधान

11. रिज़र्व बैंक का यह सतत प्रयास रहा है कि पर्यवेक्षक और विनियामक विधानों को प्रबल बनाया जाए ताकि आरंभिक दबाव को समय रहते समझा और प्रकट किया जा सके जिससे प्रभावी और सार्थक निवारण में सुविधा हो।

12. एकतौर पर कहें तो अप्रैल 2015 से ऋणों और अग्रिमों का नवीनीकरण करने पर आस्ति वर्गीकरण के बारे में विनियामक सहनीयता को दूर करने का निर्णय विनियामक मानदंडों को अन्तरराष्ट्रीय सर्वोत्तम परिपाटी के साथ संयोजित करने की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम था।

13. सम्पूर्ण बैंकिंग प्रणाली में गैर-निष्पादक आस्तियों के सकल स्टॉक को स्वीकार करने के लिए सन 2015-16 में आस्ति गुणवत्ता समीक्षा की कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम था- यह एक प्रकार का ''कैच अप'' था। दबावग्रस्त आस्तियों के समन्वित निवारण हेतु एक व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए कई उपायों की एक श्रृंखला तैयार की गई। इसके अलावा समस्याग्रस्त आस्तियों का निपटारा करने के लिए प्रभावी निवारण विधान नहीं होने के कारण अतिरिक्त युक्तियाँ भी शुरू की गयीं। इन युक्तियों ने प्राथमिक तौर पर क्रेडिट सुविधाओं के सर्वोत्तम नवीनीकरण,स्वामित्व/प्रबंधन को बदलने की क्षमता और दबावग्रस्त आस्तियों के नवीनीकरण में सहायता पहुँचाई। बैंकों द्वारा दबावग्रस्त आस्तियों की बिक्री में अधिकाधिक पारदर्शिता लाने के लिए एक विधान तैयार किया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह बिक्री बाजार निर्धारित कीमतों पर हुई है।

14. यदि बैंकों द्वारा कुछ ट्रिगर बिन्दुओं का उल्लंघन किया जाता है तो रिज़र्व बैंक द्वारा त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) की प्रणाली के तहत विशिष्ट विनियामक कार्रवाई की जाती है, अभी हाल ही में इस प्रणाली में संशोधन कर दिया गया है।नियम आधारित दृष्टिकोण के अनुसरण में समस्याग्रस्त बैंकों के मामले में यह प्रणाली सामयिक पर्यवेक्षी कार्रवाई को सुनिश्चित करती है। पीसीए का प्रयोजन और डिजाइन ऐसा है कि बैंक की आधारभूत नीतियों को प्रबल करते हुए विश्वास को पुख्ता किया जाए।

15. बैंकों में मूल्यांकन से लेकर मंजूरी तक क्रेडिट का जो कमजोर अनुशासन है, वह दबावग्रस्त आस्तियों के निर्माण का ऐसा घटक है जो बैंकों से ही सम्बद्ध है। रिज़र्व बैंक द्वारा जोखिम आधारित पर्यवेक्षण प्रक्रिया के माध्यम से इनमें से कुछ जोखिमों को दिखाया जाता है, जिन्हें संबंधित संस्थाओं के साथ मिलकर निदान के लिए लिया जाता है। तथापि, खास-खास उल्लंघनों/अतिक्रमणों के बारे में प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के प्रयोजन से अलहदा से प्रवर्तन विभाग स्थापित किया गया है। कानून,नियमावली और निदेशों के उल्लंघनों से निपटने के लिए नियम आधारित समसमान विधान तैयार करना इस विभाग के लिए अनिवार्यता है। इस प्रकार की कार्रवाई के माध्यम से प्रवर्तित प्रभावी निषेधों से यह प्रत्याशा है कि सम्यक क्रेडिट संस्कृति को प्रबल बनाने में योगदान मिलेगा।

16. बैंकों के वार्षिक वित्तीय निरीक्षणों (AFI) में यह सामान्यता पाया गया कि एनपीए और बैंकों द्वारा घोषित प्रावधानों तथा AFI प्रक्रिया के दौरान किए गए आकलन में भिन्नता है। खाता बहियों,प्रबंधन की प्रभाविकता की विश्वसनीयता और पारदर्शिता, वास्तविक जोखिम के सामयिक आकलन, आदि पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तदनुसार इस असम्बद्धता को दूर करने के लिए प्रकटीकरण अपेक्षाओं की व्यवस्था की गई है अर्थात् एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाने पर इस प्रकार के विभेदों का विवरण बैंकों को अपने वार्षिक लेखा में देना होगा।

17. हाल ही में सेबी ने एक निर्णय लिया है,जिसमें सूचीबद्ध प्रतिष्ठानों से यह अपेक्षित है कि वे अन्य तथ्यों के साथ-साथ बैंकों से लिए गए ऋणों के बारे में एक कार्यदिवस के भीतर भी हुई चूक को प्रकट करें; यह भी क्रेडिट संस्कृति में व्यापक अन्तर ला सकता है। यदि मेरा समझना सही है तो बैंक के कर्जदारों द्वारा की गई एक दिन की इस चूक का परिणाम यह होगा कि कर्जदार प्रतिष्ठान को दिए गए सभी बैंक-ऋणों को रेटिंग एजेंसियों द्वारा सामान्यतया ''चूक'' के तौर पर वर्गीकृत किया जाएगा और इसके साथ ऐसे जोखिमों पर अधिभार के निहितार्थ और बैंकिंग प्रणाली द्वारा पूँजी अपेक्षाएँ भी जुड़ जाती हैं। ''''

III. संस्थागत उपाय बड़े ऋणों पर जानकारी का केन्द्रीय संग्रह (सीआरआईएलसी)

18. रिज़र्व बैंक ने सन 2014 में सीआरआईएलसी की स्थापना करके प्रणाली स्तर पर एनपीए के बारे में जानकारी की विसंगति दूर करने में एक महत्वपूर्ण अंतराल को भर दिया,इसमें संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली में सभी कर्जदारों की क्रेडिट एक्सपोजर संबंधी आंकड़ों के संकलन की सुविधा है, कर्जदारों का और बैंक-दर-बैंक जोखिम का सकल दृष्टिकोण मिलकर पर्यवेक्षकों और साथ-ही-साथ उधारदाताओं के लिए अपेक्षित युक्तियाँ प्रदान कर देता है जो किसी खाते-विशेष में आरंभिक दबाव को समय रहते ट्रैक कर सके। वस्तुत: सीआरआईएलसी के बिना यह AQR संभव नहीं हुआ होता।

संयुक्त उधारदाता मंच (जेएलएफ) व्यवस्था

19. बड़े व्यापार संघों के खातों में समन्वय की समस्याओं को निपटाने के प्रयोजन से जनवरी 2014 में अर्थव्यवस्था में दबावग्रस्त आस्तियों को अनुप्रमाणित करने के लिए विधान में जेएलएफ की स्थापना की परिकल्पना की गई थी। इस विधान की मुख्य समस्याओं में एक खास समस्या यह भी थी कि क्रेडिटर की प्रत्याशाएँ बहुत से मामलों में नवीनीकरण प्रक्रिया में घट रही थी। दूसरे शब्दो में कहें तो अर्थशास्त्री जिसे पाइवोटल वोटिंग के कारण अन्तर्निहित एजेंसी व प्रोत्साहन विफलता कहते हैं, इसी ने जेएलएफ को निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति से वंचित रखा।

20. इनमें से कुछ समस्याओं का निपटारा मई 2017 में इस अध्यादेश के पारित होने के तत्काल बाद में किया गया। किसी प्रस्ताव के अनुमोदन हेतु अपेक्षित सहमति मानदंड को मूल्य के अनुसार पहले के 75 प्रतिशत के स्थान पर 60 प्रतिशत कर दिया गया। जेएलएफ द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार जो बैंक अल्पसंख्या में थे उनसे अपेक्षित था कि या तो निर्धारित समय के भीतर प्रतिस्थापन नियमों का अनुसरण करते हुए निकल जाएँ या फिर जेएलएफ के निर्णय का पालन करें; अब ''क्रेम डाउन'' व्यावहारिक है। सहभागी बैंकों के लिए यह

अनिवार्य किया गया कि वे बिना कोई अतिरिक्त शर्त लगाते हुए जेएलएफ के निर्णयों को लागू करें। बैंकों के बोर्डों को यह भी सूचित किया गया कि वे जेएलएफ के निर्णयों को क्रियान्वित करें और मामला दुबारा उनके पास नहीं भिजवाएँ। ऋणदाताओं के बीच समन्वय संबंधी समस्याओं को कम करने के प्रयोजन से निर्धारित इन अनुदेशों में आईबीसी के कार्यक्षेत्र से बाहर रहते हुए दबावग्रस्त आस्तियों का निवारण करने का प्रयास किया गया,जिससे यह आशा बनती है कि ऋणदाताओं के बीच तेजी से निर्णय लिए जाएंगे।

निगरानी समिति

21. निगरानी समिति (ओसी) की भूमिका को प्रबल बनाने के प्रयोजन से रिज़र्व बैंक ने इस अध्यादेश की धारा 35 एबी के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ओसी को अपने तत्वाधान में लिया और इसकी सदस्यता को बढ़ाया ताकि आईबीसी से बाहर रहते हुए भी बैकों द्वारा अपनाई जा रही नवीनीकरण प्रक्रिया की समीक्षा की जा सके। ओसी के कानून सम्मत प्राधिकार को प्रबल बनाने के लिए यह जरुरी भी है,ताकि प्रक्रियाओं की समीक्षा हो सके और ऋणदाताओं को अपेक्षित सहजता प्रदान की जा सके,खासकर सरकारी क्षेत्र के बैकों को, जिससे कि नवीनीकरण के एक हिस्से के तौर पर बाजार द्वारा निर्धारित हेयरकट के साथ सहमति बनाएँ।

IV. राजकोषीय आयाम

22. निवारण के जिन सभी प्रयासों का हमने वर्णन किया है उनकी सफलता और विश्वसनीयता काफी महत्वपूर्ण रूप से इन लागतों को सहन करने के लिए सरकारी क्षेत्र के बैंकों के तुलनपत्रों की प्रबलता के समानुरूप रहेगी। यह बात साफ़ है कि आईबीसी के दायरे में रहते हुए या इससे बाहर किसी भी निवारण योजना पर सहमति देने पर सरकारी क्षेत्र के बैंकों को वर्तमान में फंसे अपने कर्जों पर हेयरकट तो लेने ही पडेंगे। इस वजह से और अन्य घटकों के लिए भी उच्चतर प्रावधानीकरण अपेक्षाओं के कारण बहुत से बैंकों की पूँजी की स्थिति प्रभावित होगी। इसके लिए सरकारी क्षेत्र के बैंकों को उच्चतर पुनर्पूंजीकरण की जरूरत पड़ेगी। सरकार और रिज़र्व बैंक के बीच उपायों का एक पैकेज बनाने के लेकर संवाद चल रहा है, ताकि सरकारी क्षेत्र के बैंकों को समयबद्ध रीति से अपेक्षित पूँजी जुटाने के लिए सक्षम किया जा सके। इन उपायों में बाजार से पूँजी जुटाना; सरकारी धारिताओं को कम करना; सरकार द्वारा अतिरिक्त पूँजी दिया जाना; रणनीतिगत फिट पर आधारित समामेलन; गैर-महत्वपूर्ण आस्तियों की बिक्री;आदि शामिल किए जा सकते हैं।

V. निष्कर्ष और आगामी पथ

23. अभी जिस बहुआयामी दृष्टिकोण की रूपरेखा बताई गई है, वह एक सतत प्रक्रिया है। आरंभिक संकेत काफी उत्साहजनक हैं। हालांकि हम सभी को यह समझना ही होगा कि अभिप्रेत उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने से पहले यह एक लम्बी खींचतान है। आरंभ में कुछ अड़चने और बहुत से अनुत्तरित प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ-साथ इनका भी निवारण हो जाएगा। आईबीसी की प्रक्रिया स्वयं ही विकसित होती जाएगी क्योंकि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण/ राष्ट्रीय कम्पनी विधि अपीलीय अधिकरण के निर्णय भी सामने आ चुके होंगे।

24. अन्य गैर-निष्पादक खातों के लिए अपनाई जानेवाली क्रियाविधि की रचना की जा रही है। हालांकि हमें अवश्य यह जोर देना चाहिए कि धारा 35 एए और 35 एबी के तहत प्रदत्त शक्तियों का रिज़र्व बैंक द्वारा प्रयोग किया जाना नियमित,सुस्थिर स्थिति का दृष्टिकोण नहीं हो सकता है। ऋणदाताओं को आईबीसी के तहत पर्याप्त शक्तियाँ दी गई हैं कि चूक होने पर वे आवश्यक कार्रवाई करें। अब यह सभी ऋणदाताओं का दायित्व है कि वे अपनी तरफ से पूर्व सक्रियता दिखाते हुए,आईबीसी के तहत सामयिक रूप से मामले भेजें और इन शक्तियों का प्रभावी प्रयोग करें।

25. यहाँ तक कि आईबीसी के तहत भी क्रेडिटर्स समिति पर भी भारी जिम्मेदारी डाली गई है कि स्वीकार्य समय सीमा के भीतर प्रत्येक स्वीकृत मामले में व्यावहारिक नवीनीकरण योजना के लिए सहमति दी जाए। क्रेडिटर,खासकर बैंकों के लिए जरूरी होगा कि इन मामलों पर फोकस करने के लिए पर्याप्त मात्रा में संसाधन लगाएं और आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत बनाएँ क्योंकि मामलों की संख्या बढ़ने वाली है।

26. सारांश तौर पर सरकार और नियामकों की भावना और निवारण पर मैं फिर से जोर देना चाहूँगा कि वे प्रणाली में दबावग्रस्त आस्तियों की समस्या पर एकजुट होकर ध्यान दे रहे हैं। इससे होनेवाली व्यथा और खर्च तो हमें उठाने ही होंगे लेकिन यदि हमारा ध्येय वांछित लक्ष्य को प्राप्त करना है तो यह उचित ही होगा, ताकि निजी अर्थव्यवस्था को संरचनागत रूप से सुस्थिर संवृद्धि के मार्ग पर लाया जा सके।

*कृषि ऋण पर माफी पर सेमिनार - प्रभावशीलता और सीमाएँ - आरंभिक व्याख्यान**

उर्जित आर. पटेल

देवियों और सज्जनों

भारतीय रिज़र्व बैंक की तरफ से मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ और इस सेमिनार में आने के लिए हमारे निमंत्रण को स्वीकार करने हेतु धन्यवाद देता हूँ।

1. हाल ही की अवधि में कृषि ऋण माफी ने कृषक समुदाय, नीति निर्माताओं, अकेडेमिक्स, विश्लेषकों और शोधकर्ताओं का काफी ध्यान आकर्षित किया है। एक तरफ तो समस्याओं के पहाड़ हैं जिन्होंने हमारे किसानों के आक्रोश को बढ़ाया है। इस संदर्भ में कृषि ऋण माफी से यह जरूरत सामने आई है कि भारतीय कृषि को प्रभावित करनेवाली संरचनागत खामी के लिए स्थायी समाधान तैयार किया जाए। दूसरी तरफ, समष्टि आर्थिक और वित्तीय निहितार्थों के बारे में चिन्ताएँ हैं कि अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए ये कब तक बनी रहेंगी, सरकारी नितियों का सामना करते हुए कितना संभावित व्यवधान करेंगी और अन्ततः वित्तीय बोझ को कितना बढ़ाएंगी।

2. अब मैं इस परिचर्चा के दोनों ही पक्षों पर सारभूत रूप से कुछ कहने का प्रयास करता हूँ। भारत कि कृषि अर्थव्यवस्था का जीडीपी में लगभग 15 प्रतिशत योगदान है, यह हमारे 11 प्रतिशत निर्यातों का स्रोत है और लगभग भारत की आधी-आबादी के जीवनयापन का सहारा है। समष्टि आर्थिक परिप्रेक्ष्य में अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के सापेक्षतया इस क्षेत्र का महत्व कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों के वित्तपोषण हेतु बैंक क्रेडिट के उल्लेखनीय प्रवाह से भी प्रकट होता है। कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों से 2000-01 में होनेवाली जीडीपी में कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों को बैंक अग्रिमों का बकाया लगभग 13 प्रतिशत से बढ़कर 2016-17 में लगभग 53 प्रतिशत हो गया (चार्ट I)। वास्तविक आधार पर देखें (जीडीपी अवस्फीति से आकलित स्फीति हेतु समायोजित), तो कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों को दिए जाने वाले बैंक क्रेडिट की बढ़ोतरी 1990 के दशक के 2.6 प्रतिशत से बढ़कर 2000-01 से 2016-17 के दौरान 15.4 प्रतिशत पर आ गई।

चार्ट 1: कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों से जीडीपी के अनुपात के रूप में कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों के लिए दिए गए अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के अग्रिमों का बकाया

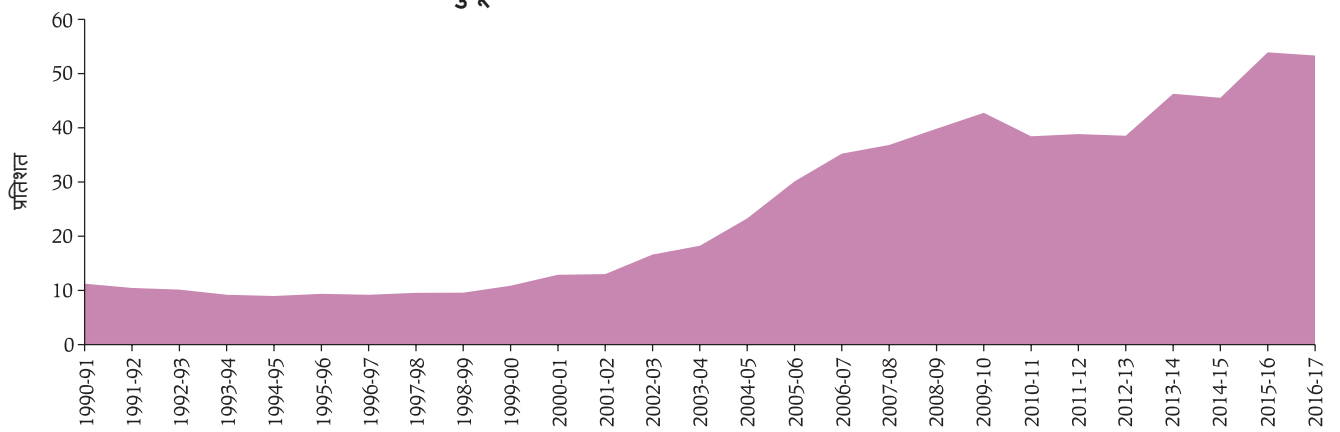

नोट: 1. सन 2013-14 से ही ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि और नाबार्ड के पास अन्य बकाया डिपाजिटों को कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों के लिए क्रेडिट का एक हिस्सा माना गया है।
2. कृषि जीडीपी का आशय है कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों से वर्तमान कीमतों पर घटक लागत पर मिलने वाली जीडीपी। सन 2011-12 से कृषि से जीडीपी का आशय है कृषि और सम्बद्ध क्रियाकलापों (मूल कीमत) से वर्तमान कीमतों पर सकल मूल्यवर्धित जीडीपी।

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

* भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 31 अगस्त 2017 को मुंबई में कृषि ऋण पर माफी - प्रभावशीलता और सीमाएं पर आयोजित सेमिनार में डॉ उर्जित आर. पटेल,गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक।

चार्ट 2: प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को कुल अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में कृषि और उससे संबंधित क्रियाकलापों का बकाया अग्रिम

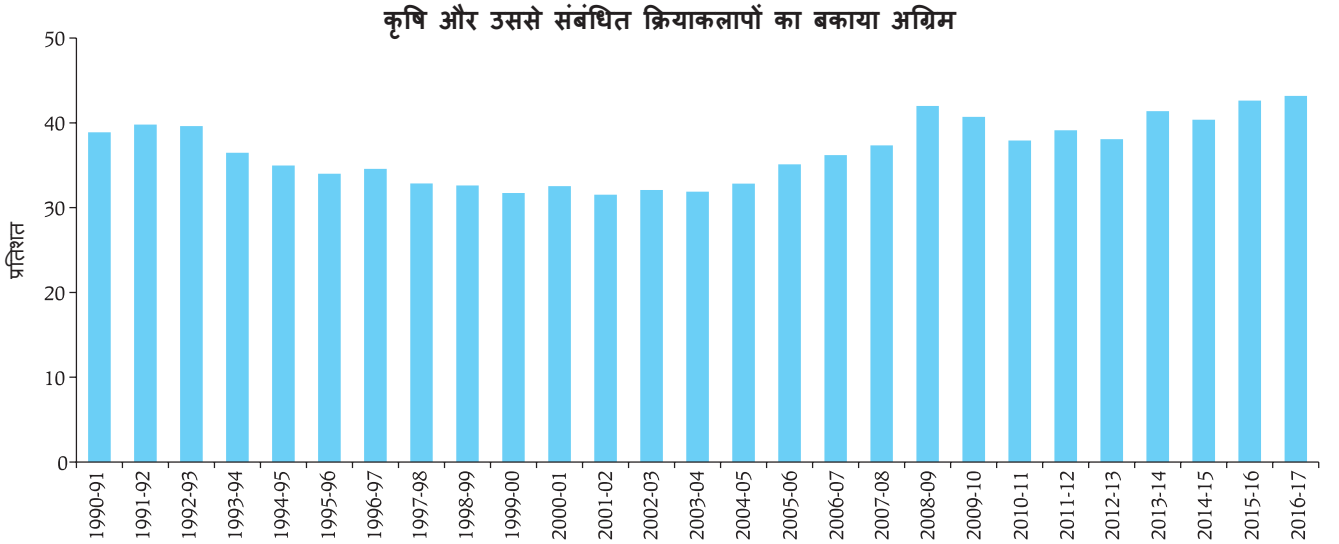

स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक

3. इस क्रेडिट प्रवाह का काफी भाग कृषि हेतु क्रेडिट, खासकर प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण देने के विनिदेशों के माध्यम से, बढ़ाने पर नीतिगत जोर से संचालित सरकारी क्षेत्र के बैंकों और निजी क्षेत्र के बैकों से अपेक्षित है कि समायोजित निवल बैंक क्रेडिट का 18 प्रतिशत अथवा तुलनपत्र से इतर एक्सपोजरों की समतुल्य रकम में से जो भी ज्यादा हो, वह रकम कृषि क्षेत्र को प्रदान करें। इस निर्धारण के तहत 8 प्रतिशत रकम लघु और सीमांत कृषकों के लिए तय की गई है। यहाँ तक कि 20 और इससे अधिक शाखाओं वाले विदेशी बैंकों को भी 1 अप्रैल 2013 से आरंभ होकर 21 मार्च 2018 को समाप्त होने वाली अवधि में, अधिकतम पाँच वर्ष के दौरान इस लक्ष्य को प्राप्त करना होगा। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को दिए गए कुल अग्रिमों में कृषि और उससे संबंधित क्रियाकलापों को दिए गए अग्रिमों का हिस्सा 2000-01 में 32.5 प्रतिशत था जो 2016-17 में बढ़कर 43.2 प्रतिशत हो गया है(चार्ट 2)। इस प्रकार, बिना किसी अतिशयोक्ति कि यह कहना सुरक्षित होगा कि कृषि को जाने वाला वित्तीय प्रवाह काफी उदार रहा है।

4. व्यापार की प्रतिकूल स्थितियों और फसल उपजों की लाभप्रदता, सुधार के प्रयोजन से कृषि के लिए बाधक निष्क्रिय संस्थागत संरचना से प्रतिपूर्ति के लिए सरकार ने भी विभिन्न उपाय किए हैं। ब्याज रियायत स्कीम कई दशकों से चल रही है जिसके तहत बैंकों और सहकारी संस्थाओं द्वारा किसानों को तीन लाख रुपये तक का फसली ऋण 7 प्रतिशत की रियायती दर पर दिया जाता है। समय पर चुकौती करने पर 3 प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत भी दी जाती है। इस स्कीम में अन्य लाभों को भी रखा गया है जिनमें मान्यता प्राप्त गोदामों में माल रखने के लिए प्रतिदेय मालगोदाम रसीदों (NWR) के बदले में छह माह तक के लिए फसल-कटाई के उपरांत ऋण और किसान क्रेडिट कार्ड रखने वाले छोटे और सीमांत कृषकों को 7 प्रतिशत की रियायती दर पर कर्ज दिए जाते हैं, ताकि वे औने-पौने दामों में उपज की बिक्री नहीं करें। वर्ष 2017-18 के दौरान केन्द्र सरकार ने एक वर्ष की अवधि के लिए अलपावधि फसली ऋणों की शीघ्र चुकौती करने वाले सभी किसानों को 5 प्रतिशत वार्षिक को दर से ब्याज रियायत दी है। इस प्रकार बहुत से किसानों को इन संस्थानों से लिए गए ऋणों पर असल में केवल 4 प्रतिशत ब्याज ही देना पड़ेगा। यदि किसान समय पर फसली ऋणों की चुकौती नहीं करते हैं तो भी वे 2 प्रतिशत की ब्याज रियायत के पात्र होंगे। सरकार ने 14 जून 2017 को वर्ष 2017-18 हेतु इस प्रयोजन के लिए 20,339 करोड़ रुपये की रकम निर्धारित की है जबकि केन्द्रीय बजट में मूल रूप से 15,000 करोड़ रुपये का प्रावधान ही किया गया था (तालिका1)। सन 2016-17 के दौरान उधार दिए गए अल्पावधि फसली ऋणों की मात्रा 6,22,685 करोड़ रुपये रही जो 6,15,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य से काफी आगे है।

सारणी 1: किसानों को अल्पावधि ऋण प्रदान करने के लिए ब्याज रियायत

(₹ करोड में)

वर्ष	रियायत की रकम
2009-10	2,011
2010-11	3,531
2011-12	3,283
2012-13	5,400
2013-14	6,000
2014-15	6,000
2015-16	13,000
2016-17 (आरई)	13,619
2017-18 (बीई)	20,339* (15,000)

* सरकार ने वर्ष 2017-18 के लिए 14 जून 2017 को इस प्रयोजन के लिए 20,339 करोड रुपये की रकम निर्धारित की जबकि 2017-18 के लिए बजट अनुमानों में 15,000 करोड़ रुपए ही बताए गए थे ।

नोट: इस स्कीम के तहत नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों,सहकारी बैंको,सरकारी क्षेत्र के बैंकों और अनुसूचित निजी क्षेत्र के बैंकों को ब्याज रियायत दी जाती है ताकि वे रियायती ब्याज दरों पर किसानों को अल्पावधि ऋण दे सकें।

स्रोत: यूनियन बजट, भारत सरकार।

5. इससे पहले 2014-15 के यूनियन बजट में एक स्कीम थी, जिसके तहत " भूमिहीन किसानों " के पाँच लाख संयुक्त देयता समूहों को नाबार्ड के माध्यम से वित्त प्रदान किया जाना था, ताकि भूमिहीन काश्तकारों, ज़बानी पट्टेदारों या बटाईदारों और छोटे/सीमांत किसानों के साथ-साथ कृषि करने वाले अन्य गरीबों को कृषिगत क्रियाकलापों और गैर-कृषिगत क्रियाकलापों तथा खेतों से इतर क्रियाकलापों के लिए क्रेडिट के प्रवाह को बढ़ाया जा सके। बैंक क्रेडिट प्रवाहों को कृषि की तरफ मोड़ने और रियायतों के रक्षाकवच को देखते हुए यह सवाल उठता है: क्या हम अन्य नीतिगत हस्तक्षेपों के लिए क्रेडिट में रियायत दे रहे हैं? वस्तुत: यह मुद्दा कृषि हेतु उधार देने की ब्याज दरों में रियायत की जरूरतों पर फिर से ध्यान देने के लिए मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क को संशोधित और प्रबल बनाने के लिए रिज़र्व बैंक की विशेषज्ञ समिति ने 2014 में उठाया था।

6. अनुदानित और निर्देशित क्रेडिट प्रवाहों की उल्लेखनीय मात्रा के साथ-साथ विभिन्न राजकोषीय प्रोत्साहनों के बावजूद भारतीय कृषि ऐसी विकृतियों से घिरी है जिसकी जड़े बहुत गहरी हैं, जो इसे उच्च आघातों के प्रति कमजोर बनाती हैं। कम निवेश, सिंचाई के पुराने तरीके, मानसून पर निर्भरता, कृषि जोतों का बिखरा हुआ स्वरूप और तकनीक का निम्न स्तर इसकी शाश्वत विशेषताएँ हैं। सम्पति के अधिकारों का अभाव और किसानों की कम निवल मालियत इन बाधाओं को बढ़ा देते हैं। परिणाम यह है कि उपज और कीमतों में व्यापक परिवर्तन समान्य सी बात है, जो किसानों पर बड़ी हानियों का बोझ डालता है और वे ऋणग्रस्तता के चक्र में कैद हो जाते हैं, और यह घटना बारबार होती रहती है। इसलिए उद्धार के सदाचारी चक्र के तत्वों को समाहित करने के समन्वित और पोषक प्रयासों के अभाव में आवधिक रूप से ऋण माफी का उपाय किसानों की व्यथा को कम करने के फौरी उपाय के तौर पर सामने आया है।

7. भारत के कृषि ऋण माफी का संक्षिप्त इतिहास बताना समीचीन होगा। कृषि ऋण माफी की देशव्यापी योजना सबसे पहले 1990 में आई थी और उससे रष्ट्रीय कोष पर लगभग 10,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ा था, जीडीपी अवस्फीति कारकों का प्रयोग करते हुए देखें तो आज की कीमतों पर वह रकम 50,557 करोड़ रुपये बनती है। दूसरी प्रमुख ऋण माफी - कृषि ऋण माफी और ऋण राहत स्कीम के नाम से 2008 में आई जिसमें 52,000 करोड़ रुपये (जीडीपी का 0.9 प्रतिशत) की माफी दी गई, जीडीपी अवस्फीति कारक का प्रयोग करते हुए वर्तमान कीमतों पर यह रकम 81,264 करोड़ रुपये होती है। सन 1990 की स्कीम में ऋण की एक निश्चित रकम तक सभी किसानों को सामूहिक राहत दी गई थी, जबकि सन 2008 की स्कीम में किसानों के कतिपय वर्गों को कर्ज माफी दी गई[1]। सन 2014 में आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना ने क्रमश: 24,000 करोड़ रुपये और 17,000 करोड़ रुपये की ऋण माफी घोषित की। सन 2016 में तमिलनाडु से शुरु हुआ तो 2017 में इसका डोमिनो प्रभाव विभिन्न राज्यों में दिखाई दिया और घोषित ऋण माफियों की कुल रकम लगभग 1,30,000 करोड़ रुपये (जीडीपी का 0.8 प्रतिशत) बनती है। मुझे भरोसा है कि आज की चर्चा में प्रत्येक स्कीम की विशेषता बताने वाले विवरणों को उठाया जाएगा। अब मैं आगे बढ़ता हूँ।

8. कृषि ऋण माफी के पक्ष और विपक्ष में व्यापक चर्चा हो चुकी हैं और इस विषय पर काफी कुछ लिखा जा चुका है। कृषक परिवारों पर कर्ज के भारी बोझ को दूर करने के रूप में इसके लाभप्रद प्रभावों के साथ-साथ लाभभोगियों के गलत

[1] सन 2008 की स्कीम में किसानों के वर्गानुसार माफी दी गई जिसमें लघु और सीमांत कृषकों (अर्थात् एक से दो हेक्टेयर तक की जोत रखने वाले कृषक) को बकाया ऋण में पूरी-पूरी ऋण माफी मिली, जबकि अन्य कृषकों को एक बारगी निपटान देते हुए - शेष 75 प्रतिशत का भुगतान करने पर 25 प्रतिशत की छूट- प्रदान की गई।

निर्धारण के रूप में इसके गलत प्रभावों और परिणामस्वरूप भेदभाव करते हुए जानबूझकर चूक करने वालों को प्रोत्साहन देने और क्रेडिट अनुशासन के क्षरण का भी उल्लेख किया गया है। मुझे खुशी है कि इन विचारधाराओं के उद्भव का संचालन करने वाले कई दिग्गज भी आज यहाँ मौजूद हैं। अविज्ञतापूर्ण मूल्यांकन करने के स्थान पर इस विषय के आस-पास संगुंफित विभिन्न समस्याओं के बारे में मैं व्यक्तिगत तौर पर यहाँ मौजूद विशेषज्ञों के मार्गदर्शन की अपेक्षा करता हूँ।

9. अब मैं इस चर्चा के दूसरे पक्ष पर आता हूँ -समष्टि आर्थिक स्थितियों और नीतियों के लिए इसके निहितार्थ। किसी भी ऋण माफी का पहला प्रभाव ऋण देने वाली संस्थाओं के तुलनपत्रों पर पड़ता है - चाहे वे औपचारिक हो अथवा अनौपचारिक। इसके प्रभाव और सरकार से क्षतिपूर्ति मिलने के बीच समय के अपरिहार्य अंतर में यह स्पष्ट दिखाई देता है। इस मध्यावधि के दौरान आस्तियों की गुणवत्ता का ह्रास होता है और इसे संभालने के लिए किए गए प्रावधानों के कारण नए ऋण बाधित हो जाते हैं। द्वितीय चक्र में ऋण माफी का प्रभाव बजटगत राजस्व व्यय से अधिक व्यय के रूप में लोक-वित्त की स्थिति पर ऋण माफी का प्रभाव पड़ता है। बदले में इसकी वित्त व्यवस्था बाजार से अतिरिक्त उधार लेकर की जाती है, जिससे केवल राज्यों के लिए ही नहीं अपितु पूरी अर्थव्यवस्था के लिए ब्याज दरें बढ़ जाती हैं। इसके साथ-साथ एक और नुकसान भी होता है कि निजी उधारकर्ता निवेश योग्य संसाधनों के परिमित पूल में से बाहर कर दिए जाते हैं, क्योंकि उधारों की लागत बढ़ जाती है। भले ही इस ऋण माफी को बजटगत प्रावधानों के भीतर ही समाहित कर लिया जाए तथापि यह व्यय के अन्य शीर्षों में बलपूर्वक कटौती कराती है। अनुभव से ज्ञात हुआ है कि सबसे ज्यादा सुभेद्य वर्ग है पूंजीगत व्यय, बदले में यह व्यय की गुणवत्ता को कम करेगा और अन्य बातों के साथ-साथ उत्पादकता के लिए प्रतिकूल प्रभावों की अगुआई करेगा क्योंकि इस क्षेत्र के लिए भी आस्तियों का निर्माण करने वाले निवेश उदाहरणार्थ - सिंचाई निर्माण कार्य, कोल्ड-स्टोरेज शृंखला, आदि - दब जाते हैं। यदि पूँजी/अवसंरचनागत दबाव बाध्यकारी हो जाती हैं, तो इस व्यय से लाभान्वित हो सकने वाले इस क्षेत्र के लिए पूँजीगत व्यय में कमी आती है और यह व्यय स्फीतिकारी हो सकता है, क्योंकि विलम्ब के कारण समय के मूल्य/अवसर लागत और सामग्री की क्षति सहित सभी लागतें बढ़ जाती हैं क्योंकि क्षमता पर पड़नेवाले दबाव अधिक प्रखर और सहवर्ती संकुलन प्रभार बढ़ जाते हैं। दूसरी तरफ यदि बजटगत प्रावधानों का उल्लंघन हो तो उच्चतर व्यय और राजकोषीय घाटे में बढ़ोतरी से, जैसा कि अनुभवों से भी ज्ञात हुआ है, स्फीतिकारी परिणाम होते हैं और संभावित दुष्प्रभावों से बाह्य व्यवहार्यता भी दब जाती है (दोहरा घाटा संबंधी तर्क)। यह भी कि अनुसंधानों से संकेत मिलते हैं कि कल्याणकारी प्रभावों में प्रतिकूलता आती है क्योंकि अंततोगत्वा ऋण माफी में संसाधनों का अंतरण करदाताओं से उधारकर्ताओं की तरफ होना निहित रहता है।

10. आप इन आरंभिक टिप्पणियों में ध्यान दे चुके होंगे कि ऋण माफी ने पर्याप्त आवेग और ध्रुवीकृत अभिमतों को भड़काया है। यद्यपि फसली चक्रों में प्रत्येक व्यवधान के साथ कृषकों के सामने जो विपत्तियाँ आती हैं उनसे दूर भागने का कोई कारण नहीं बनता तथापि यह महत्वपूर्ण है कि उन बाह्य समस्याओं पर भी गौर किया जाए जो कृषि क्षेत्र के बाहर भी प्रभाव डालती हैं। आखिरकार अन्य आर्थिक एजेन्ट और अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्से भी प्रभावित होते हैं। इन प्रभावों को किस प्रकार से न्यूनतम किया जाए? हम करदाताओं पर पड़ने वाले बोझ को किस प्रकार अलग करें? नीतिगत परिप्रेक्ष्य में देखें तो ऋण राहत के रूप में प्रशामक उपायों से दूर हटने के लिए क्या करने की जरूरत है ताकि अधिक बुनियादी समाधान मिले जो सम्यक कल्याण को बढ़ावा देते हो? इस आशावादी दृष्टिकोण के बहुत से तत्व भली प्रकार से ज्ञात हैं - फसल बीमा, अवसंरचना, सिंचाई, प्रौद्योगिकी -समर्थ उपज सुधार और कृषि अर्थव्यवस्था को बाजार की ताकतों और खुले व्यापार के लिए मुक्त करना। ई-नाम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से कृषि उपज के लिए राष्ट्रव्यापी बाजार स्थापित करने और सभी को वित्तीय समावेशन में लाने के लिए राष्ट्रीय अभियान के रूप में सरकार के प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इन प्रयासों की सफलता समय के साथ-साथ किसानों की आय को दो गुना करने के हमारे मिशन को प्राप्त करने की संभावना में छिपी हुई है। जरूरत है कि हम यह सुनिश्चित करें कि इनके लाभ सभी अभीष्ट प्राप्तकर्ताओं तक प्रसारित हों।

11. बाकी बचे दिन में आपके दिलों-दिमाग को जो उत्कृष्ट विचार-विमर्श अपने आगोश में लिए रहेंगे मैं उनके प्रति कोई पूर्वग्रह अथवा उन पर कोई प्रभाव डालने से बचूंगा। मुझे विश्वास है कि इस समस्त गहमा-गहमी के बीच इस सेमिनार से कृषि ऋण माफी पर बहुआयामी संभाषणों को समक्ष आने का मौका मिलेगा। इसलिए मैं अपनी बात यही समाप्त करता हूँ और आपके विचार-विमर्श की सफलता हेतु कामना करता हूँ।

लेख

चुनिंदा आर्थिक टाइम सीरीज़ के मासिक मौसमी कारक, 2016-17

निजी कॉर्पोरेट निवेश : वर्ष 2016-17 के दौरान हुई वृद्धि और 2017-18 के लिए संभावनाएं

चुनिंदा आर्थिक टाइम सीरीज़ के मासिक मौसमी कारक, 2016-17*

इस आलेख में 76 समष्टिआर्थिक वेरिअबल्स के मासिक मौसमी कारकों को प्रस्तुत किया गया है, जिसमें पांच बड़े क्षेत्र (नामतः मुद्रा और बैंकिंग, कीमत, औद्योगिक उत्पादन, पण्य व्यापार एवं सेवाएं) शामिल हैं। औद्योगिक संकेतक, मौद्रिक/ बैंकिंग एवं सेवा क्षेत्र के संकेतकों ने मार्च माह में मौसमी शिखर को प्राप्त किया, जबकि अधिकांश कीमत संबंधी संकेतकों में मार्च-मई के दौरान मौसमी गर्त पाया गया। मौद्रिक और बैंकिंग की कुल राशियों में विमुद्रीकरण की वजह से तथा थोकमूल्य एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांकों में आधार वर्ष में संशोधन की वजह से जो संरचनागत बाधाएं सामने आईं उसके लिए उचित उपाय किया गया है ताकि मौसमी कारक प्राप्त किए जा सके।

समष्टिआर्थिक वेरिअबल्स में मौसमी परिवर्तन हेतु जो समायोजन (अर्थात, वेरिअबल्स में मौसमी प्रभाव को हटाना) किया गया है, उससे अंतर्निहित क्रमिक बदलावों का सही अध्ययन करने और आपसी संबंध को समझने में मदद मलती है। तदनुसार, मौसमी कारक, जो मौसमीपन का मात्रात्मक माप देता है, को भारतीय रिज़र्व बैंक के बुलेटिन में वर्ष 1980 से वार्षिक आलेख के रूप में प्रकाशित किया जाता है[1]।

2. कार्यक्षेत्र और कार्य-पद्धति

इस आलेख में प्रस्तुत चुनिंदा 76 मासिक समष्टिआर्थिक वेरिअबल्स के मौसमी कारकों को पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार हैं: (i) मौद्रिक और बैंकिंग संकेतक (14 सीरीज़); (ii) मूल्य सूचकांक [उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई): 21 सीरीज़; एवं थोकमूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई): 9 सीरीज़]; (iii) औद्योगिक उत्पादन (23 सीरीज़); (iv) सेवा क्षेत्र संकेतक (6 सीरीज़); और (v) पण्य व्यापार (3 सीरीज़)। कुछ संकेतकों के मामले में, कार्य क्षेत्र में काफी बदलाव आया है, जिसकी वजह है (ए) सीपीआई-संयुक्त की शुरुआत करना (आधार: 2012=100); (बी) औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संशोधित सीरीज़ को रिलीज करना (आधार: 2011-12=100); एवं (सी) संशोधित डब्ल्यूपीआई सीरीज़ को रिलीज करना। इसके साथ ही, 08 नवंबर 2016 को विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) को परिचालन से वापस लेने के संबंध में की गई घोषणा और उसके बाद पुनर्मुद्रीकरण की वजह से मौद्रिक और बैंकिंग कुल राशियों में बड़ा बदलाव पाया गया (कृपया संरचनागत बाधाओं के संदर्भ में कार्य-पद्धति संबंधी मामलों के लिए अनुबंध देखें)।

अधिकांश संकेतक, मासिक डाटा के एक लंबे इतिहास से जुड़े हैं एवं इसलिए मौसमी कारकों को प्राप्त करने के लिए पिछले 12 वर्षों के डाटा का उपयोग किया गया है। हालांकि, *सीपीआई-संयुक्त* एवं उसके घटकों के मामले में डाटा सिर्फ जनवरी 2011 से उपलब्ध हैं। मौसमी कारकों का आकलन करने के लिए X-13-ARIMA सॉफ्टवेयर, जिसे यूएस सेन्सस ब्यूरो[2] ने तैयार किया है, का उपयोग किया गया, जिसके लिए पैकेज को भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाया गया, अर्थात दिवाली को सम्मिलित करते हुए। पैकेज को इस प्रकार तैयार किया गया है कि उसमें भारतीय ट्रेडिंग डे प्रभाव[3] को शामिल किया जा सके।

3. प्रमुख निष्कर्ष

मौद्रिक और बैंकिंग संकेतक: जिन 14 बड़े मौद्रिक और बैंकिंग संकेतकों पर सोच-विचार किया गया, उनमें से 11 ने मार्च-अप्रैल के दौरान मौसमी शिखर दर्ज किया, जबकि अगस्त-दिसंबर के दौरान अधिकांश सीरीज़ में मौसमी गर्त के लक्षण पाए गए (चार्ट 1)। अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की मांग जमाओं में सर्वाधिक मौसमी परिवर्तन [औसत मौसमी कारक(एसएफ) रेंज:9.3] दिखा, जिसके बाद क्रमशः रिज़र्व मुद्रा या एम$_0$ (औसत एसएफ रेंज:6.4), हाथ में नकदी एवं आरबीआई के पास एससीबी की शेष राशियां (औसत एसएफ रेंज:6.2) आते हैं। एससीबी की मीयादी जमाओं में न्यूनतम मौसमी परिवर्तन दिखा (औसत एसएफ रेंज:1.7)। इन अधिकांश

---

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के मॉडलिंग और पूर्वानुमान प्रभाग द्वारा तैयार किया गया है।

[1] इस सीरीज़ का पिछला आलेख भारतीय रिज़र्व बैंक के सितंबर 2016 के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

[2] http://www.census.gov/srd/www/x13as/

[3] ट्रेडिंग-डे प्रभाव की स्थिति तब पैदा होती है जब किसी सीरीज़ पर भिन्न-भिन्न वर्षों में उसी कैलेन्डर माह के भिन्न सप्ताह के दिन की संरचना का प्रभाव पड़ता है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में, एक सप्ताह में छह कार्य दिवस माना जाता है।

चार्ट 1: मौद्रिक और बैंकिंग संकेतकों के मौसमी शिखर एवं गर्त

सीरीज़ के मामले में, मौसमी परिवर्तन में पिछले 10 वर्षों में काफी संतुलन दिखा। (सारणी 2)।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई): समग्र सीपीआई सीरीज़ [सीपीआई-संयुक्त, औद्योगिक मज़दूरों के लिए सीपीआई (सीपीआई-आईडब्ल्यू), कृषि श्रमिकों के लिए सीपीआई (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण श्रमिकों के लिए सीपीआई (सीपीआई-आरएल)] के औसत मौसमी कारक का रेंज 2.1-2.5 था। अधिकांश सीपीआई सीरीज़ में सितंबर-दिसंबर में मौसमी शिखर दर्ज हुआ जबकि 18 सीपीआई-संयुक्त सीरीज़ में से 13 में मार्च-मई के दौरान मौसमी गर्त दिखा। जहां तक सब्जी की कीमतों और हेडलाइन सीपीआई का सवाल है, भंडारण की अवधि, मौसमीपन का मुख्य निर्धारक तत्व बना रहा। सीपीआई-सब्जियों में सर्वाधिक मौसमी परिवर्तन दिखा (छह-वर्ष औसत एसएफ रेंज: 22.5)। सब्जियों में, टमाटर, प्याज एवं आलू का औसत एसएफ रेंज क्रमशः 63.1, 49.2 एवं 37.5 दर्ज हुआ। दाल एवं उत्पादों का औसत एसएफ रेंज पांच-वर्ष के 3.7 औसत से काफी बढ़कर 5.5 हो गया। मौसमी परिवर्तन का ऐल्कहॉल-रहित पेय पदार्थों की कीमतों में कोई प्रभाव नहीं पड़ा (औसत एसएफ रेंज:0.3)।

चार्ट 2: सीपीआई सीरीज़ के मौसमी शिखर एवं गर्त

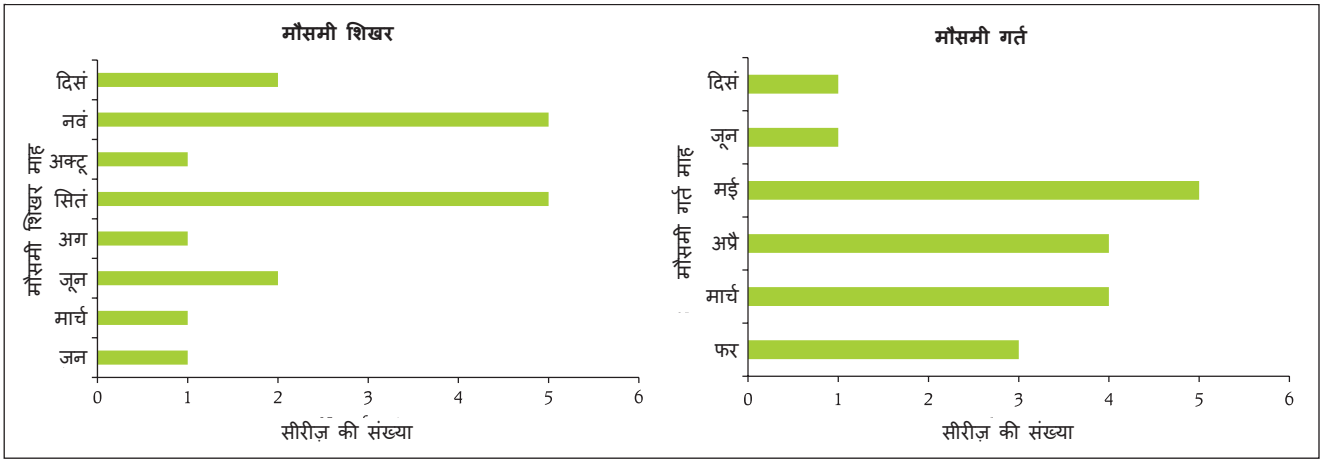

चार्ट 3: डब्ल्यूपीआई सीरीज़ के मौसमी शिखर एवं गर्त

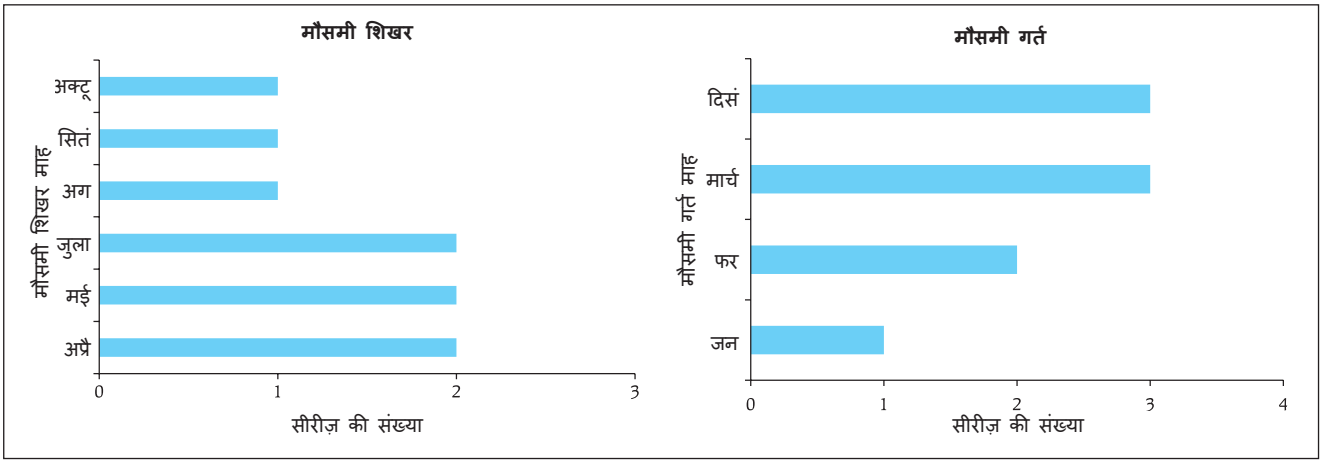

थोकमूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई): डब्ल्यूपीआई-सभी वस्तुओं में मौसमी परिवर्तन मुख्यतः प्राथमिक सामग्रियों में पाया गया, वह भी विशेषतः खाद्य सामग्रियों में और इस प्रकार 2011-12 से डब्ल्यूपीआई-सभी वस्तुओं का एसएफ रेंज बढ़ रहा है। डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित वस्तुओं का एसएफ रेंज और घटकर 0.9 रह गया जो एक दशक पहले 1.5 था। आम तौर पर डब्ल्यूपीआई - ईंधन और ऊर्जा जुलाई माह में शिखर पर रहता है।

औद्योगिक उत्पादन: औद्योगिक उत्पादन अत्यधिक मौसमी है जो मार्च में शिखर पर पहुंचता है और फरवरी[4] या अप्रैल में गर्त में चला जाता है (चार्ट 4)। आईआईपी के अंतर्गत, क्षेत्रगत एवं उपयोग-आधारित समूहों का औसत एसएफ रेंज 10.2-38.0 था, जिसमें पूंजीगत माल और अर्धनिर्मित माल में क्रमशः सर्वाधिक एवं न्यूनतम मौसमीपन दिखा। कोर उद्योगों में, कोयला, सीमेंट एवं इस्पात का उत्पादन अत्यधिक मौसमी रहा।

सेवा क्षेत्र संकेतक: मार्च में छह सेवा क्षेत्र संकेतकों में से चार मौसमी शिखर पर पहुंचा (चार्ट 5)। वाणिज्यिक मोटर वाहन का उत्पादन और बिक्री अत्यधिक मौसमी रहा, जो बाद में और अधिक स्पष्ट दिखाई दिया। इसके विपरीत, *बड़े पोतों में माल की लदाई-उतराई* एवं *रेल मालगाड़ी आवागमन*,

चार्ट 4: आईआईपी सीरीज़ के मौसमी शिखर एवं गर्त

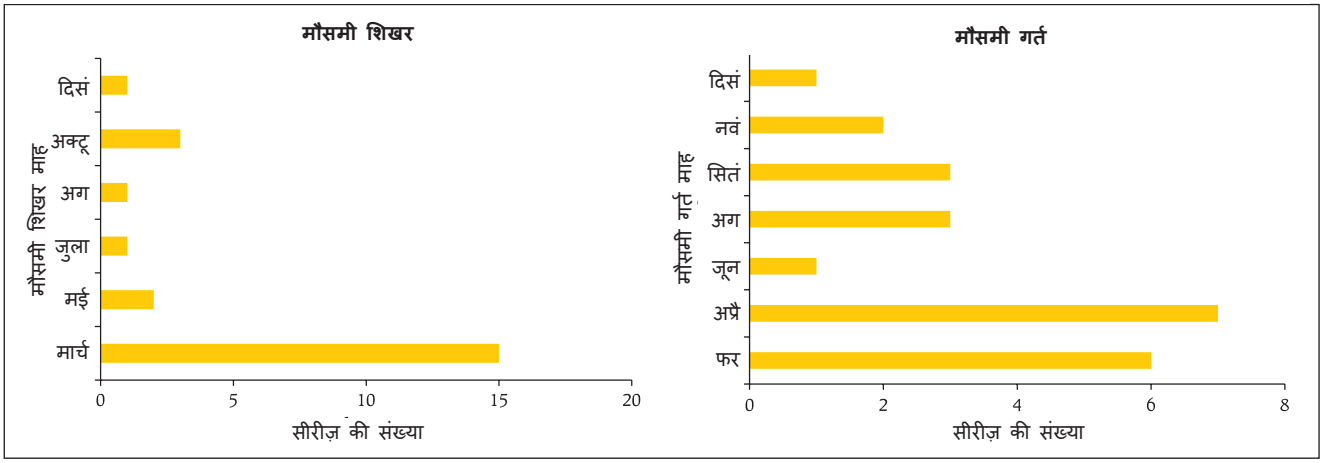

[4] संयोग से, इस आलेख में जिस आउटपुट सीरीज़ के बारे में सोच-विचार किया गया है, उसमें से कोई भी फरवरी में मौसमी शिखर पर नहीं पहुंचा, क्योंकि इम माह में कार्य दिवस अपेक्षाकृत रूप से कम है।

चार्ट 5: सेवा संकेतकों के मौसमी शिखर एवं गर्त

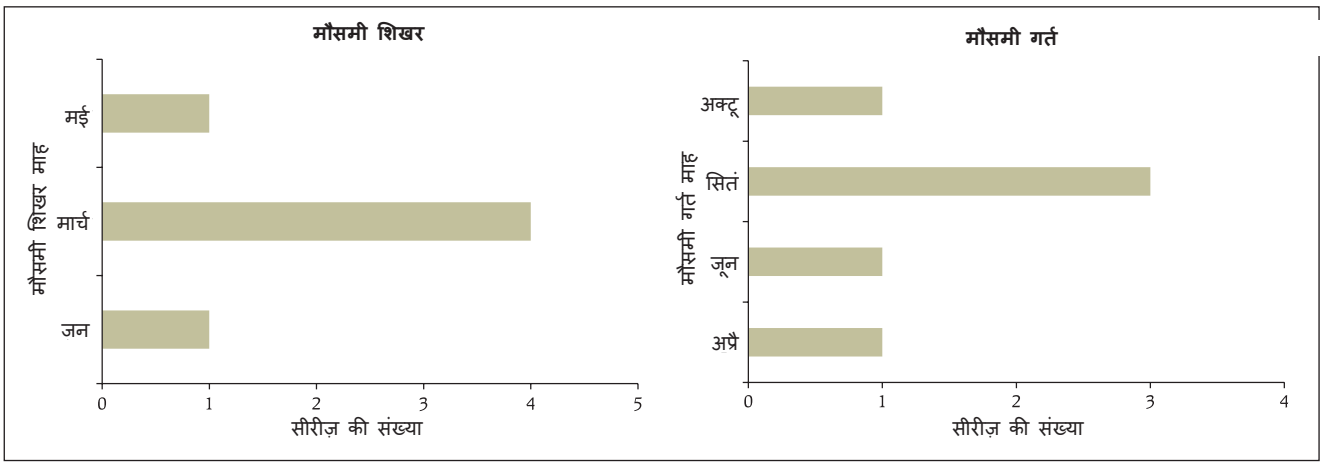

दोनों मामले में मौसमीपन में कमी आई है। यात्री विमान आवागमन भी अत्यधिक मौसमी रहा, यद्यपि, देशी यात्री आवागमन के मामले में मौसमीपन में कमी आई है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय प्रतिपक्षों से तुलनीय है। देशी और अंतरराष्ट्रीय यात्री आवागमन मई और जनवरी में क्रमशः छुट्टियां होने के कारण मौसमी शिखर पर पहुंचा।

पण्य व्यापार: पण्यों के निर्यात और आयात में मौसमी शिखर की स्थिति मार्च और अक्टूबर में भी क्रमशः बनी रही। हाल के वर्षों में बाह्य व्यापार संकेतकों का मौसमीपन बढ़ा (चार्ट 6 और सारणी 2)।

चार्ट 6: पण्य व्यापार में मौसमी परिवर्तन

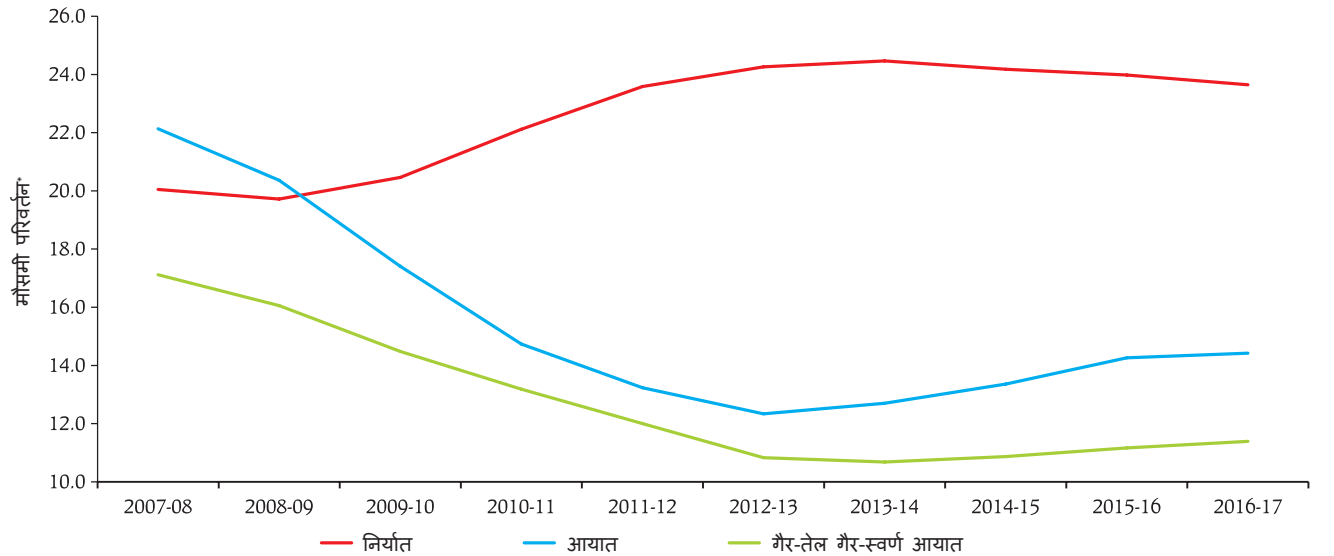

* 12 वर्ष के दौरान एसएफ शिखर एवं एसएफ गर्त वैल्यू के बीच अंतर।

चार्ट 7: बदलते मौसमी परिवर्तन का स्वरूप

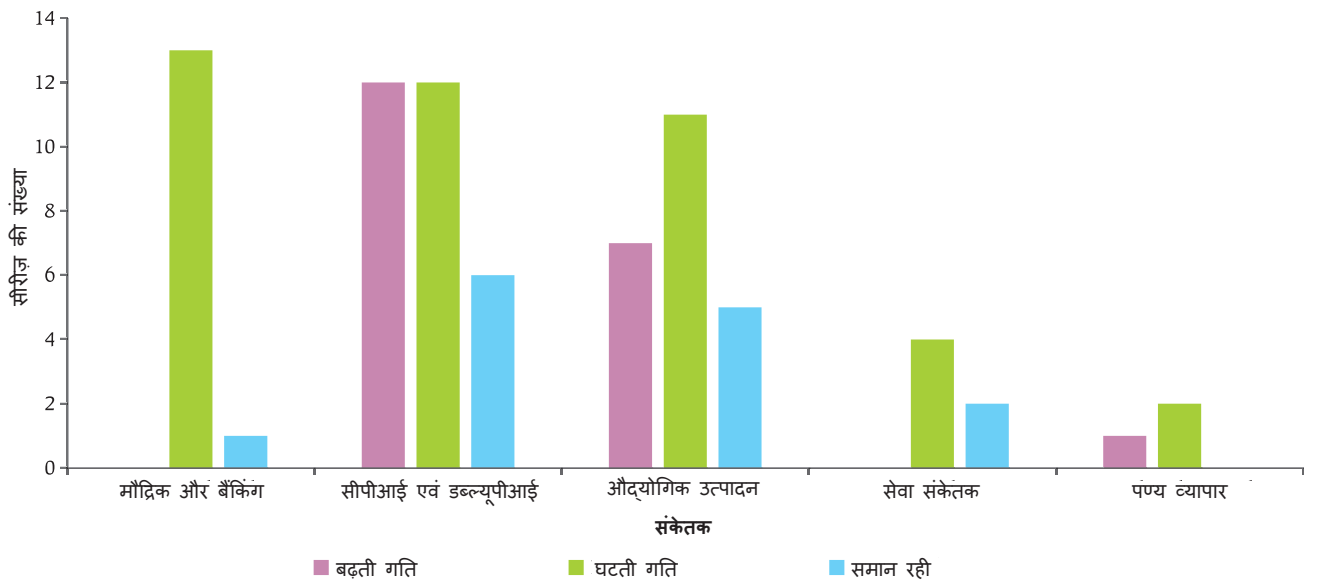

3.1 पिछले दशक में बदलता मौसमीपन स्वरूप

सांख्यिकीय आकलन आधारित परीक्षण[5] दर्शाता है कि 42 सीरीज़ के मामले में मौसमी परिवर्तन में गिरावट आई है जबकि 20 सीरीज़ के मौसमी घटकों में अस्थिरता बढ़ी है और शेष 14 सीरीज़ ने पिछले कुछ वर्षों में आम तौर पर वैसा ही बर्ताव बरकरार रखा है (चार्ट 7)। मौद्रिक और बैंकिंग एग्रिगेट्स में मौसमी परिवर्तन कम हुआ या मोटे तौर पर अपरिवर्तित रहा जबकि आईआईपी श्रेणियों में खनन, प्राथमिक माल, इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल एवं बिजली के मामले में मौसमी परिवर्तन बढ़ा। सीपीआई मदों में, दालों और उत्पादों का मौसमीपन काफी बढ़ा।

3.2 मौसमी शिखर एवं गर्त माहों में बदलाव

वर्ष 2016-17 में, सभी 76 सीरीज़ में, मौसमी परिवर्तन मोटे तौर पर गत पांच वर्षों के औसत के करीब रहा (चार्ट 8)। चुनिंदा 76 सीरीज़ में से 46 के मामले में शिखर और गर्त के माह गत पांच वर्षों के औसत (2011-12 से 2015-16) की तुलना में 2016-17 में अपरिवर्तित रहे। शेष सीरीज़ के मामले में मौसमी शिखर/ गर्त में एक से दो माह का बदलाव पाया गया, जिनमें से पांच सीरीज़ (*नामतः*, संकीर्ण मुद्रा, मीयादी जमा, डब्ल्यूपीआई-विनिर्मित उत्पाद, सीपीआई-दूध एवं उत्पाद

चार्ट 8: मौसमी परिवर्तन का तुलनात्मक विश्लेषण

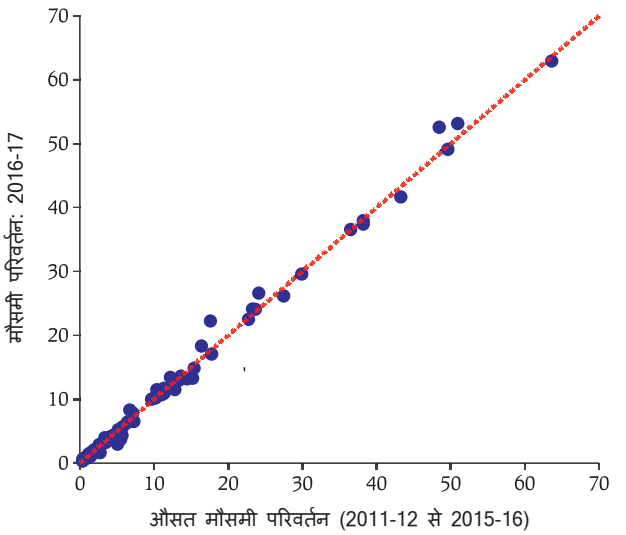

[5] मौसमी परिवर्तन का समय-समय पर सांख्यिकीय आकलन किया गया है और गुणांक के चिह्न के साथ अनुमानित टाइम गुणांक की सार्थकता की भी जांच की गई है। सांख्यिकीय आकलन के परिणाम (β-गुणांक और सार्थकता का स्तर) सारणी 5 में प्रस्तुत हैं।

चार्ट 9: बदलते मौसमी शिखर एवं गर्त माह के उदाहरण

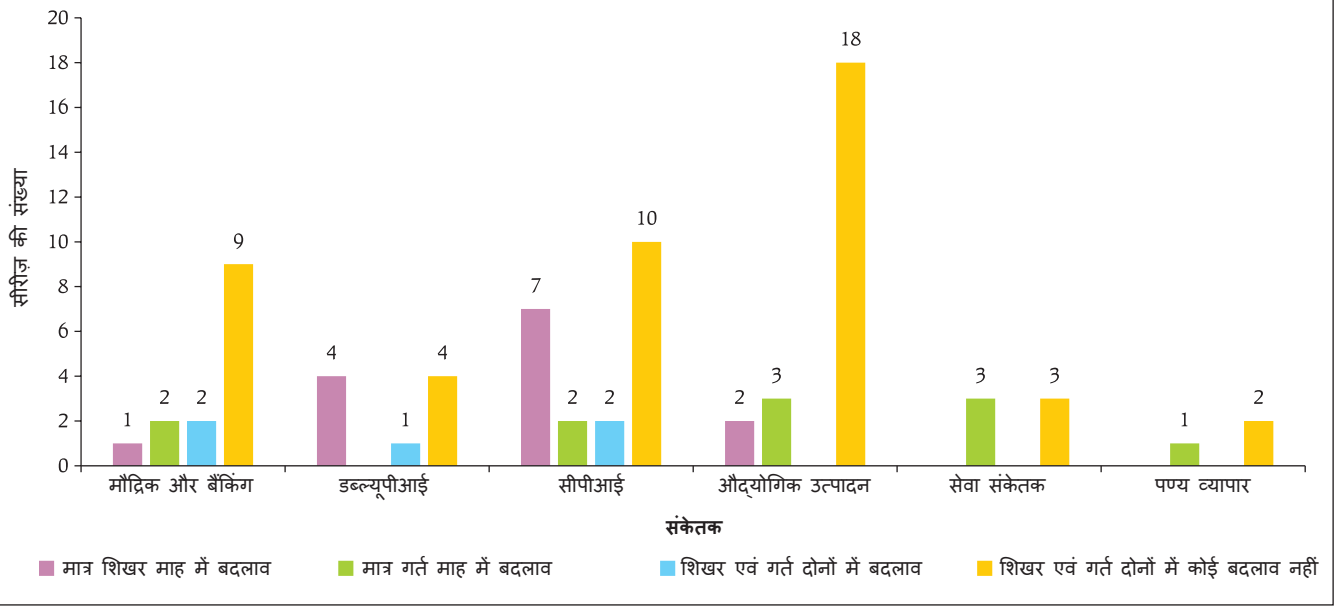

तथा सीपीआई-विविध) के मामले में शिखर एवं गर्त के माहों में एकसाथ बदलाव दर्ज हुआ (चार्ट 9)। तीन पुराने-आधार वाले समग्र सीपीआई के शिखर/ गर्त के माह अपरिवर्तित रहे (*अर्थात,* सीपीआई-आईडब्ल्यू, सीपीआई-एएल एवं सीपीआई-आरएल)।

अनुबंध

मौसमी कारकों का आकलन एवं विचलनों (आउटलाइअर) का प्रशोधन - भारत में विमुद्रीकरण अनुभूति का अवलोकन

डाटा प्राप्त करने की प्रक्रिया (डीजीपी) में विचलन प्रायः बाधा प्रकट करता है और इस प्रकार मॉडल स्पेसिफिकेशन पर प्रभाव पड़ता है, जिससे मानदंड के आकलन में पक्षपात होता है। इसके परिणामस्वरूप, पूर्वानुमान में गलती हो सकती है (कैसर और मारवाल, 1999)। अमरीकी जनगणना ब्यूरो की X-13-ARIMA पद्धति का सामान्य रूप से उपयोग मौसमीपन का आकलन करने के लिए किया जाता है। इससे विचलनों का स्वतः पता लगता है और उसका ठीक तरह से प्रशोधन किया जा सकता है। पैकेज के विचलन स्पेसिफिकेशन से निम्नलिखित का पता चलता है: (ए) ऐडिटिव विचलन (एओ), जो सीरीज़ में मात्र एक विचार को प्रभावित करता है, (बी) अस्थायी परिवर्तन (टीसी) विचलन, जो टाइम सीरीज़ में कांटे माफिक शिखर से मिलता है जिसके कम होने में काफी समय लगता है एवं (सी) स्तर-परिवर्तन (एलएस) विचलन, जो विचारों को एक नया स्तर प्रदान करता है (अमरीकी जनगणना ब्यूरो, 2011;2017)।

हाल में परिचालन में मुद्रा (सीआईसी) एवं अन्य मौद्रिक और बैंकिंग कुल राशियों को जो नुकसान हुआ उससे डीजीपी में परिवर्तन हुआ है, जो X-13-ARIMA पैकेज के एलएस विचलन स्पेसिफिकेशन के अनुकूल है (*अर्थात,* संशोधित सीआईसी का विमुद्रीकरण पूर्व के स्तर से कम होना और कुल जमाराशियों का बढ़ना)। इसलिए, स्वचालित विचलन पहचान दृष्टिकोण के अंतर्गत X-13-ARIMA का उपयोग करते हुए मौद्रिक और बैंकिंग संकेतकों के मौसमीपन का विश्लेषण किया गया था। इसके अतिरिक्त, नवंबर 2016 के दौरान स्तर में परिवर्तन के साथ कोडड विचलन दृष्टिकोण (मैनुअल पहचान) का भी उपयोग किया गया क्योंकि X-13-ARIMA एलएस विचलन के रूप में नवंबर 2016 की पहचान करने में अक्षम था। कोडड विचलन, अपेक्षित चिह्न के साथ सांख्यिकीय

चार्ट 10: कुल जमाराशियों के संबंध में स्वचालित एवं कोडड विचलन पहचान पद्धति पर आधारित मौसमी कारकों की तुलना

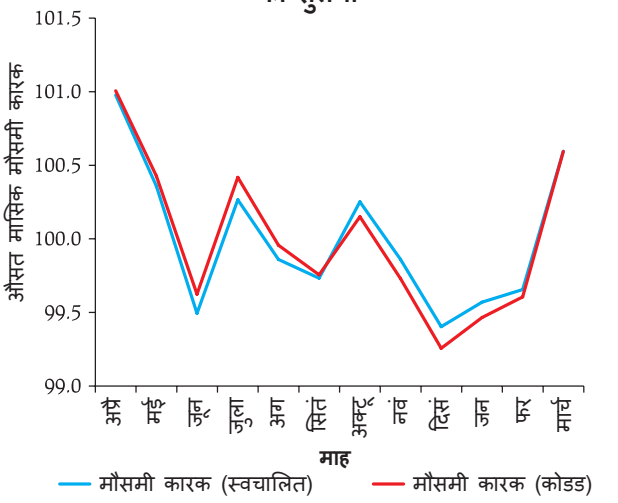

तौर पर पर्याप्त पाया गया। इन सीरीज़ के अनुमानित मौसमी कारकों में इन दो दृष्टिकोणों (स्वचालित एवं कोडड) के अंतर्गत सीमांत रूप से अंतर पाए गए जिसमें मौसमी शिखर और गर्त को लेकर कोई हरकत नहीं पाई गई (चार्ट 10)।

संदर्भ:

कैसर, रेजिना एंड एग्स्टीन मारवाल (1999): *'सीसनल आउटलाइअर्स इन टाइम सीरीज़'*, डाक्यूमेन्टो दी ट्रेबजो न. 9915, बान्को दी एस्पन,

अमरीकी जनगणना ब्यूरो (2011): *'X-12-ARIMA रेफरेन्स मैनुअल'*, वर्शन 0.3

अमरीकी जनगणना ब्यूरो (2017): *'X-13-ARIMA-SEATS रेफरेन्स मैनुअल'*, वर्शन 0.1

सारणी 1: चुनिंदा आर्थिक टाइम सीरीज़ के औसत मासिक मौसमी कारक *(जारी)*

सीरीज़/माह	अप्रै	मई	जून	जुला	अग	सितं	अक्टू	नवं	दिसं	जन	फर	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ए.1.1 व्यापक मुद्रा (एम$_3$)	101.4	100.9	100.1	100.2	99.8	99.4	99.7	99.5	99.1	99.5	99.8	100.6
ए.1.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	101.0	101.0	100.6	101.6	100.9	99.6	99.9	100.0	98.0	99.1	99.2	99.4
ए.1.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	100.9	100.1	100.0	99.3	98.9	99.4	99.5	99.3	99.7	100.2	100.5	102.1
ए.1.2 संकीर्ण मुद्रा (एम$_1$)	102.3	101.4	100.7	99.3	98.9	99.0	98.6	98.7	99.3	98.8	100.0	102.9
ए.1.3 आरक्षित मुद्रा (आरएम)	102.3	101.7	101.0	99.6	98.8	98.1	98.5	99.2	98.6	98.7	99.2	104.5
ए.1.3.1 संचलन में मुद्रा	102.8	103.2	101.8	99.4	98.6	97.6	98.3	98.9	99.1	99.6	100.2	100.5
ए.2.1 समग्र जमाराशियाँ (एससीबी)	101.0	100.4	99.6	100.4	100.0	99.8	100.2	99.7	99.3	99.5	99.6	100.6
ए.2.1.1 माँग जमाराशियाँ (एससीबी)	101.1	99.1	98.0	98.6	98.5	100.8	99.6	98.9	99.9	98.7	99.7	106.5
ए.2.1.2 सावधि जमाराशियाँ (एससीबी)	100.8	100.6	99.8	100.6	100.1	99.5	100.4	100.0	99.3	99.6	99.6	99.8
ए.3.1 हाथ में नकदी और रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष (एससीबी)	101.8	99.3	100.3	101.2	100.6	101.1	99.8	101.1	100.0	97.4	98.4	99.4
ए.3.2 बैंक ऋण (एससीबी)	101.1	100.3	100.2	99.6	99.0	99.4	99.2	99.0	99.7	99.8	100.3	102.3
ए.3.2.1 ऋण, नकदी, जमा और ओवरड्राफ्ट (एससीबी)	100.5	100.1	100.3	99.1	98.8	100.5	99.2	99.0	99.6	99.7	100.1	103.1
ए.3.2.2 खाद्येतर ऋण (एससीबी)	101.2	100.1	100.0	99.6	99.0	99.5	99.3	99.0	99.7	99.8	100.2	102.4
ए.3.3 निवेश (एससीबी)	100.3	100.4	100.0	101.1	101.7	100.9	100.8	100.5	98.8	99.1	99.0	97.6
बी. सीपीआई (आधार: 2012=100) सभी पण्य	99.2	99.4	100.0	100.7	100.9	101.0	101.0	100.7	99.9	99.4	99.0	98.9
बी.1 सीपीआई - खाद्य एवं पेय पदार्थ	98.2	98.8	100.1	101.6	102.1	102.0	102.0	101.3	99.6	98.6	98.0	97.7
बी.1.1 सीपीआई - अनाज और उत्पाद	99.7	99.6	99.7	99.9	100.1	100.2	100.3	100.3	100.1	100.2	100.2	100.0
बी.1.2 सीपीआई - मांस और मछली	99.8	100.4	101.8	101.7	101.1	100.2	99.6	98.7	98.6	99.3	99.3	99.4
बी.1.3 सीपीआई - अंडे	96.7	96.5	98.2	99.9	99.0	99.0	99.3	101.7	103.6	104.1	102.1	99.5
बी.1.4 सीपीआई - दूध और उत्पाद	99.6	99.9	100.0	100.2	100.3	100.3	100.2	100.3	100.0	99.8	99.8	99.6
बी.1.5 सीपीआई - फल	102.6	102.8	102.9	103.5	102.3	98.8	98.9	98.5	97.4	97.1	97.0	98.3
बी.1.6 सीपीआई - सब्जियां	90.7	94.1	100.4	107.3	110.9	111.1	110.5	106.7	97.9	92.3	89.5	88.5
बी.1.6.1 सीपीआई - आलू	85.7	94.5	101.5	108.7	113.3	114.6	116.7	116.8	102.3	86.5	79.4	80.2
बी.1.6.2 सीपीआई - प्याज	78.9	77.3	82.9	95.4	117.3	126.5	125.0	120.1	104.9	96.7	90.9	82.8
बी.1.6.3 सीपीआई - टमाटर	80.5	92.7	110.8	136.6	117.8	109.2	109.2	118.8	93.4	80.8	73.6	76.4
बी.1.7 सीपीआई - दालें और उत्पाद	98.1	98.7	99.1	99.8	100.3	101.1	101.7	102.1	101.4	100.4	99.2	98.3
बी.1.8 सीपीआई - मसाले	99.2	99.3	99.6	100.0	100.3	100.5	100.5	100.5	100.5	100.2	99.9	99.5
बी.1.9 सीपीआई - मदिरा रहित पेय पदार्थ	99.9	100.0	100.1	100.0	100.1	100.1	100.1	100.1	100.0	100.0	99.9	99.8
बी.1.10 सीपीआई - तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि।	99.8	99.7	99.8	99.9	100.0	100.1	100.1	100.3	100.3	100.1	100.1	99.9
बी.2 सीपीआई - क्लोथिंग और फुटवेयर	99.9	99.8	99.8	99.8	99.9	100.0	100.1	100.2	100.3	100.2	100.1	100.0
बी.3 सीपीआई - आवास	100.2	100.1	99.3	99.5	100.0	100.0	100.2	100.3	99.6	100.2	100.3	100.2
बी.4 सीपीआई - विविध	99.6	99.8	99.9	100.2	100.2	100.3	100.3	100.2	100.0	99.9	99.8	99.7
सी.1 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 2001=100)	98.9	99.2	99.6	100.3	100.7	100.9	101.1	101.0	100.4	99.8	99.3	98.8
सी.2 कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 1986-87= 100)	99.3	99.3	99.7	100.8	100.8	100.7	101.0	100.8	99.9	99.6	99.1	98.8
सी.3 ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार:1986-87 =100)	98.8	99.1	99.6	100.3	100.8	101.0	101.2	101.1	100.3	99.7	99.2	98.8
डी. डब्ल्यूपीआई (आधार : 2011-12=100) सभी पण्य	99.9	100.2	100.2	100.7	100.6	100.7	100.6	100.1	99.3	99.4	99.0	99.2
डी.1 डब्ल्यूपीआई - प्राथमिक वस्तुएँ	99.0	99.7	100.9	101.5	102.0	101.4	101.1	101.3	99.1	98.5	97.8	97.6
डी.1.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य पदार्थ	99.0	99.3	100.4	101.6	102.0	102.0	102.3	101.9	98.7	98.6	97.2	96.8
डी.2 डब्ल्यूपीआई - ईंधन और विद्युत	99.2	100.1	99.8	101.5	100.9	101.1	100.9	100.3	99.5	99.1	98.8	98.9
डी.3 डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित उत्पाद	100.4	100.4	100.3	100.3	100.2	100.2	100.1	99.7	99.4	99.7	99.6	99.8
डी.3.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	100.1	100.0	99.9	100.5	100.6	100.8	100.3	99.9	99.7	99.8	99.5	98.9
डी.3.2 डब्ल्यूपीआई - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	100.1	100.4	100.3	100.4	100.4	100.2	100.1	99.7	99.5	99.5	99.6	99.7
डी.3.3 डब्ल्यूपीआई - मूल मिश्र धातु एवं धातु उत्पादों का विनिर्माण	101.2	101.1	100.7	100.0	99.5	99.7	99.9	99.6	99.1	99.4	99.5	100.4
डी.3.4 डब्ल्यूपीआई - मशीनरी एवं यंत्र उपकरणों का विनिर्माण	100.3	100.3	100.3	100.0	99.9	100.0	99.9	99.9	99.8	99.7	99.9	100.1
ई.आईआईपी (आधार 2011-12=100) सामान्य सूचकांक	96.6	99.5	98.5	98.2	96.5	97.9	99.5	97.9	103.7	103.4	98.6	109.5
ई.1.1 आईआईपी - प्राथमिक माल	97.1	102.2	99.1	97.8	97.7	95.0	100.6	98.2	104.2	104.0	96.0	108.1

सारणी 1: चुनिंदा आर्थिक टाइम सीरीज़ के औसत मासिक मौसमी कारक *(समाप्त)*

सीरीज़/माह	अप्रै	मई	जून	जुला	अग	सितं	अक्टू	नवं	दिसं	जन	फर	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
ई.1.2 आईआईपी - पूंजीगत माल	89.7	96.9	100.9	95.4	96.2	102.4	94.9	97.9	100.1	95.8	102.2	127.7
ई.1.3 आईआईपी - अर्धनिर्मित वस्तुएं	99.6	100.2	99.4	101.2	100.4	100.3	98.5	97.1	100.2	100.0	96.5	106.7
ई.1.4 आईआईपी - इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल	99.9	105.1	101.8	101.5	97.7	97.0	97.2	92.3	99.8	103.6	97.9	106.0
ई.1.5 आईआईपी - उपभोक्ता माल	95.6	98.1	96.5	97.7	96.4	99.9	101.8	99.6	104.0	102.7	100.1	107.3
ई.1.5.1 आईआईपी - उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	94.3	97.2	97.3	98.2	96.8	106.2	107.4	101.7	98.8	99.0	96.6	106.1
ई.1.5.2 आईआईपी - उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	95.3	98.9	96.6	97.9	96.3	95.7	95.8	98.3	108.3	105.8	102.5	108.5
ई.2.1 आईआईपी - खनन	98.3	100.8	95.6	92.3	90.9	89.4	97.8	99.7	106.9	108.6	102.4	117.8
ई.2.2 आईआईपी - विनिर्माण	96.0	99.1	98.6	98.8	97.1	99.0	99.4	97.7	103.7	102.9	98.8	108.5
ई.2.2.1 आईआईपी - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	94.8	87.5	86.0	90.7	88.2	88.8	94.9	101.9	122.5	120.3	113.3	111.0
ई.2.2.2 आईआईपी - पेय पदार्थों का विनिर्माण	123.0	134.9	108.5	88.2	83.1	88.5	90.8	84.3	88.7	92.3	98.3	120.3
ई.2.2.3 आईआईपी - वस्त्रों का विनिर्माण	97.1	98.5	97.8	101.5	103.6	102.0	101.8	98.7	100.7	100.8	95.6	101.9
ई.2.2.4 आईआईपी - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	93.5	100.9	100.6	104.7	102.8	101.3	100.6	98.4	100.8	99.7	93.9	102.7
ई.2.2.5 आईआईपी - मोटर वाहन, ट्रेलर्स एवं सेमी-ट्रेलर्स	100.5	102.0	98.1	100.2	98.8	100.8	100.6	100.8	94.1	98.6	99.6	105.4
ई.2.3 आईआईपी- विद्युत	99.8	104.2	99.7	101.7	101.2	98.7	102.7	95.7	98.9	100.2	93.4	103.3
ई.3 सीमेंट उत्पादन	104.3	103.4	99.4	97.0	90.2	91.4	99.0	92.2	102.3	106.3	101.1	113.6
ई.4 इस्पात उत्पादन	98.4	103.9	98.5	100.3	99.2	96.8	99.2	95.3	100.5	104.1	97.9	105.3
ई.5 कोयला उत्पादन	91.3	93.5	89.0	83.8	83.0	82.3	97.3	104.4	113.4	116.8	110.8	134.6
ई.6 कच्चा तेल उत्पादन	98.9	101.4	99.2	101.5	101.2	97.8	101.9	99.2	102.1	101.7	92.5	102.5
ई.7 पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन	96.0	100.0	99.6	101.6	100.9	95.7	101.3	98.2	103.3	102.8	95.7	105.1
ई.8 उर्वरक उत्पादन	81.7	95.9	98.6	105.5	105.9	104.2	107.7	105.2	106.3	102.8	93.2	92.7
ई.9 प्राकृतिक गैस उत्पादन	97.6	101.6	98.6	102.1	101.5	98.5	102.5	99.7	102.5	101.8	91.5	102.0
एफ.1 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का उत्पादन	95.0	95.8	90.9	96.5	98.1	99.0	99.7	100.6	94.0	105.9	106.1	117.6
एफ.2 बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया- उतारा गया माल	99.9	103.9	96.5	99.1	98.2	93.0	98.6	99.1	102.6	104.1	95.5	108.7
एफ.3 रेलवे माल यातायात	97.4	100.7	96.5	97.9	95.4	93.4	98.8	98.6	103.8	106.6	97.9	112.7
एफ.4 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का विक्रय	86.1	90.9	96.9	94.2	95.5	106.4	99.7	94.0	98.0	103.6	104.3	129.1
एफ.5 विमान यात्री (कि.मी.)- देशी	101.2	112.0	103.5	96.4	94.2	89.3	98.6	99.7	107.9	102.9	95.9	98.5
एफ.6 विमान यात्री (कि.मी.)- अंतरराष्ट्रीय	96.2	101.0	100.7	106.0	104.0	93.4	93.3	95.2	105.8	109.0	93.9	101.8
जी.1 निर्यात	97.2	100.7	100.5	100.2	97.8	101.6	97.7	92.4	101.5	99.3	96.1	115.1
जी.2 आयात	99.3	104.9	100.2	103.7	98.8	102.4	106.0	98.8	98.4	97.0	90.9	100.9
जी.3 गैर-तेल गैर-स्वर्ण आयात	94.6	99.1	100.6	102.2	98.8	100.6	105.1	103.0	104.1	100.1	93.1	98.4

[1]मौसमी कारक: 100 से विचलन मौसमी-प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, डब्ल्यूपीआई के मौसमी कारक - अक्तूबर (107.6) के दौरान फल और सब्जियों में बढ़ोतरी हुई और मार्च (89.8) के दौरान कम हो गई जो यह दर्शाती हैं कि अक्टूबर के दौरान थोक बाजार में फल और सब्जियों में कीमत का दबाव रहा और मौसमी परिवर्तन के कारण ये दबाव मार्च में कम हो गया।

टिप्पणी 2:

सभी सीपीआई सूचकांकों के लिए, औसत मासिक मौसमी कारकों की गत 6 वर्षों के आधार पर गणना की गई है (अर्थात अप्रैल 2011 से मार्च 2017)। साथ ही, आईआईपी (संपूर्ण, खनन, विनिर्माण और बिजली) और डब्ल्यूपीआई की पिछली सीरीज़ की गणना के लिए औसत लिंकिंग कारक का उपयोग किया गया।

औसत लिंकिंग फैक्टर की गणना अप्रैल 2012 से मार्च 2017 की समान अवधि के लिए आईआईपी/ डब्ल्यूपीआई सीरीज़ के आधार पर की गई। तथापि, आईआईपी की पिछली सीरीज़ का भिन्न-भिन्न स्तर पर समेकन नहीं किया गया क्योंकि कवरेज में बड़े बदलाव हुए थे।

सारणी 2: मौसमी कारकों का दायरा (शिखर और गर्त के बीच का अंतर) *(जारी)*

सीरीज़/ वर्ष	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	औसत दायरा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ए.1.1 व्यापक मुद्रा ($एम_3$)	3.0	3.0	2.8	2.6	2.3	2.1	2.0	2.0	1.9	1.9	2.4
ए.1.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	5.3	5.3	4.9	4.4	4.0	3.5	3.0	2.9	3.0	3.1	3.9
ए.1.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	4.2	4.3	4.2	3.8	3.2	2.7	2.4	2.4	2.5	2.6	3.2
ए.1.2 संकीर्ण मुद्रा ($एम_1$)	6.2	6.0	5.4	4.9	4.5	4.0	3.7	4.2	4.7	5.1	4.9
ए.1.3 आरक्षित मुद्रा (आरएम)	6.3	6.5	6.7	6.6	6.5	6.4	6.3	6.2	6.3	6.4	6.4
ए.1.3.1 संचलन में मुद्रा	6.8	6.6	6.3	5.9	5.6	5.3	5.1	5.0	5.1	5.1	5.7
ए.2.1 समग्र जमाराशियाँ (एससीबी)	2.5	2.5	2.3	2.1	1.9	1.7	1.6	1.5	1.4	1.4	1.9
ए.2.1.1 माँग जमाराशियाँ (एससीबी)	14.5	14.3	13.0	11.1	8.6	6.2	5.4	5.8	6.6	7.3	9.3
ए.2.1.2 सावधि जमाराशियाँ (एससीबी)	2.2	2.2	2.3	2.2	2.0	1.6	1.3	1.1	1.2	1.3	1.7
ए.3.1 हाथ में नकदी और रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष (एससीबी)	11.2	9.8	7.7	5.6	4.5	3.5	4.2	4.6	5.1	5.7	6.2
ए.3.2 बैंक ऋण (एससीबी)	4.1	4.3	4.2	3.9	3.5	3.1	2.8	2.6	2.5	2.5	3.4
ए.3.2.1 ऋण, नकदी, जमा और ओवरड्राफ्ट (एससीबी)	4.8	4.5	4.3	4.2	4.2	4.2	4.2	4.2	4.1	4.2	4.3
ए.3.2.2 खाद्येतर ऋण (एससीबी)	4.2	4.5	4.5	4.1	3.6	3.1	2.8	2.7	2.8	2.9	3.5
ए.3.3 निवेश (एससीबी)	4.1	4.5	4.7	4.8	4.6	4.4	4.0	3.7	3.4	3.3	4.1
बी. सीपीआई (आधार: 2012=100) सभी पण्य					2.2	2.2	2.2	2.1	2.1	2.1	2.1
बी.1 सीपीआई - खाद्य एवं पेय पदार्थ					4.3	4.3	4.4	4.5	4.6	4.6	4.4
बी.1.1 सीपीआई - अनाज और उत्पाद					1.0	0.9	0.8	0.7	0.6	0.6	0.8
बी.1.2 सीपीआई - मांस और मछली					3.1	3.1	3.2	3.3	3.4	3.5	3.3
बी.1.3 सीपीआई - अंडे					8.6	8.2	7.8	7.4	7.3	7.1	7.7
बी.1.4 सीपीआई - दूध और उत्पाद					0.9	0.9	0.8	0.7	0.7	0.7	0.8
बी.1.5 सीपीआई - फल					6.5	6.5	6.5	6.5	6.6	6.5	6.5
बी.1.6 सीपीआई - सब्जियां					22.6	22.6	22.4	22.4	22.5	22.7	22.5
बी.1.6.1 सीपीआई - आलू					36.9	37.0	37.1	37.8	38.2	38.2	37.5
बी.1.6.2 सीपीआई - प्याज					47.8	48.5	49.0	50.3	50.0	49.6	49.2
बी.1.6.3 सीपीआई - टमाटर					62.7	62.8	63.1	63.0	63.0	63.6	63.1
बी.1.7 सीपीआई - दालें और उत्पाद					2.9	3.1	3.6	4.2	4.9	5.5	4.0
बी.1.8 सीपीआई - मसाले					1.7	1.6	1.4	1.3	1.2	1.1	1.4
बी.1.9 सीपीआई - मदिरा रहित पेय पदार्थ					0.3	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
बी.1.10 सीपीआई - तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि।					0.8	0.8	0.7	0.6	0.5	0.4	0.6
बी.2 सीपीआई - क्लोथिंग और फुटवेयर					0.7	0.7	0.6	0.5	0.4	0.3	0.5
बी.3 सीपीआई - आवास					1.3	1.2	1.0	1.0	1.0	1.0	1.1
बी.4 सीपीआई - विविध					0.8	0.8	0.7	0.7	0.6	0.6	0.7
सी.1 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 2001=100)	2.1	2.1	2.1	2.1	2.2	2.3	2.4	2.5	2.5	2.4	2.3
सी.2 कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 1986-87= 100)	2.2	2.1	2.0	2.0	2.1	2.2	2.2	2.3	2.3	2.4	2.2
सी.3 ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार:1986-87 =100)	2.4	2.4	2.4	2.4	2.4	2.5	2.5	2.6	2.6	2.6	2.5
डी. डब्ल्यूपीआई (आधार : 2011-12=100) सभी पण्य	2.0	1.9	1.7	1.4	1.4	1.6	1.9	2.0	2.1	2.2	1.8
डी.1 डब्ल्यूपीआई - प्राथमिक वस्तुएँ	4.1	3.9	3.6	3.5	3.9	4.3	4.8	5.2	5.4	5.3	4.4
डी.1.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य पदार्थ	5.8	5.9	5.8	5.6	5.5	5.5	5.7	5.8	5.8	5.7	5.7
डी.2 डब्ल्यूपीआई - ईंधन और विद्युत	3.5	3.4	2.9	2.3	2.0	2.0	2.7	3.7	4.5	5.1	3.2
डी.3 डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित उत्पाद	1.5	1.4	1.3	1.1	1.0	0.9	0.8	0.9	0.9	0.9	1.1
डी.3.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	1.6	1.7	1.9	2.0	2.1	2.1	2.0	1.9	1.8	1.8	1.9
डी.3.2 डब्ल्यूपीआई - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	1.0	1.0	1.0	1.0	1.0	0.9	1.0	1.1	1.3	1.4	1.1
डी.3.3 डब्ल्यूपीआई - मूल मिश्र धातु एवं धातु उत्पादों का विनिर्माण	3.4	2.8	2.2	1.7	1.4	1.2	1.4	1.8	2.3	2.7	2.1
डी.3.4 डब्ल्यूपीआई - मशीनरी एवं यंत्र उपकरणों का विनिर्माण	0.9	0.7	0.6	0.6	0.6	0.7	0.7	0.6	0.7	0.7	0.7
ई.आईआईपी (आधार 2011-12=100) सामान्य सूचकांक	13.8	14.1	14.3	14.3	14.0	13.3	12.5	12.4	12.5	12.6	13.4
ई.1.1 आईआईपी - प्राथमिक माल						12.7	12.9	13.1	13.2	13.3	13.0

सारणी 2: मौसमी कारकों का दायरा (शिखर और गर्त के बीच का अंतर) *(समाप्त)*

सीरीज़/ वर्ष	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	औसत दायरा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
ई.1.2 आईआईपी - पूंजीगत माल						37.9	38.0	37.8	38.2	38.2	38.0
ई.1.3 आईआईपी - अर्धनिर्मित वस्तुएं						10.3	10.2	10.2	10.1	10.2	10.2
ई.1.4 आईआईपी - इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल						12.4	12.9	13.6	14.4	15.2	13.7
ई.1.5 आईआईपी - उपभोक्ता माल						12.0	11.8	11.6	11.5	11.3	11.6
ई.1.5.1 आईआईपी - उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं						14.0	13.8	13.3	12.7	12.2	13.2
ई.1.5.2 आईआईपी - उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं						14.4	13.8	13.1	13.3	13.6	13.6
ई.2.1 आईआईपी - खनन	25.1	26.1	27.0	27.8	28.8	29.4	29.8	30.0	30.1	29.9	28.4
ई.2.2 आईआईपी - विनिर्माण	14.2	13.4	12.9	12.5	12.1	11.9	12.1	12.2	12.4	12.4	12.6
ई.2.2.1 आईआईपी - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण						36.6	36.6	36.5	36.5	36.5	36.5
ई.2.2.2 आईआईपी - पेय पदार्थों का विनिर्माण						54.5	53.7	52.0	50.0	48.5	51.7
ई.2.2.3 आईआईपी - वस्त्रों का विनिर्माण						9.2	8.7	8.1	7.4	6.7	8.0
ई.2.2.4 आईआईपी - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण						11.4	11.4	11.3	11.1	10.8	11.2
ई.2.2.5 आईआईपी - मोटर वाहन, ट्रेलर्स एवं सेमी-ट्रेलर्स						12.0	11.8	11.4	11.0	10.3	11.3
ई.2.3 आईआईपी- विद्युत	10.3	10.7	11.3	11.2	10.7	10.8	11.4	12.1	12.5	12.8	11.4
ई.3 सीमेंट उत्पादन	21.6	22.1	23.1	23.7	24.4	24.4	24.4	23.8	23.6	23.3	23.5
ई.4 इस्पात उत्पादन	12.3	10.7	10.7	10.4	10.2	10.7	10.9	10.9	10.9	11.0	10.9
ई.5 कोयला उत्पादन	49.3	51.5	53.3	54.5	55.0	54.3	53.0	51.9	51.3	51.0	52.5
ई.6 कच्चा तेल उत्पादन	10.1	10.1	10.2	10.2	10.2	10.1	10.1	9.9	9.8	9.6	10.0
ई.7 पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन	8.7	8.7	9.1	9.4	10.1	10.5	10.7	10.6	10.3	10.2	9.8
ई.8 उर्वरक उत्पादन	27.3	26.3	25.6	26.2	26.8	27.3	27.3	26.5	25.3	24.1	26.3
ई.9 प्राकृतिक गैस उत्पादन	12.2	12.0	11.3	11.0	10.8	10.8	10.9	10.9	11.1	11.3	11.2
एफ.1 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का उत्पादन	28.7	29.0	29.3	28.8	27.5	26.0	25.2	25.1	26.9	27.5	27.4
एफ.2 बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया- उतारा गया माल	17.6	17.2	16.7	16.0	15.3	14.8	14.6	14.6	15.1	15.4	15.7
एफ.3 रेलवे माल यातायात	21.6	21.4	21.1	20.6	20.0	19.1	18.3	17.4	16.8	16.4	19.3
एफ.4 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का विक्रय	47.6	45.2	43.3	41.8	40.9	40.8	41.6	42.3	42.9	43.3	43.0
एफ.5 विमान यात्री (कि.मी.)- देशी	22.7	23.9	25.3	25.8	25.7	24.3	22.4	20.3	18.6	17.6	22.7
एफ.6 विमान यात्री (कि.मी.)- अंतरराष्ट्रीय	17.1	17.9	17.7	16.1	14.7	16.3	17.9	18.3	18.2	17.7	17.2
जी.1 निर्यात	20.1	19.7	20.5	22.1	23.6	24.3	24.5	24.2	24.0	23.6	22.6
जी.2 आयात	22.1	20.4	17.4	14.7	13.2	12.3	12.7	13.4	14.3	14.4	15.5
जी.3 गैर-तेल गैर-स्वर्ण आयात	17.1	16.1	14.5	13.2	12.0	10.8	10.7	10.9	11.2	11.4	12.8

**इन सीरीज़ के लिए मौसमी समायोजन, उपलब्धता के आधार पर 10 वर्ष तक के आंकड़ों पर आधारित है। तथापि, दोनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस), यूके और अमेरिकी सेन्सस ब्यूरो के दिशा-निर्देश स्थिर मासिक मौसमी कारकों का अनुमान लगाने के लिए दस वर्ष से अधिक अवधि के आंकड़ों का प्रयोग करने का सुझाव देते हैं।

सारणी 3: गत 5 वर्षों की तुलना में 2016-17 में मौसमी परिवर्तन में बदलाव (2011-12 से 2015-16)

वेरीअबल का नाम	2016-17	औसत दायरा*	बदलाव	वेरीअबल का नाम	2016-17	औसत दायरा*	बदलाव
1	2	3	4	1	2	3	4
ए.1.1 व्यापक मुद्रा ($एम_3$)	1.9	2.1	-0.2	डी.2 डब्ल्यूपीआई - ईंधन और विद्युत	5.1	3.0	2.1
ए.1.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3.1	3.3	-0.2	डी.3 डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित उत्पाद	0.9	0.9	0.0
ए.1.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	2.6	2.6	0.0	डी.3.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	1.8	2.0	-0.2
ए.1.2 संकीर्ण मुद्रा ($एम_1$)	5.1	4.2	0.8	डी.3.2 डब्ल्यूपीआई-रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	1.4	1.1	0.4
ए.1.3 आरक्षित मुद्रा (आरएम)	6.4	6.3	0.0	डी.3.3 डब्ल्यूपीआई - मूल मिश्र धातु एवं धातु उत्पादों का विनिर्माण	2.7	1.6	1.1
ए.1.3.1 संचलन में मुद्रा	5.1	5.2	-0.1				
ए.2.1 समग्र जमाराशियाँ (एससीबी)	1.4	1.6	-0.3	डी.3.4 डब्ल्यूपीआई - मशीनरी एवं यंत्र उपकरणों का विनिर्माण	0.7	0.7	0.0
ए.2.1.1 माँग जमाराशियाँ (एससीबी)	7.3	6.5	0.7	ई. आईआईपी (आधार 2011-12=100) सामान्य सूचकांक	12.6	12.9	-0.4
ए.2.1.2 सावधि जमाराशियाँ (एससीबी)	1.3	1.4	-0.2	ई.1.1 आईआईपी - प्राथमिक माल	13.3	13.0	0.3
ए.3.1 हाथ में नकदी और रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष (एससीबी)	5.7	4.4	1.3	ई.1.2 आईआईपी - पूंजीगत माल	38.2	38.0	0.2
ए.3.2 बैंक ऋण (एससीबी)	2.5	2.9	-0.4	ई.1.3 आईआईपी - अर्धनिर्मित वस्तुएं	10.2	10.2	0.0
ए.3.2.1 ऋण, नकदी, जमा और ओवरड्राफ्ट (एससीबी)	4.2	4.2	0.0	ई.1.4 आईआईपी - इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल	15.2	13.3	1.9
ए.3.2.2 खाद्येतर ऋण (एससीबी)	2.9	3.0	-0.1	ई.1.5 आईआईपी - उपभोक्ता माल	11.3	11.7	-0.4
ए.3.3 निवेश (एससीबी)	3.3	4.0	-0.7	ई.1.5.1 आईआईपी - उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	12.2	13.4	-1.3
बी. सीपीआई (आधार: 2012=100) सभी पण्य	2.1	2.2	-0.1	ई.1.5.2 आईआईपी - उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	13.6	13.6	0.0
बी.1 सीपीआई - खाद्य एवं पेय पदार्थ	4.6	4.4	0.2	ई.2.1 आईआईपी - खनन	29.9	29.6	0.3
बी.1.1 सीपीआई - अनाज और उत्पाद	0.6	0.8	-0.2	ई.2.2 आईआईपी - विनिर्माण	12.4	12.1	0.2
बी.1.2 सीपीआई - मांस और मछली	3.5	3.2	0.2	ई.2.2.1 आईआईपी - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	36.5	36.5	-0.1
बी.1.3 सीपीआई - अंडे	7.1	7.9	-0.8	ई.2.2.2 आईआईपी - पेय पदार्थों का विनिर्माण	48.5	52.6	-4.1
बी.1.4 सीपीआई - दूध और उत्पाद	0.7	0.8	-0.1	ई.2.2.3 आईआईपी - वस्त्रों का विनिर्माण	6.7	8.3	-1.7
बी.1.5 सीपीआई - फल	6.5	6.5	0.0	ई.2.2.4 आईआईपी - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	10.8	11.3	-0.5
बी.1.6 सीपीआई - सब्जियां	22.7	22.5	0.2	ई.2.2.5 आईआईपी - मोटर वाहन, ट्रेलर्स एवं सेमी-ट्रेलर्स	10.3	11.5	-1.2
बी.1.6.1 सीपीआई - आलू	38.2	37.4	0.8				
बी.1.6.2 सीपीआई - प्याज	49.6	49.1	0.5	ई.2.3 आईआईपी- विद्युत	12.8	11.5	1.3
बी.1.6.3 सीपीआई - टमाटर	63.6	62.9	0.7	ई.3 सीमेंट उत्पादन	23.3	24.1	-0.8
बी.1.7 सीपीआई - दालें और उत्पाद	5.5	3.7	1.7	ई.4 इस्पात उत्पादन	11.0	10.7	0.3
बी.1.8 सीपीआई - मसाले	1.1	1.4	-0.3	ई.5 कोयला उत्पादन	51.0	53.1	-2.2
बी.1.9 सीपीआई - मदिरा रहित पेय पदार्थ	0.3	0.3	0.0	ई.6 कच्चा तेल उत्पादन	9.6	10.0	-0.4
बी.1.10 सीपीआई - तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि।	0.4	0.7	-0.3	ई.7 पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन	10.2	10.4	-0.2
बी.2 सीपीआई - क्लोथिंग और फुटवेयर	0.3	0.6	-0.2	ई.8 उर्वरक उत्पादन	24.1	26.6	-2.5
बी.3 सीपीआई - आवास	1.0	1.1	-0.1	ई.9 प्राकृतिक गैस उत्पादन	11.3	10.9	0.4
बी.4 सीपीआई - विविध	0.6	0.7	-0.1	एफ.1 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का उत्पादन	27.5	26.2	1.3
सी.1 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 2001=100)	2.4	2.4	0.1	एफ.2 बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया- उतारा गया माल	15.4	14.9	0.5
				एफ.3 रेलवे माल यातायात	16.4	18.3	-2.0
सी.2 कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 1986-87= 100)	2.4	2.2	0.2	एफ.4 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का विक्रय	43.3	41.7	1.6
				एफ.5 विमान यात्री (कि.मी.)- देशी	17.6	22.3	-4.7
सी.3 ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार:1986-87 =100)	2.6	2.5	0.0	एफ.6 विमान यात्री (कि.मी.)- अंतरराष्ट्रीय	17.7	17.1	0.7
डी. डब्ल्यूपीआई (आधार : 2011-12=100) सभी पण्य	2.2	1.8	0.4	जी.1 निर्यात	23.6	24.1	-0.5
डी.1 डब्ल्यूपीआई - प्राथमिक वस्तुएँ	5.3	4.7	0.6	जी.2 आयात	14.4	13.2	1.2
डी.1.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य पदार्थ	5.7	5.7	0.1	जी.3 गैर-तेल गैर-स्वर्ण आयात	11.4	11.1	0.3

* गत 5 वर्षों (2010-11 से 2014-15) के लिए मासिक मौसमी कारकों के औसत दायरे।
टिप्पणी 2: सभी आईआईपी सीरीज़ (खनन, विनिर्माण, बिजली एवं आईआईपी-सामान्य) हेतु मौसमी कारकों के पिछले 4 वर्षों के औसत दायरे को हिसाब में लिया गया।

सारणी 4: पिछले पांच वर्षों (2012-13 से 2016-17 तक) के दौरान मासिक मौसमी कारकों के औसत दायरे के आधार पर सर्वोच्च बीस और सबसे कम बीस और तदनुरूपी शिखर और गर्त वाले माह की सूची

सर्वोच्च बीस सीरीज़ का नाम	औसत दायरा	शिखर वाले माह	गर्त वाले माह	सबसे कम बीस सीरीज़ का नाम	औसत दायरा	शिखर वाले माह	गर्त वाले माह
1	2	3	4	5	6	7	8
बी.1.6.3 सीपीआई - टमाटर	63.1	जुला	फर	सी.1 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 2001=100)	2.4	अक्तू	मार्च
ई.5 कोयला उत्पादन	52.3	मार्च	अग	सी.2 कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 1986-87= 100)	2.3	अक्तू	मार्च
ई.2.2.2 आईआईपी - पेय पदार्थों का विनिर्माण	51.7	मई	अग	बी. सीपीआई (आधार: 2012=100) सभी पण्य	2.1	सितं	मार्च
बी.1.6.2 सीपीआई - प्याज	49.5	सितं	मई	ए.1.1 व्यापक मुद्रा ($एम_3$)	2.0	अप्रै	सितं
एफ.4 वाणिज्यिक मोटर वाहनों की बिक्री	42.1	मार्च	अप्रै	डी. डब्ल्यूपीआई (आधार : 2011-12=100) सभी पण्य	2.0	सितं	फर
ई.1.2 आईआईपी - पूंजीगत वस्तुएं	38.0	मार्च	अप्रै	डी.3.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	1.9	सितं	मार्च
बी.1.6.1 सीपीआई - आलू	37.7	नवं	फर	डी.3.3 डब्ल्यूपीआई - मूल मिश्र धातु एवं धातु उत्पादों का विनिर्माण	1.9	अप्रै	दिसं
ई.2.2.1 आईआईपी - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	36.5	दिसं	जून	ए.2.1 समग्र जमाराशियाँ (एससीबी)	1.5	अप्रै	फर
ई.2.1 आईआईपी - खनन	29.8	मार्च	सितं	ए.2.1.2 सावधि जमाराशियाँ (एससीबी)	1.3	अप्रै	फर
एफ.1 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का उत्पादन	26.1	मार्च	दिसं	बी.1.8 सीपीआई - मसाले	1.3	दिसं	अप्रै
ई.8 उर्वरक उत्पादन	26.1	अक्तू	अप्रै	डी.3.2 डब्ल्यूपीआई - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	1.1	जुला	जन
जी.1 निर्यात	24.1	मार्च	नवं	बी.3 सीपीआई - आवास	1.1	नवं	जून
ई.3 सीमेंट उत्पादन	23.9	मार्च	अग	डी.3 डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित उत्पाद	0.9	मई	दिसं
बी.1.6 सीपीआई - सब्जियां	22.5	सितं	मार्च	बी.1.4 सीपीआई - दूध और उत्पाद	0.7	सितं	अप्रै
एफ.5 विमान यात्री (कि.मी.)- देशी	20.6	मई	सितं	बी.1.1 सीपीआई - अनाज और उत्पाद	0.7	अक्तू	मई
एफ.6 विमान यात्री (कि.मी.)- अंतरराष्ट्रीय	17.7	जन	सितं	बी.4 सीपीआई - विविध	0.7	सितं	अप्रै
एफ.3 रेल्वे माल यातायात	17.6	मार्च	सितं	डी.3.4 डब्ल्यूपीआई - मशीनरी एवं यंत्र उपकरणों का विनिर्माण	0.7	अप्रै	जन
एफ.2 बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया- उतारा गया माल	14.9	मार्च	सितं	बी.1.10 सीपीआई - तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि।	0.6	नवं	मई
ई.1.4 आईआईपी - इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल	13.7	मार्च	नवं	बी.2 सीपीआई - क्लोथिंग और फुटवेयर	0.5	दिसं	मई
ई.1.5.2 आईआईपी - उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	13.6	मार्च	अप्रै	बी.1.9 सीपीआई - मदिरा रहित पेय पदार्थ	0.3	सितं	मार्च

सारणी 5: रिग्रेशन अनुमान

वेरीअबल का नाम	गुणांक अनुमान	पी-वैल्यू	वेरीअबल का नाम	गुणांक अनुमान	पी-वैल्यू
1	2	3	1	2	3
ए.1.1 व्यापक मुद्रा (एम$_3$)	-0.140	0.000	डी.2 डब्ल्यूपीआई - ईंधन और विद्युत	0.163	0.163
ए.1.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	-0.308	0.000	डी.3 डब्ल्यूपीआई - विनिर्मित उत्पाद	-0.078	0.000
ए.1.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	-0.247	0.000	डी.3.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	0.019	0.318
ए.1.2 संकीर्ण मुद्रा (एम$_1$)	-0.178	0.037	डी.3.2 डब्ल्यूपीआई - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	0.033	0.055
ए.1.3 आरक्षित मुद्रा (आरएम)	-0.028	0.109	डी.3.3 डब्ल्यूपीआई - मूल मिश्र धातु एवं धातु उत्पादों का विनिर्माण	-0.076	0.358
ए.1.3.1 संचलन में मुद्रा	-0.208	0.000			
ए.2.1 समग्र जमाराशियाँ (एससीबी)	-0.143	0.000	डी.3.4 डब्ल्यूपीआई - मशीनरी एवं यंत्र उपकरणों का विनिर्माण	-0.014	0.098
ए.2.1.1 माँग जमाराशियाँ (एससीबी)	-1.060	0.001	ई. आईआईपी (आधार 2011-12=100) सामान्य सूचकांक	-0.232	0.002
ए.2.1.2 सावधि जमाराशियाँ (एससीबी)	-0.148	0.000	ई.1.1 आईआईपी - प्राथमिक माल	0.154	0.001
ए.3.1 हाथ में नकदी और रिज़र्व बैंक के पास जमा शेष (एससीबी)	-0.627	0.014	ई.1.2 आईआईपी - पूंजीगत माल	0.091	0.098
ए.3.2 बैंक ऋण (एससीबी)	-0.233	0.000	ई.1.3 आईआईपी - अर्धनिर्मित वस्तुएं	-0.037	0.086
ए.3.2.1 ऋण, नकदी, जमा और ओवरड्राफ्ट (एससीबी)	-0.054	0.002	ई.1.4 आईआईपी - इन्फ्रास्ट्रक्चर/ निर्माण माल	0.714	0.000
ए.3.2.2 खाद्येतर ऋण (एससीबी)	-0.228	0.000	ई.1.5 आईआईपी - उपभोक्ता माल	-0.178	0.001
ए.3.3 निवेश (एससीबी)	-0.134	0.010	ई.1.5.1 आईआईपी - उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	-0.472	0.002
बी. सीपीआई (आधार: 2012=100) सभी पण्य	-0.030	0.001	ई.1.5.2 आईआईपी - उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुएं	-0.208	0.243
बी.1 सीपीआई - खाद्य एवं पेय पदार्थ	0.071	0.000	ई.2.1 आईआईपी - खनन	0.562	0.000
बी.1.1 सीपीआई - अनाज और उत्पाद	-0.086	0.001	ई.2.2 आईआईपी - विनिर्माण	-0.170	0.017
बी.1.2 सीपीआई - मांस और मछली	0.072	0.001	ई.2.2.1 आईआईपी - खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	-0.044	0.101
बी.1.3 सीपीआई - अंडे	-0.309	0.001	ई.2.2.2 आईआईपी - पेय पदार्थों का विनिर्माण	-1.573	0.001
बी.1.4 सीपीआई - दूध और उत्पाद	-0.044	0.008	ई.2.2.3 आईआईपी - वस्त्रों का विनिर्माण	-0.633	0.000
बी.1.5 सीपीआई - फल	0.019	0.031	ई.2.2.4 आईआईपी - रसायन एवं रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	-0.150	0.011
बी.1.6 सीपीआई - सब्जियां	0.008	0.820	ई.2.2.5 आईआईपी - मोटर वाहन, ट्रेलर्स एवं सेमी-ट्रेलर्स	-0.412	0.002
बी.1.6.1 सीपीआई - आलू	0.307	0.003			
बी.1.6.2 सीपीआई - प्याज	0.425	0.035	ई.2.3 आईआईपी- विद्युत	0.240	0.001
बी.1.6.3 सीपीआई - टमाटर	0.147	0.038	ई.3 सीमेंट उत्पादन	0.186	0.071
बी.1.7 सीपीआई - दालें और उत्पाद	0.537	0.000	ई.4 इस्पात उत्पादन	-0.046	0.479
बी.1.8 सीपीआई - मसाले	-0.122	0.000	ई.5 कोयला उत्पादन	0.015	0.946
बी.1.9 सीपीआई - मदिरा रहित पेय पदार्थ	-0.003	0.027	ई.6 कच्चा तेल उत्पादन	-0.048	0.011
बी.1.10 सीपीआई - तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि।	-0.090	0.000	ई.7 पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन	0.221	0.001
बी.2 सीपीआई - क्लोथिंग और फुटवेयर	-0.081	0.000	ई.8 उर्वरक उत्पादन	-0.169	0.146
बी.3 सीपीआई - आवास	-0.048	0.032	ई.9 प्राकृतिक गैस उत्पादन	-0.101	0.052
बी.4 सीपीआई - विविध	-0.058	0.001	एफ.1 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का उत्पादन	-0.358	0.027
सी.1 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार : 2001=100)	0.048	0.000	एफ.2 बड़े बंदरगाहों पर चढ़ाया- उतारा गया माल	-0.306	0.002
			एफ.3 रेलवे माल यातायात	-0.641	0.000
सी.2 कृषि श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 1986-87= 100)	0.039	0.003	एफ.4 वाणिज्यिक मोटर वाहनों का विक्रय	-0.375	0.108
			एफ.5 विमान यात्री (कि.मी.)- देशी	-0.726	0.013
सी.3 ग्रामीण श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार:1986-87 =100)	0.027	0.000	एफ.6 विमान यात्री (कि.मी.)- अंतरराष्ट्रीय	0.110	0.420
डी. डब्ल्यूपीआई (आधार : 2011-12=100) सभी पण्य	0.040	0.235	जी.1 निर्यात	0.536	0.002
डी.1 डब्ल्यूपीआई - प्राथमिक वस्तुएँ	0.206	0.001	जी.2 आयात	-0.845	0.011
डी.1.1 डब्ल्यूपीआई - खाद्य पदार्थ	-0.004	0.806	जी.3 गैर-तेल गैर-स्वर्ण आयात	-0.682	0.001

*निजी कॉर्पोरेट निवेश : वर्ष 2016-17 के दौरान हुई वृद्धि और 2017-18 के लिए संभावनाएं**

इस आलेख में यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि निजी कंपनियों और साझा कारोबार क्षेत्र द्वारा अचल पूंजी में निवेश के प्रति रुझान को अल्पकालिक कारोबारी रुख का पैमाना माना जा सकता है। वर्ष 2016-17 के दौरान चुनिंदा बैंकों / वित्तीय संस्थानों की सहायता से चल रही परियोजनाओं की कुल लागत में काफी बढ़ोत्तरी हुई; फिर भी 2016-17 में निजी कॉर्पोरेट सेक्टर द्वारा किए गए वास्तविक पूंजीगत व्यय में लगातार छठे वर्ष गिरावट दर्ज की गयी।

1. भूमिका

निजी कॉर्पोरेट सेक्टर द्वारा किया जाने वाला पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अर्थव्यवस्था में निवेश की स्थिति के अग्रणी संकेतकों में एक प्रमुख संकेतक का काम करता है। हालांकि इस व्यय का ब्योरा इन कंपनियों के वार्षिक लेखा में दिया जाता है, तथापि यह हमें काफी देर से प्राप्त होता है। इस आलेख में इसका विश्लेषण वित्तपोषण करने वाली इकाइयों की दृष्टि से करने का प्रयास किया गया है, जो हैं- बैंकिंग क्षेत्र एवं वित्तीय संस्थान[1]; बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी)[2]; विदेशी मुद्रा संपरिवर्तनीय बॉण्ड (एफसीसीबी); प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ); अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव (एफपीओ)/ अधिकार निर्गम; विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) और वर्ष 2016-17 के दौरान निजी क्षेत्र में नियुक्तियाँ। मूल्यांकन के समय कंपनियों द्वारा प्रस्तुत की गयी चरणबद्ध कारोबारी योजना (प्रत्याशित) के आधार पर पूंजीगत व्यय के उस संभावित स्तर का अनुमान किया जाता है जो उस वर्ष के दौरान होता है और साथ ही, वर्ष 2017-18 के लिए कुछ अनंतिम पूर्वानुमान भी व्यक्त किए जाते हैं।

शेष आलेख को चार भागों में बांटते हुए प्रस्तुत किया गया है। भाग-2 में प्रविधि की रूपरेखा स्पष्ट की गयी है जिसमें विषय की संभावनाएं, व्याप्ति और सीमाओं पर भी चर्चा की गयी है। भाग-3 में वर्ष 2016-17 के दौरान जिन परियोजनाओं को मदद या वित्तीय सहायता प्रदान की गयी और निधीयन किया गया, उनका उल्लेख किया गया है। भाग-4 में उन क्षेत्रों और उन उद्योगों की चर्चा की गयी है जिनमें इन परियोजनाओं का विस्तार है। वर्ष 2017-18 के दौरान कॉर्पोरेट निवेश के प्रति दृष्टिकोण भाग-5 में व्यक्त किया गया है।

2. प्रविधि

कैपेक्स के पूर्वानुमान के लिए अपनायी जाने वाली प्रविधि रंगराजन (1970)[3] पर आधारित है। संक्षेप में कहें तो इसके तहत निजी कॉर्पोरेट सेक्टर की उन परियोजनाओं के आधार पर कैपेक्स का पूर्वानुमान लगाया जाता है जिनका वित्तपोषण बैंकों/ वित्तीय संस्थानों द्वारा किया गया हो। बैंकों/वित्तीय संस्थानों से तथा अन्य स्रोतों जैसे ईसीबी/ एफसीसीबी/ आईपीओ/ एफपीओ/ अधिकार निर्गम से वित्तपोषित परियोजनाओं का ब्योरा इस प्रकार प्राप्त किया गया कि इस सूचना में प्रत्येक परियोजना के आंकड़े केवल एक बार ही शामिल किए जाएं भले ही इसके लिए एक से अधिक माध्यमों से वित्त जुटाया गया हो। ये आंकड़े बैंकों/ वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के आंतरिक स्रोतों से और साथ ही, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मिलने वाली जानकारी से निकाले जाते हैं। ऐसी परियोजनाएं जिनका वित्तपोषण ऊपर उल्लिखित किसी भी माध्यम से न किया गया हो और ₹100 मिलियन से छोटी परियोजनाएं इसमें कवर नहीं की जातीं। 51 प्रतिशत से कम निजी स्वामित्व वाली तथा किसी ट्रस्ट, केंद्रीय एवं राज्य सरकारों द्वारा अधिगृहीत परियोजनाओं को और शैक्षिक संस्थानों को भी इससे बाहर रखा गया है।

उपर्युक्त विविध स्रोतों से मिली जानकारी को एकत्रित करते हुए पूरे वर्ष के लिए परियोजनाओं की प्लानिंग (निवेश के इरादे) का प्रत्याशित पूर्वानुमान किया जाता है। इस पूर्वानुमान में फेसिंग ब्योरे को लागू करते हुए कार्यान्वयन की

---

* भारतीय रिज़र्व बैंक के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के कॉर्पोरेट स्टडीज़ प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। "निजी कॉर्पोरेट निवेश : वर्ष 2015-16 के दौरान वृद्धि और 2016-17 के लिए संभावनाएं" शीर्षक से पिछला आलेख आरबीआई बुलेटिन के सितंबर 2016 अंक में प्रकाशित हुआ था।

[1] इसके अंतर्गत सरकारी क्षेत्र के सभी बैंक, प्रमुख निजी क्षेत्र एवं विदेशी बैंक और वित्तीय संस्थान जो कि परियोजना वित्तपोषण के कारोबार में सक्रिय हैं यथा- भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई), जीवन बीमा निगम (एलआईसी), ऊर्जा वित्त निगम (पीएफसी), ग्रामीण विद्युतीकण निगम (आरईसी) और भारतीय निर्यात आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक)।

[2] ईसीबी में रुपये में मूल्यवर्गित बॉण्ड (आरडीबी) शामिल हैं।

[3] रंगराजन सी., (1970), कॉर्पोरेट सेक्टर में कैपेक्स का पूर्वानुमान, *इकोनॉमिक एण्ड पोलिटिकल वीकली, 13 दिसंबर 1970.*

पूरी अवधि के दौरान वार्षिक कैपेक्स स्तरों की जानकारी प्राप्त की जाती है। इस संबंध में एक ध्यान रखने वाली बात यह है कि कंपनियां अपनी प्रत्याशित व्यय योजना के अनुसार ही कार्य करती हैं। इस संभावना को देखते हुए कि प्रत्याशित योजनाओं में से यदि कुछेक मूर्त रूप नहीं ले पातीं, राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एनएएस) में उपलब्ध कॉर्पोरेट निश्चित निवेश के यथार्थ अनुमानों की तुलना में उनके दायरे एवं प्रविधि में अंतर है।

3. परियोजनाएं जिन्हें सहायता/ वित्त दिया गया : 2016-17

वर्ष 2016-17 के दौरान कुल ₹1,828 बिलियन लागत वाली 547 परियोजनाओं का वित्तपोषण बैंकों/वित्तीय संस्थानों द्वारा किया गया। इसके अलावा, 346 कंपनियों ने रु224 बिलियन राशि का करार ईसीबी/एफसीसीबी के रूप में किया (सारणी 3) तथा बैंकों/वित्तीय संस्थानों से वित्त न प्राप्त करने वाली 29 कंपनियों ने अपनी कैपेक्स आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए घरेलू इक्विटी इश्यू के जरिये ₹12 बिलियन पूंजी जुटायी (सारणी4)। कुल मिलाकर वर्ष 2016-17 के दौरान कुल 900 कंपनियों ने रु2,064 बिलियन निवेश की योजना बनायी जबकि वर्ष 2015-16 के दौरान 700 कंपनियों ने कुल मिलाकर रु1,351 बिलियन निवेश की योजना बनायी थी।

किसी भी परियोजना पर कैपेक्स का विस्तार सामान्यतया कई वर्षों तक रहता है। कंपनियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उधारदाताओं के पास वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करते समय उनकी प्रस्तावित योजना की जानकारी दें। चरणबद्ध रूप से व्यवस्थित ब्योरा यह दर्शाता है कि प्रस्तावित कुल व्यय में से लगभग 40 प्रतिशत (रु728 बिलियन) वर्ष 2016-17 में, 23 प्रतिशत (रु420 बिलियन) वर्ष 2017-18 में और 20 प्रतिशत (₹372 बिलियन) उसके बाद किया जाएगा। वर्ष 2016-17 के दौरान परियोजनाओं को दी गयी वित्तीय सहायता का लगभग 17 प्रतिशत व्यय वर्ष 2013-14 से वर्ष 2015-16 के दौरान किया गया।

इस प्रकार वर्ष 2016-17 के दौरान व्यय किए जाने वाले कुल कैपेक्स में पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा सुधार देखा गया। बैंकों/वित्तीय संस्थानों द्वारा दी जाने वाली मंजूरियों में भारी वृद्धि हुई परंतु परिकल्पित कैपेक्स में उस अनुरूप वृद्धि देखने को नहीं मिली क्योंकि इसमें दीर्घावधि तक विस्तारित योजनाओं वाली उच्च लागत की बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा अधिक था। कैपेक्स, जिसके तहत खर्च विदेशों से जुटाये गए संसाधनों से किया जाना है, उसमें पिछले वर्ष की तुलना में 48.6% की गिरावट आयी। वर्ष 2016-17 के दौरान पूंजी बाजार (इक्विटी रूट) से रु36 बिलियन (सारणी 4 के कॉलम 11 के तहत कुल) के परिकल्पित कैपेक्स का वित्तपोषण किया गया जो कि पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक था।

समग्र रूप से, यह आकलन किया गया है कि वर्ष 2016-17 के दौरान निजी कॉर्पोरेट सेक्टर द्वारा किया गया खर्च

सारणी 1: वर्ष 2015-16 और 2016-17 में बैंकों / वित्तीय संस्थानों द्वारा मंजूर की गई परियोजनाओं के व्यय करने का ढंग (पैटर्न)

(₹ बिलियन में)

वर्ष में परिकल्पित पूंजीगत व्यय →	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	Total
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2015-16 में मंजूर की गई परियोजनाएं	**परियोजनाओं की संख्या : 346**									
	38 (4.1)	74 (8.1)	375 (40.9)	286 (31.2)	81 (8.8)	50 (5.4)	12 (1.3)	2 (0.2)	- -	918 (100)
2016-17 में मंजूर की गई परियोजनाएं	**परियोजनाओं की संख्या: 547**									
	14 (0.7)	40 (2.2)	254 (13.9)	728 (39.8)	420 (23.0)	223 (12.2)	87 (4.7)	40 (2.2)	22 (1.2)	1,828 (100)

- : शून्य / नगण्य

टिप्पणी: कोष्ठक में दिए गए आंकड़े परियोजनाओं की कुल लागत में प्रतिशत हिस्सेदारी को दर्शाते हैं।

सारणी 2 : बैंकों / वित्तीय संस्थानों द्वारा संस्थागत रूप से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के पूंजीगत व्यय के चरण

मंजूरी का वर्ष↓	मंजूरी के वर्ष में परियोजना की लागत (₹ बिलियन में)	संशोधन/निरसन के कारण परियोजना लागत @ (₹ बिलियन में)	वर्ष में के दौरान परिकल्पित पूंजीगत व्यय (₹ बिलियन में)										
			2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2017-18 से आगे
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2008-09 तक	9,906	8,162 (17.6)	2,329	1412	904	444	131	46					
2009-10	5,560	4,095 (26.3)	436	1,324	1,161	747	314	77	34				
2010-11	4,603	3,752 (18.5)	3	286	1,071	1,046	788	464	85	1	9		
2011-12	2,120	1,916 (9.6)		57	230	669	554	282	95	29	-		
2012-13	1,963	1,895 (3.5)			1	367	567	490	273	112	65	20	
2013-14	1,340	1,273 (5.0)				13	151	348	449	199	71	42	
2014-15	876	873 (0.4)					1	148	346	259	95	24	
2015-16	954	918 (3.7)						38	74	375	286	81	64
2016-17	1,828							14	40	254	728	420	372
कुल जोड़ #			**2,768**	**3,079**	**3,367**	**3,286**	**2,506**	**1,907**	**1,396**	**1,229**	**1,254**	**587**	**436**
प्रतिशत परिवर्तन				**11.2**	**9.4**	**-2.4**	**-23.7**	**-23.9**	**-26.8**	**-12.0**	**2.0**	*	

#: कॉलमों के योग किसी वर्ष विशेष में परिकल्पित पूंजीगत व्यय को दर्शाते हैं जिसमें उन परियोजनाओं को शामिल किया गया है जिन्हें अलग-अलग वर्षों में वित्तीय सहायता प्राप्त हुई हो। ये प्रत्याशित अनुमान हैं जिसमें सिर्फ परिकल्पित निवेश को शामिल किया गया है। ये वास्तव में प्राप्त हुए/प्रयुक्त अनुमान से भिन्न हैं।
*: 2016-17 के लिए प्रतिशत परिवर्तन की गणना नहीं की गई है क्योंकि 2016-17 में जिन पूंजीगत व्यय के प्रस्तावों को मंजूर किए जाने की संभावना है वे उपलब्ध नहीं हैं।
@ : कोष्ठक में दिए गए आंकड़े निरसन का प्रतिशत हैं।

₹1,548 बिलियन रहा होगा जिसमें से रु883 बिलियन वर्ष के दौरान दी गयी नई मंजूरियों से रहे होंगे। वर्ष 2016-17 में निजी कॉर्पोरेट सेक्टर की कैपेक्स योजनाओं में लगातार सातवें वर्ष संकुचन देखने को मिला (सारणी 5)।

सारणी 3: ईसीबी/एफसीसीबी/आरडीबी के माध्यम से वित्तपोषित परियोजनाओं* के पूंजीगत व्यय की चरणबद्ध स्थिति**

निम्नलिखित वर्षों में ऋण संविदा की गई	कंपनियों की संख्या	कुल संविदा ऋण (₹ बिलियन में)	पूंजीगत व्यय का परिकल्पित प्राप्ति कार्यक्रम (₹ बिलियन में)										
			2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2017-18 के बाद
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
Upto 2008-09	1,975	1,739	417	140	1								
2009-10	255	324		148	143	22	2						
2010-11	302	316			174	109	27	5					
2011-12	438	379				252	128	19	1				
2012-13	519	660					378	203	63	13			
2013-14	563	803						562	210	31	3		
2014-15	478	572							368	168	32	6	
2015-16	314	388								290	73	26	
2016-17	346	224									150	60	14
कुल&	**4,844**	**5,182**	**417**	**288**	**318**	**383**	**534**	**788**	**642**	**502**	**258**	**92**	**14**
प्रतिशत परिवर्तन					**10.3**	**20.6**	**39.4**	**47.5**	**-18.6**	**-21.8**	**-48.6**	**#**	

*: वे परियोजनाएं जिन्हें बैंकों/वित्तीय संस्थानों/आइपीओ से सहायता नहीं प्राप्त हुई थी।
**:केवल वर्ष 2016-17 में शामिल किए गए रुपये में मूल्यवर्गित बॉण्ड ।
#: 2017-18 के लिए प्रतिशत परिवर्तन की गणना नहीं की गई क्योंकि 2017-18 में परियोजनाओं से प्राप्त होने वाले पूंजीगत व्यय के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
&: ये प्रत्याशित अनुमान हैं जिसमें सिर्फ परिकल्पित निवेश को शामिल किया गया है। ये वास्तव में प्राप्त हुए/प्रयुक्त अनुमान से भिन्न हैं।

सारणी 4 : इक्विटी निर्गमों के माध्यम से धन उपलब्ध कराई गई परियोजनाओं के पूंजीगत व्यय की चरणबद्ध स्थिति *

निम्नलिखित वर्ष के दौरान जारी इक्विटी	कंपनियों की संख्या	परिकल्पित पूंजीगत व्यय (₹ बिलियन में)	कार्यान्वयन का कार्यक्रम (₹ बिलियन में)										
			2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2017-18 से आगे
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2008-09 तक	179	214	208	6									
2009-10	19	18	2	8	7	1							
2010-11	30	21		1	12	6	2						
2011-12	21	10			2	5	3						
2012-13	25	11					5	5	1				
2013-14	21	5							4	1			
2014-15	24	11							2	6	3		
2015-16	40	45								6	28	11	
2016-17	29	12									5	4	3
कुल &	**388**	**347**	**210**	**15**	**21**	**12**	**10**	**5**	**7**	**13**	**36**	**15**	**3**
प्रतिशत परिवर्तन					**40.0**	**-42.9**	**-16.7**	**-50.0**	**40.0**	**85.7**	**177.0**	**#**	

* :परियोजनाएं जिन्हें बैंकों/वित्तीय संस्थानों/ईसीबी/एफसीसीबी से सहायता नहीं प्राप्त हुई।
#: 2017-18 के लिए प्रतिशत परिवर्तन की गणना नहीं की गई है क्योंकि 2017-18 तक को कार्यान्वित किए जाने की संभावनाओं वाली परियोजनाओं से संबंधित पूंजीगत व्यय के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
&: अनुमान पहले के हैं, जिनमें सिर्फ परिकल्पित निवेश को शामिल किया गया है। ये वास्तविक प्राप्त/प्रयुक्त आंकड़ों से भिन्न हैं।

हाल के वर्षों में कैपेक्स वित्तपोषण के वैकल्पिक स्रोत के रूप में कर्ज और एफडीआई का निजी तौर पर निवेश महत्वपूर्ण हो गया है। विशेषकर, कर्ज के निजी निवेश द्वारा जुटायी जाने वाली निधि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार बढ़ी है और पिछली वर्ष की तुलना में 33 प्रतिशत वृद्धि हुई है (सारणी 6)।

सारणी 5 : बैंकों / वित्तीय संस्थानों/ आईपीओ /ईसीबी /एफसीसीबी/ आरडीबी के माध्यम से वित्तपोषित परियोजनाओं के पूंजीगत व्यय को चरणबद्ध करना

स्वीकृति का वर्ष ↓	कंपनियों की संख्या	परियोजना लागत (₹ बिलियन में)	वर्ष के दौरान परिकल्पित पूंजीगत व्यय (बिलियन रु.)										
	बैंक/वित्तीय संस्थान/ ईसीबी/ एफसीसीबी / आईपीओ// आरडीबी		2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2017-18 से आगे
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
2008-09 तक	6,307	11,428	2,954	1,558	905	444	131	46	-	-	-	-	-
2009-10	1,003	4,436	438	1,480	1,311	770	316	77	34	-	-	-	-
2010-11	1,029	4,089	3	287	1,257	1,161	817	469	85	1	9	-	-
2011-12	1,095	2,305	-	57	232	926	685	301	96	29	-	-	-
2012-13	958	2,566	-	-	1	367	950	698	337	125	65	20	-
2013-14	1,056	2,081	-	-	-	13	151	910	663	231	74	42	-
2014-15	828	1,456	-	-	-	-	1	148	716	433	130	30	-
2015-16	700	1,351	-	-	-	-	-	38	74	671	387	118	67
2016-17	922	2,064	-	-	-	-	-	14	40	254	883	484	389
जोड़ #			**3,395**	**3,382**	**3,706**	**3,681**	**3,050**	**2,700**	**2,045**	**1,744**	**1,548**	**694**	**456**
प्रतिशत परिवर्तन				**-0.4**	**9.6**	**-0.7**	**-17.1**	**-11.5**	**-24.3**	**-14.7**	**-11.2**	**@**	

*:आरडीबी केवल 2016-17 के लिए लिए गए हैं।
#: आकलन पहले का है, जिसमें सिर्फ परिकल्पित निवेश शामिल हैं। ये वास्तविक प्राप्त/प्रयुक्त आंकड़ों से भिन्न हैं।
@: 2017-18 के लिए प्रतिशत परिवर्तन की गणना नहीं की गई है क्योंकि 2017-18 में को स्वीकृति की संभावनाओं वाली परियोजनाओं से संबंधित पूंजीगत व्यय के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

सारणी 6 : कर्ज - निजी स्थानन

अवधि	निर्गम राशि (₹ बिलियन में)
2011-12	270
2012-13	591
2013-14	560
2014-15	974
2015-16	1,175
2016-17	1,562

स्रोत : प्राइम डाटाबेस

एफडीआई इनफ्लो - पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी में भी वर्ष 2012-13 से लगातार बढ़ोत्तरी हुई है और वर्ष 2016-17 में इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी 7)। चूंकि डिबेंचरों/बॉण्डों और एफडीआई के निजी निवेश के माध्यम से जुटाई गयी निधियों के अंतिम उपयोग की जानकारी उपलब्ध नहीं है, जैसी कि अपेक्षा की जाती है, अत: उन पर इस आलेख में विचार नहीं किया गया है।

सारणी 7 : प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

अवधि	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक* (₹ बिलियन में)
2011-12	1,651
2012-13	1,219
2013-14	1,475
2014-15#	1,891
2015-16#	2,623
2016-17#	2,917

*प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक में केवल इक्विटी पूंजी समाहित है।
आंकड़े अनंतिम हैं।
स्रोत : डीआईपीपी, भारत सरकार

4. परियोजनाओं की वितरणात्मक विशेषताएं :-

आधारिक संरचना से जुड़ी परियोजनाओं में वृद्धि हुई अर्थात वे परियोजनाएं जो ऊर्जा, विनिर्माण, सड़कों और पुलों, तथा पत्तनों एवं एयरपोर्टों से संबंधित हैं जो 2016-17 के दौरान मंजूर की गयी परियोजनाओं की कुल लागत का 70 प्रतिशत थीं। आधारिक संरचना क्षेत्र के तहत आने वाले ऊर्जा क्षेत्र (45 प्रतिशत) का दबदबा रहा जबकि हिस्सेदारी की दृष्टि से देखें तो विनिर्माण क्षेत्र सबसे ऊपर रहा (चार्ट 1 परिशिष्ट-I)।

ऐसी परियोजनाएं जिन्हें सहायता/ वित्त प्रदान किया गया, उनका आकार की दृष्टि से विश्लेषण करने पर पता चलता है कि बड़ी परियोजनाओं (रु50 मिलियन और अधिक की) में वृद्धि हुई जो कुल परियोजना लागत का 17% थी। बड़ी परियोजनाओं (रु10 बिलियन - रु50 बिलियन) की संख्या 41 थी जिनकी हिस्सेदारी कुल परियोजना लागत का 42% थी (परिशिष्ट- II)।

परियोजना के स्थल का चयन करते समय कच्चे माल तक पहुंच, कुशल श्रमिकों की उपलब्धता, पर्याप्त आधारिक

चार्ट 1 : संस्थागत रूप से सहायता प्राप्त परियोजनाओं की सकल लागत में प्रमुख उद्योगों का हिस्सा

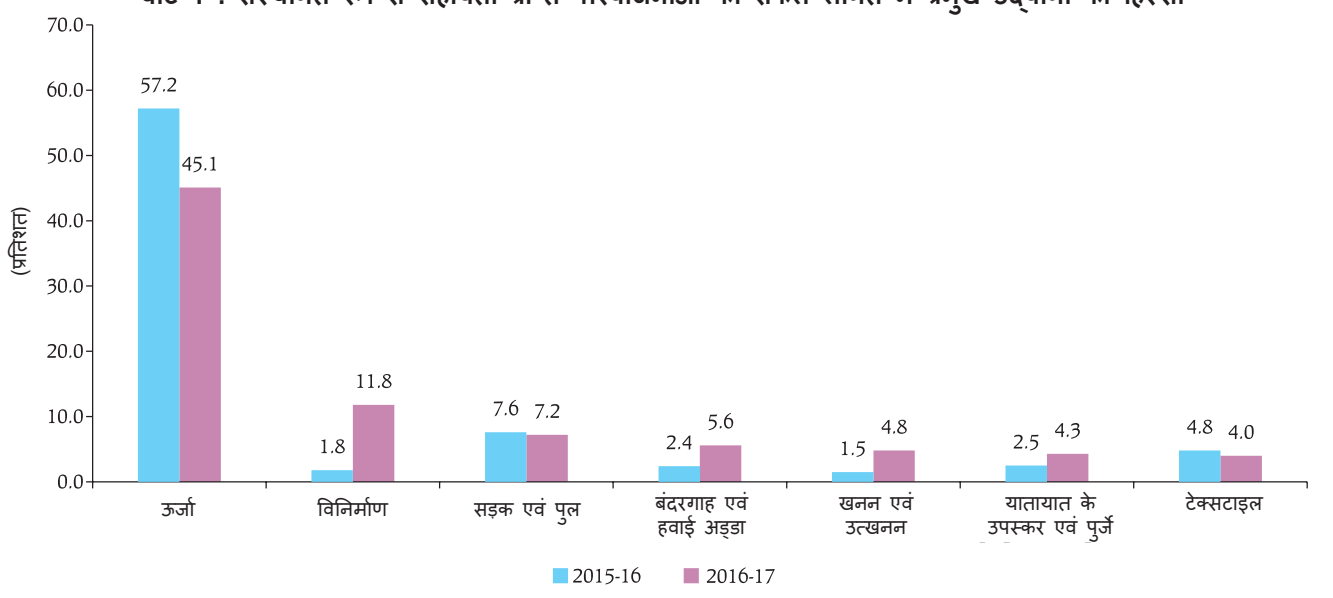

चार्ट 2ए: 2012-13 से 2016-17 के दौरान संस्थानों से वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं का राज्य-वार वितरण

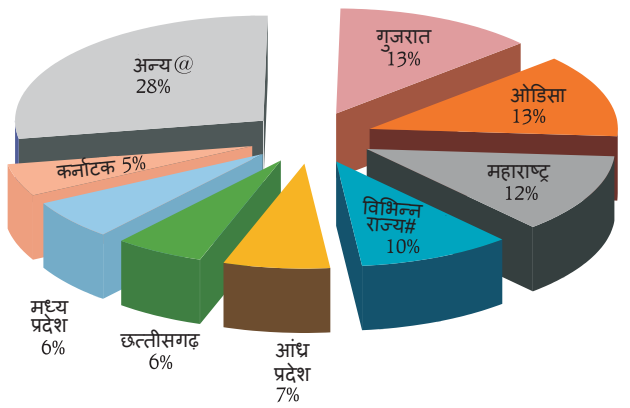

#: 'विभिन्न राज्यों में बंटी हुई परियोजनाएं'
@: 5 प्रतिशत से कम हिस्सेदार वाले राज्य इसमें शामिल हैं।

चार्ट 2बी : 2007-08 से 2011-12 के दौरान संस्थागत सहायता प्राप्त परियोजनाओं का राज्य-वार वितरण

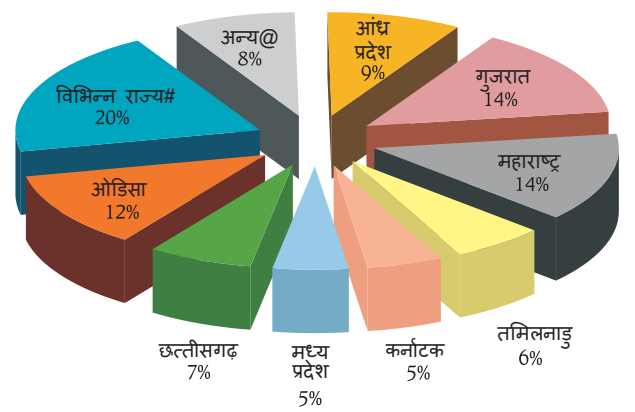

#: 'विभिन्न राज्यों में बंटी हुई परियोजनाएं'
@: 5 प्रतिशत से कम हिस्सेदार वाले राज्य इसमें शामिल हैं।

अवसंरचना, बाजार का आकार और वृद्धि की संभावनाएं जैसे कारकों को देखा जाता है। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इनमें से 62% परियोजनाएं मुख्य रूप से गुजरात, उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में चलायी गयीं (चार्ट 2ए)।

हाल के समय में 'बहुराज्यीय' परियोजनाओं की हिस्सेदारी आधी रह गयी है जो संभवत: इसलिए है कि कई राज्यों के प्राधिकारियों से अनुमतियां प्राप्त करने में बहुत सी बाधाएं आती हैं (चार्ट 2बी)।

गुजरात की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही और उसके बाद क्रमश: महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु का स्थान रहा। पिछले वर्ष की तुलना में आंध्र प्रदेश की हिस्सेदारी घटी जबकि गुजरात की हिस्सेदारी में बढ़ोत्तरी हुई (चार्ट 3)।

चार्ट 3 : समग्र लागत में संस्थागत रूप से सहायता प्राप्त प्रमुख राज्यों का हिस्सा

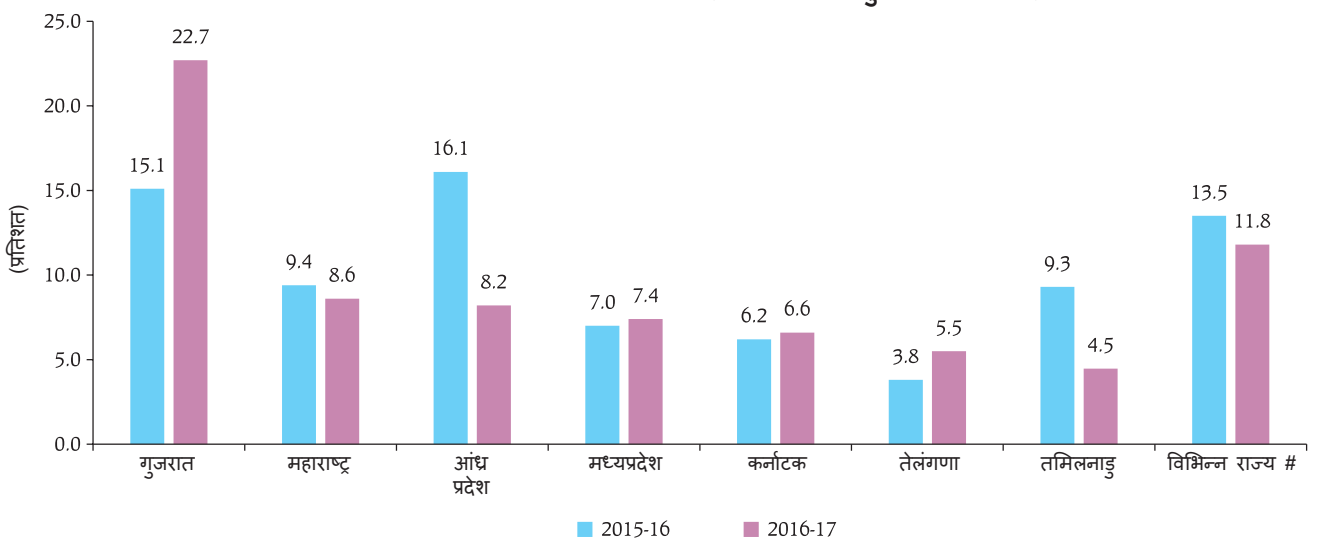

'विभिन्न राज्यों में बंटी हुई परियोजनाएं'

इन सभी राज्यों में ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं की प्रमुख हिस्सेदारी रही, केवल महाराष्ट्र और तमिलनाडु को छोड़कर जहाँ अधिकांश परियोजनाएं विनिर्माण क्षेत्र की थीं जिनकी हिस्सेदारी क्रमश: 54.3% और 67% रही। ऊर्जा के अतिरिक्त ऐसे उद्योग जिनमें बड़ी मात्रा में सुनियोजित निवेश किया गया, उनमें गुजरात का कपड़ा एवं यातायात उपस्कर तथा कल-पुर्जा उद्योग, कर्नाटक का सीमेंट और सड़कें एवं पुल उद्योग तथा तेलंगाना का औषध एवं दवा उद्योग शामिल हैं।

नई परियोजनाओं में निवेश की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही और यह बैंकों/वित्तीय संस्थानों द्वारा वित्तपोषित कुल परियोजनाओं की लागत का 78.9% थी। कुल परियोजना लागत का 9.9 प्रतिशत विस्तार और आधुनिकीकरण पर खर्च किया गया (परिशिष्ट-IV)।

5. वर्ष 2017-18 के लिए निवेश प्रत्याशा

वर्ष 2017-18 की पहली छमाही में ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र में परियोजनाएं प्रारंभ करने के प्रति लगातार देखे जा रहे झुकाव से यह प्रदर्शित होता है कि निकट भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था में नये निवेश की प्रत्याशा में सुधार हो रहा है। एफडीआई और कर्ज के निजी निवेश में गति आयी है और इससे वर्ष के दौरान कैपेक्स के वित्तपोषण में तेजी आनी चाहिए। हालांकि पहली तिमाही में नयी परियोजनाओं की घोषणा में मौसमी गिरावट देखने को मिली थी तथापि विभिन्न सर्वेक्षणों में दिखे कारोबारी रुझानों और जीएसटी तथा एफडीआई संबंधी नीतिगत नवोन्मेषी उपायों को देखते हुए आने वाली तिमाहियों में माहौल में सुधार आने की संभावना है। पहले के वर्षों में मंजूर की गयी परियोजनाओं के आधार पर 2017-18 के दौरान नियोजित कैपेक्स में रु694 बिलियन तक पहुंच सकता है जो कि पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा सुधार दर्शाता है। पहले ही प्रारंभ हो चुकी पाइपलाइन में पड़ी परियोजनाओं के आकलन के आधार पर रु854 बिलियन का अतिरिक्त कैपेक्स नवीन निवेश अवसरों से लाना होगा ताकि वर्ष 2016-17 के लिए अनुमानित स्तर से तालमेल बैठाया जा सके।

संलग्नक 1: संस्थागत रूप से सहायता प्राप्त परियोजनाओं का उद्योग-वार वितरण:2007-08 से 2016-17

उद्योग	2007-08		2008-09		2009-10		2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15		2015-16		2016-17	
	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर
आधारभूत संरचना	124	39.0	97	45.0	100	49.0	120	53.7	107	47.4	82	47.8	87	39.7	74	48.9	109	72.0	207	61.9
i) बिजली	60	29.4	54	27.9	75	30.7	104	46.2	82	42.4	71	39.4	70	35.1	65	42.2	93	57.2	173	45.1
ii) दूरसंचार	7	1.6	6	10.9	6	16.4	2	5.7	1	-	2	5.6	1	-	1	4.9	1	0.2	1	-
iii) बंदरगाह एवं एयरपोर्ट	6	0.9	4	2.8	2	0.3	1	0.7	1	1.3	1	1.9	1	0.8	-	-	3	2.4	8	5.6
iv) भंडारण एवं जल प्रबंधन	4	2.1	2	-	2	0.9	1	-	12	0.5	-	-	5	1.1	2	0.6	4	4.2	6	3.6
v) एसईजेड, औद्योगिक, बायोटेक तथा आई टी पार्क	47	5.4	28	3.2	15	0.6	12	1.1	11	3.2	8	0.9	8	1.5	3	0.9	1	0.4	2	0.4
vi) सडकें एवं पुल	-	-	3	0.1	-	-	-	-	-	-	-	-	2	1.2	3	0.3	7	7.6	17	7.2
विनिर्माण	38	3.9	30	10.8	20	11.5	18	3.3	22	1.7	20	2.8	27	2.1	29	4.0	26	1.8	60	11.8
धातु एवं धातु के उत्पाद	122	15.6	97	17.7	134	18.1	113	21.1	73	16.3	51	28.9	44	17.0	17	17.4	14	1.5	23	4.8
परिवहन के उपस्कर एवं कल-पुर्जे	38	3.5	30	3.0	25	1.3	28	0.8	26	2.6	17	0.9	16	1.2	7	5.3	4	2.5	10	4.3
वस्त्र	116	4.5	45	1.2	77	2.2	77	2.9	94	7.0	31	1.9	58	10.3	50	4.1	49	4.8	57	4
सीमेंट	24	5.9	28	6.0	29	2.8	14	2.4	9	2.0	11	3.9	12	7.1	7	3.8	5	1.9	5	2.2
रसायन एवं कीटनाशक	25	1.0	27	1.7	28	0.8	27	1.3	17	3.5	19	1.1	15	1.0	7	2.6	11	1.6	10	2.1
अस्पताल और स्वास्थ्य सेवाएं	27	1.3	16	0.5	23	0.9	22	0.6	9	0.3	17	1.4	10	0.7	2	0.1	1	-	22	1.1
खाद्य उत्पाद	41	0.7	50	1.0	41	0.5	39	0.7	41	1.5	36	0.9	43	1.8	34	2.9	26	1.8	38	0.9
होटल एवं रेस्तरां	51	3.9	57	2.8	56	2.6	63	3.5	51	4.6	31	3.1	29	2.7	15	1.1	16	1.1	12	0.8
कांच और मिट्टी के बर्तन	9	0.4	6	0.3	9	0.2	6	0.4	10	1.3	3	-	11	0.3	19	0.7	8	0.5	19	0.6
पेट्रोलियम उत्पाद	5	7.5	4	0.1	2	1.3	3	2.6	3	1.2	-	-	1	0.5	1	3.4	2	2.0	2	0.5
परिवहन सेवाएं	17	1.4	14	1.0	22	1.4	14	0.6	19	2.7	16	1.7	15	0.5	5	0.6	10	1.2	12	0.4
खनन एवं उत्खनन	8	0.5	7	0.6	10	2.5	1	0.2	4	0.2	2	0.1	1	0.6	2	0.1	10	2.7	4	0.4
चीनी	16	1.3	21	1.2	21	0.8	21	0.8	12	1.1	5	0.5	8	0.8	6	1.3	5	0.4	2	0.1
बिजली के उपस्कर	26	0.9	17	1.3	16	0.2	24	2.0	12	0.3	10	1.9	9	2.0	7	0.2	3	0.2	9	0.2
अन्य*	181	8.3	162	5.9	116	4.0	107	3.1	127	6.3	63	3.1	86	11.7	44	3.5	47	4.1	55	3.9
कुल	**868**	**100**	**708**	**100**	**729**	**100**	**697**	**100**	**636**	**100**	**414**	**100**	**472**	**100**	**326**	**100**	**346**	**100**	**547**	**100**
परियोजनाओं की कुल लागत (₹ बिलियन में)	**2,297**		**3,111**		**4,095**		**3,752**		**1,916**		**1,895**		**1,273**		**873**		**918**		**1,828**	

* इनमें औषधि एवं ड्रग्स, कृषि और उससे संबंधित क्रियाकलाप,अस्पताल, कागज़ एवं कागज़ के उत्पाद, छपाई एवं प्रकाशन,रबड़,आईटी साफ्टवेयर, संचार एवं व्यापार आदि जैसे उद्योग शामिल है।
-: कुछ नहीं/ नगण्य

संलग्नक II: परियोजनाओं का आकार-वार वितरण तथा 2007-08 से 2016-17 में उनकी परिकल्पित आय

अवधि		₹1 बिलियन से कम	₹1 बिलियन से ₹5 बिलियन तक	₹5 बिलियन से ₹10 बिलियन तक	₹10 बिलियन से ₹50बिलियन तक	₹50 बिलियन और उससे अधिक	कुल
2007-08	परियोजनाओं की सं.	558	228	35	43	4	**868**
	प्रतिशत शेयर	9.3	22.5	10.7	38.3	19.3	**100.0 (2297)**
2008-09	परियोजनाओं की सं.	420	194	35	48	11	**708**
	प्रतिशत शेयर	5.1	14.1	7.5	29.7	43.7	**100.0 (3111)**
2009-10	परियोजनाओं की सं.	439	189	40	39	22	**729**
	प्रतिशत शेयर	3.8	11.0	6.8	20.8	57.5	**100.0 (4095)**
2010-11	परियोजनाओं की सं.	412	172	42	51	20	**697**
	प्रतिशत शेयर	4.4	10.2	8.6	29.3	47.5	**100.0 (3752)**
2011-12	परियोजनाओं की सं.	420	145	36	26	9	**636**
	प्रतिशत शेयर	8.3	17.0	13.7	27.6	33.4	**100.0 (1916)**
2012-13	परियोजनाओं की सं.	245	119	20	23	7	**414**
	प्रतिशत शेयर	4.8	14.6	7.3	26.8	46.4	**100.0 (1895)**
2013-14	परियोजनाओं की सं.	306	115	25	21	5	**472**
	प्रतिशत शेयर	8.3	20.0	13.9	29.1	28.7	**100.0 (1273)**
2014-15	परियोजनाओं की सं.	223	65	18	19	1	**326**
	प्रतिशत शेयर	9.0	16.6	14.6	47.8	12.0	**100.0 (873)**
2015-16	परियोजनाओं की सं.	214	76	34	21	1	**352**
	प्रतिशत शेयर	8.6	20.9	26.0	38.5	5.9	**100.0 (918)**
2016-17	परियोजनाओं की सं.	287	184	30	41	5	**547**
	प्रतिशत शेयर	5.7	23.6	12.1	41.6	17.0	**100.0 (1828)**

* कोष्ठकों के आंकड़े परियोजनाओं की कुल लागत ₹ बिलियन में दर्शाते हैं।
टिप्पणी: प्रतिशत शेयर कुल परियोजना लागत का शेयर है।

संलग्नक III: संस्थागत सहयता प्राप्त परियोजनाओं का राज्य-वार वितरण

राज्य	2007-08		2008-09		2009-10		2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15		2015-16		2016-17	
	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर	परियोजनाओं की संख्या	प्रतिशत शेयर
गुजरात	95	26.4	75	18.4	69	3.2	65	9.6	75	9.0	58	5.6	66	14.5	71	9.5	61	15.1	103	22.7
महाराष्ट्र	141	9.7	110	18.1	117	10.0	71	7.4	86	19.1	67	10.7	76	19.7	38	14.8	36	9.4	57	8.6
आंध्र प्रदेश	87	7.8	74	7.6	73	7.1	65	11.4	52	5.1	35	5.7	37	4.0	24	8.1	33	12.3	48	8.2
मध्य प्रदेश	18	0.6	20	7.2	23	4.2	21	5.2	16	5.6	13	3.9	30	6.1	14	3.9	21	6.9	18	7.4
कर्नाटक	62	4.1	44	2.4	42	1.4	40	7.2	39	12.0	20	1.6	39	6.2	27	5.4	21	6.2	52	6.6
तेलंगाना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	10	3.8	52	5.5
तमिलनाडु	94	5.1	63	2.3	66	5.5	93	6.1	58	5.7	22	1.8	33	5.4	27	2.9	26	9.3	23	4.5
छत्तीसगढ़	10	4.7	16	2.3	23	6.0	31	12.1	11	2.4	9	4.1	16	10.7	8	7.4	8	4.7	15	4.0
उत्तर प्रदेश	41	4.2	32	3.1	27	0.4	32	4.6	42	7.8	26	4.4	21	1.1	20	5.4	15	2.3	22	3.6
ओडिसा	21	13.1	15	9.0	25	13.9	25	7.4	15	6.3	10	26.8	10	11.7	5	15.9	6	3.1	6	3.1
राजस्थान	22	1.2	22	0.6	23	2.9	28	0.8	49	4.9	41	5.3	24	1.4	29	11.1	10	0.9	23	2.7
केरल	13	0.1	5	0.1	11	0.5	4	0.0	3	0.1	3	0.3	3	0.0	4	0.2	4	0.1	6	2.6
पंजाब	29	0.7	23	0.7	23	0.4	38	1.1	37	1.7	12	10.9	28	1.5	6	0.3	11	1.7	29	2.1
पश्चिम बंगाल	41	2.6	43	3.0	33	2.6	29	3.3	19	4.9	13	1.0	12	1.2	9	1.3	14	3.1	18	1.7
विविध	61	10.3	55	19.0	45	29.0	48	16.2	34	4.5	15	7.7	21	6.9	10	9.5	13	13.5	18	11.8
अन्य	133	9.4	111	6.2	129	12.9	107	7.6	100	10.9	70	10.2	56	9.6	34	4.3	57	7.6	57	4.7
कुल*	**868**	**100**	**708**	**100**	**729**	**100**	**697**	**100**	**636**	**100**	**414**	**100**	**472**	**100**	**326**	**100**	**346**	**100**	**547**	**100**
परियोजनाओं की कुल लागत (₹बिलियन में)	**2,297**		**3,111**		**4,095**		**3,752**		**1,916**		**1,895**		**1,273**		**873**		**918**		**1,828**	

इनमें कई राज्यों की परियोजनाएं शामिल हैं।
@ इनमें अन्य राज्य/संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं।
'-' : सूचना उपलब्ध नहीं है
टिप्पणी: प्रतिशत शेयर कुल परियोजना लागत का शेयर है।

संलग्नक - IV : 2010-11 से 2016-17 के दौरान संस्थागत सहायता प्राप्त परियोजनाओं का प्रयोजन-वार वितरण

अवधि		नई	विस्तार एवं आधुनिकीकरण	विविधीकरण	अन्य	कुल*
2010-11	परियोजनाओं की संख्या	454	224	6	13	**697**
	प्रतिशत शेयर	66.8	30.9	1.8	0.5	**100.0 (3,752)**
2011-12	परियोजनाओं की संख्या	449	172	5	10	**636**
	प्रतिशत शेयर	70.6	23.1	0.1	6.3	**100.0 (1,916)**
2012-13	परियोजनाओं की संख्या	303	107	-	4	**414**
	प्रतिशत शेयर	84.2	14.7	-	1.1	**100.0 (1,895)**
2013-14	परियोजनाओं की संख्या	361	95	2	14	**472**
	प्रतिशत शेयर	65.2	20.1	-	14.7	**100.0 (1,273)**
2014-15	परियोजनाओं की संख्या	203	92	2	29	**326**
	प्रतिशत शेयर	39.4	14.7	0.2	45.7	**100.0 (873)**
2015-16	परियोजनाओं की संख्या	260	64	3	19	**346**
	प्रतिशत शेयर	73.6	14.3	0.1	12	**100.0 (918)**
2016-17	परियोजनाओं की संख्या	434	98	4	11	**547**
	प्रतिशत शेयर	78.9	9.9	0.1	11.1	**100.0 (1,828)**

* कोष्ठकों के आंकड़े ₹ बिलियन में परियोजनाओं की कुल लागत हैं।
-: कुछ नहीं/ नगण्य

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

प्रासंगिक श्रृंखला

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	35
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	36
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	37
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय/विक्रय	38
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	39
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	39
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	40
7	मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) के स्रोत	41
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	42
9	चलनिधि समुच्चय	42
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	43
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	43
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	44
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	44
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	45
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	46
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन	47
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	48
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	49
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	49
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	49
21	थोक मूल्य सूचकांक	50
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	53
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	53
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	54
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	54
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	55
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	56
28	वाणिज्यिक पत्र	56
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	56
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	57

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	58
32	विदेशी मुद्रा भंडार	58
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	58
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	59
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	59
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक	60
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	60
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरीकी डॉलर)	61
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	62
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	63
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹)	64
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	65
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	66
	प्रासंगिक श्रृंखला	
44	लघु बचत	67
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	68
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।
– = शून्य/नगण्य
प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2016-17	2015-16	2016-17		2017-18
		ति4	ति1	ति4	ति1
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.6	8.7	7.6	5.6	5.6
1.1.1 कृषि	4.9	1.5	2.5	5.2	2.3
1.1.2 उद्योग	7.0	11.9	9.0	5.5	1.5
1.1.3 सेवाएं	6.9	9.4	8.2	5.7	7.8
1.1क अंतिम खपत व्यय	10.5	8.7	9.8	10.2	8.5
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	2.4	8.3	7.4	-2.1	1.6
	2016-17	**2016**		**2017**	
		जून	**जुला.**	**जून**	**जुला.**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.6	8.0	4.5	-0.1	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	11.3	9.1	8.3	12.8	10.0
2.1.2 ऋण	4.5	9.0	8.4	8.2	6.1
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	5.2	9.3	8.7	9.0	6.7
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	17.4	5.6	4.7	18.2	16.6
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	-12.9	14.3	15.2	-7.1	-6.2
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	10.6	10.3	10.1	7.4	6.5
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	20.50	21.25	21.00	20.00	20.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.3	4.8	4.8	4.7	4.7
3.4 ऋण-जमा अनुपात	72.9	75.7	74.9	72.6	72.2
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	41.4	-10.0	2.0	-290.5	141.5
3.6 निवेश-जमा अनुपात	28.2	28.8	28.8	30.1	30.5
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	28.4	55.8	46.3	2890.0	-217.4
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.25	6.50	6.50	6.25	6.25
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	6.00	6.00	6.00	6.00
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.75	7.00	7.00	6.50	6.50
4.4 बैंक दर	6.75	7.00	7.00	6.50	6.50
4.5 आधार दर	9.25/9.60	9.30/9.70	9.30/9.70	9.10/9.60	9.00/9.55
4.6 एमसीएलआर	7.75/8.20	8.90/9.15	8.90/9.15	7.75/8.10	7.75/8.10
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.50/7.00	7.00/7.60	7.00/7.50	6.25/6.90	6.25/6.90
4.8 बचत जमा दर	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.97	6.33	6.39	6.07	6.08
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	5.82	6.73	6.56	6.27	6.15
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.05	6.82	6.69	6.33	6.25
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.14	6.90	6.74	6.38	6.29
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय	7.00	7.51	7.27	6.57	6.56
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमरीकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	64.84	68.01	67.03	64.74	64.15
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	69.25	75.10	74.27	74.00	74.98
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमरीकी डालर 1-माह (%)	5.09	6.35	6.35	5.19	4.68
3-माह (%)	4.97	6.32	6.24	4.76	4.61
6-माह (%)	4.90	6.12	6.03	4.70	4.60
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.5	5.8	6.1	1.5	2.4
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.1	6.1	6.5	1.1	1.8
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.7	-0.1	0.6	0.9	1.9
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	3.4	5.7	6.0	-3.9	0.5
6.3.2 ईंधन और पावर	-0.3	-11.6	-9.7	5.3	4.4
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	1.3	-0.3	0.4	2.3	2.2
7 विदेशी व्यापार (%परिवर्तन)					
7.1 आयात	0.5	-7.8	-19.0	18.2	15.4
7.2 निर्यात	5.3	1.5	-6.8	4.1	3.9

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)।

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2016-17	2016	2017				
		अग.	जुला. 28	अग. 4	अग. 11	अग. 18	अग. 25
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	13,101.81	17,095.22	15,157.80	15,258.80	15,445.93	15,457.62	15,400.49
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.12	0.13	0.13	0.17	0.16	0.14	0.15
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**13,101.93**	**17,095.35**	**15,157.93**	**15,258.96**	**15,446.10**	**15,457.76**	**15,400.65**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	675.08	758.21	690.36	669.69	669.69	669.69	669.69
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	12,422.35	16,324.78	14,461.99	14,583.86	14,771.12	14,782.84	14,725.82
1.2.3 रुपया सिक्का	4.50	1.90	5.58	5.42	5.29	5.24	5.14
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	10.46	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	10,389.43	5,498.21	8,739.65	9,328.24	8,764.75	8,888.40	8,843.46
2.1.1.1 केंद्र सरकार	50.00	1.01	1.00	1.01	1.01	1.01	13.93
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	–	946.73	946.73	946.73	946.73	946.73
2.1.1.3 राज्य सरकारें	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	8.38
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.73	3,968.89	4,432.63	4,396.47	4,308.33	4,409.80	4,535.45
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	55.13	34.50	35.74	35.85	35.89	39.83	37.76
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	18.92	15.04	18.40	18.45	18.69	16.47	17.54
2.1.1.7 अन्य बैंक	279.49	216.12	251.98	253.43	253.56	253.83	257.96
2.1.1.8 अन्य	4,897.74	1,262.23	3,046.29	3,675.89	3,200.12	3,220.31	3,025.70
2.1.1.9 भारत के बाहर वित्तीय संस्थान	–	–	6.44	–	–	–	–
2.1.2 अन्य देयताएं	8,411.18	9,427.08	8,785.87	8,573.12	8,433.19	8,395.87	8,428.05
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,800.61**	**14,925.29**	**17,519.08**	**17,901.37**	**17,197.94**	**17,284.26**	**17,271.50**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.12	0.13	0.13	0.17	0.17	0.14	0.15
2.2.2 विदेश में रखे शेष	10,263.49	6,703.92	9,420.03	9,204.02	9,198.44	9,149.35	9,265.92
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	–	–	554.05	–	95.97	–
2.2.3.2 राज्य सरकारें	12.62	15.14	17.60	33.32	7.27	43.65	11.29
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	218.10	50.89	17.35	53.35	37.05	37.10	32.70
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्जिम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	39.91	47.80	36.63	40.73	40.23	41.83	43.78
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	–	–	6.45	–	–	–	–
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	7,528.11	7,258.50	7,383.65	7,389.80	7,284.64	7,285.30	7,285.96
2.2.6 अन्य आस्तियां	738.26	848.91	643.68	625.93	630.15	630.92	631.70
2.2.6.1 सोना	613.19	688.70	627.02	608.24	608.25	608.26	608.25

* डाटा अनंतिम है।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जुला. 1, 2017	–	504.39	–	–	–	–	–	–	–	–504.39
जुला. 3, 2017	19.15	511.60	–	1,088.13	0.30	–	–	–	–	–1,580.28
जुला. 4, 2017	20.55	273.47	3.30	676.43	2.75	–2.45	–	–	–	–925.75
जुला. 5, 2017	19.70	415.42	–	309.90	1.10	–	–	–	–	–704.52
जुला. 6, 2017	17.80	223.24	–	399.80	10.60	–	–	–	–	–594.64
जुला. 7, 2017	14.15	182.36	4.00	633.82	13.30	–	–	100.00	–	–884.73
जुला. 10, 2017	38.55	49.92	–	110.50	16.60	–	–	–	–	–105.27
जुला. 11, 2017	19.80	139.22	2.90	210.15	–	–	–	–	–	–326.67
जुला. 12, 2017	19.95	66.24	–	203.08	3.00	–	–	–	–	–246.37
जुला. 13, 2017	19.95	59.56	–	631.73	–	–	–	–	–	–671.34
जुला. 14, 2017	20.40	40.31	4.75	465.12	6.00	–	–	–	–	–474.28
जुला. 15, 2017	19.90	34.27	–	–	–	–	–	–	–	–14.37
जुला. 17, 2017	26.00	51.05	–	181.56	–	–	–	–	–	–206.61
जुला. 18, 2017	29.20	79.05	5.00	207.05	0.10	–	–	–	–	–251.80
जुला. 19, 2017	18.20	42.84	–	442.48	–	–1.48	–	–	–	–468.60
जुला. 20, 2017	19.75	133.00	–	618.55	3.00	1.49	–	–	–	–727.31
जुला. 21, 2017	77.72	235.68	4.60	361.56	6.76	–	–	100.00	–	–608.16
जुला. 24, 2017	71.06	56.01	–	60.80	–	–	–	–	–	–45.75
जुला. 25, 2017	68.26	87.21	3.25	184.85	2.55	–0.30	–	–	–	–198.30
जुला. 26, 2017	53.90	88.08	–	224.68	0.75	1.95	–	–	–	–256.16
जुला. 27, 2017	22.60	100.03	–	513.81	–	–0.50	–	–	–	–591.74
जुला. 28, 2017	20.05	80.73	4.50	507.93	–	–	–	–	–	–564.11
जुला. 29, 2017	–	134.29	–	–	0.55	–	–	–	–	–133.74
जुला. 31, 2017	24.75	160.13	–	350.13	6.75	–	–	–	–	–478.76

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	12,351.00	1,400.00	3,291.00	2,953.00
1.1 क्रय (+)	71,764.00	4,465.00	4,971.00	4,893.00
1.2 विक्रय (-)	59,413.00	3,065.00	1,680.00	1,940.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	822.16	95.17	218.32	192.54
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरीकी डालर)	12,351.00	5,211.00	8,863.00	11,816.00
(बिलियन ₹)	822.17	350.49	585.26	777.80
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	10,835.00	–5,066.00	17,081.00	26,450.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2016-17	2016	2017	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	10,456.00	0.00	0.00	0.00
1.2 विक्रय (-)	10,456.00	0.00	0.00	0.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	0.00	0.00	0.00	0.00

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	31 जुलाई 2017 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1,870	1,330	540
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	3,431	33	3,398
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	24,696	51	24,645
4. 1 वर्ष से अधिक	0	2,133	-2,133
कुल (1+2+3+4)	**29,997**	**3,547**	**26,450**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2016-17	2016	2017					
		अग. 19	अप्रै. 28	मई 26	जून 23	जुला. 21	अग. 18	सितं. 1
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	19.3	0.6	2.9	0.4	2.5	6.8	3.5	–
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	14.8	19.1	11.6	17.8	16.7	15.4	18.1	18.1
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	34.1	19.7	14.5	18.2	19.2	22.1	21.5	18.1

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2016-17	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	12,637.1	16,621.6	14,521.5	14,660.5	14,691.8
1.1 संचलन में नोट	13,101.8	17,135.7	15,074.4	15,175.1	15,226.7
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	243.4	220.5	245.7	245.7	245.7
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	715.6	742.0	806.1	767.7	788.0
2 जनता की जमाराशियां	14,317.2	9,866.2	12,578.6	12,271.7	12,085.3
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	14,106.3	9,730.2	12,376.8	12,090.4	11,905.7
2.2 रिज़र्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	135.9	201.8	181.3	179.6
3 एम$_1$ (1 + 2)	**26,954.3**	**26,487.8**	**27,100.1**	**26,932.2**	**26,777.1**
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	910.4	692.4	910.4	910.4	910.4
5 एम$_2$ (3 + 4)	**27,864.7**	**27,180.2**	**28,010.5**	**27,842.6**	**27,687.5**
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	101,489.5	93,577.0	101,017.0	101,879.1	101,130.5
7 एम$_3$ (3 + 6)	**128,443.9**	**120,064.8**	**128,117.0**	**128,811.3**	**127,907.6**
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,551.8	2,209.1	2,551.8	2,551.8	2,551.8
9 एम$_4$ (7 + 8)	**130,995.6**	**122,273.9**	**130,668.8**	**131,363.1**	**130,459.4**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**38,690.9**	**36,837.6**	**41,077.9**	**41,976.1**	**41,002.9**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	6,208.1	6,996.2	6,672.7	7,178.9	6,462.7
1.1.1 सरकार पर दावे	7,512.0	7,044.8	7,628.0	8,127.0	7,410.8
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	7,499.4	7,031.8	7,608.7	8,080.1	7,401.9
1.1.1.2 राज्य सरकारें	12.6	13.0	19.3	46.9	9.0
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,303.9	48.6	955.3	948.2	948.2
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,303.5	48.2	947.7	947.7	947.7
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	7.6	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	32,482.8	29,841.4	34,405.2	34,797.2	34,540.3
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**84,514.3**	**78,103.2**	**82,328.8**	**82,747.5**	**81,861.4**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	72.9	75.9	69.3	62.5	68.7
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	84,441.4	78,027.3	82,259.6	82,685.0	81,792.7
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	78,815.3	72,405.5	76,637.1	77,060.5	76,178.6
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,548.9	5,568.9	5,538.7	5,539.4	5,530.0
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	77.2	52.9	83.7	85.0	84.1
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**25,582.3**	**25,752.9**	**26,284.3**	**26,600.9**	**26,766.9**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	23,972.1	24,247.0	24,674.1	24,990.6	25,156.7
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	23,974.1	24,249.1	24,676.0	24,992.5	25,158.6
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.0	2.1	1.9	1.9	1.9
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,610.2	1,505.9	1,610.2	1,610.2	1,610.2
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**250.9**	**227.9**	**253.1**	**253.1**	**253.1**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**20,594.6**	**20,856.8**	**21,827.1**	**22,766.2**	**21,976.8**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,718.2	8,529.4	8,769.2	8,810.5
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	12,261.1	11,138.6	13,297.7	13,996.5	13,166.4
$एम_3$ (1+2+3+4-5)	**128,443.9**	**120,064.8**	**128,117.0**	**128,811.3**	**127,907.6**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	26,954.4	26,487.8	27,100.1	26,932.2	26,777.1
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	72,005.3	67,232.1	71,933.5	72,151.9	71,667.0
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	130,222.1	119,937.9	129,639.8	130,503.1	129,387.2
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	12,637.2	16,621.6	14,521.5	14,660.5	14,691.8
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	114,219.5	100,273.1	112,006.6	112,578.5	111,661.1
1.2.1 मांग जमाराशियां	14,106.3	9,730.2	12,376.8	12,090.4	11,905.7
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	100,113.2	90,542.8	99,629.8	100,488.1	99,755.5
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	45,050.9	40,744.3	44,833.4	45,219.7	44,890.0
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	1,755.5	1,267.7	1,197.0	1,239.6
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	55,062.2	49,798.6	54,796.4	55,268.5	54,865.5
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	135.9	201.8	181.3	179.6
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	3,154.5	2,907.2	2,909.9	3,082.8	2,854.6
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	129,709.2	121,029.9	130,469.1	131,847.5	129,822.1
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	38,691.0	36,837.6	41,077.9	41,976.1	41,002.9
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	6,208.1	6,996.2	6,672.7	7,178.9	6,462.7
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	32,482.9	29,841.4	34,405.2	34,797.2	34,540.3
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	91,018.3	84,192.3	89,391.2	89,871.4	88,819.2
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	72.9	75.9	69.3	62.5	68.7
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	90,945.4	84,116.5	89,322.0	89,808.9	88,750.4
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	6,462.5	5,990.9	6,970.6	7,046.7	6,883.6
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	227.9	253.1	253.1	253.1
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,819.8	22,267.8	24,194.1	24,376.5	24,623.8
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,247.0	24,674.1	24,990.6	25,156.7
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–152.3	–1,979.2	–480.0	–614.1	–532.9
2.4 पूंजी खाता	18,195.5	18,825.5	18,936.6	19,196.8	19,198.8
2.5 अन्य मदें (निवल)	5,362.3	4,762.3	6,340.0	6,777.2	6,113.2

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2016-17	2016	2017		
		जुला.	मई	जून	जुला.
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**130,222.1**	**119,937.9**	**128,891.3**	**129,639.8**	**129,387.2**
2 डाकघर जमाराशियां	2,551.8	2,209.1	2,551.8	2,551.8	2,551.8
3 एल$_1$ (1 + 2)	**132,773.9**	**122,147.0**	**131,443.1**	**132,191.5**	**131,939.0**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**132,803.2**	**122,176.3**	**131,472.4**	**132,220.9**	**131,968.3**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	451.5	..	..	451.5	..
7 एल$_3$ (5 + 6)	**133,254.6**	..	..	**132,672.3**	..

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,363.6	15,327.6	15,428.2	15,479.8
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,130.7	4,599.3	4,596.2	4,612.2
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.7	3,867.4	4,295.1	4,286.5	4,306.3
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	135.9	201.8	181.3	179.6
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	19,004.8	21,630.3	20,128.6	20,205.7	20,271.6
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	3,115.3	6,873.5	3,730.8	3,731.1	3,672.2
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	6,208.1	6,996.2	6,672.7	7,178.9	6,462.7
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+ 2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	6,195.9	6,983.7	6,661.0	7,132.4	6,454.1
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	–	105.4	622.8	46.9
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	7,494.9	7,029.6	7,497.1	7,451.3	7,349.3
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	7,494.9	7,019.1	7,497.1	7,451.3	7,349.3
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	4.5	2.3	6.2	6.0	5.7
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,303.5	48.2	947.7	947.7	947.7
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	12.2	12.6	11.7	46.5	8.5
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-3,165.7	-198.6	-3,011.1	-3,510.2	-2,859.2
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-3,165.7	-198.6	-3,011.1	-3,510.2	-2,859.2
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	72.9	75.9	69.3	62.5	68.7
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	14.8	19.0	16.7	15.4	15.4
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	227.9	253.1	253.1	253.1
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,247.0	24,674.1	24,990.6	25,156.7
2.3.1 सोना	1,288.3	1,391.3	1,297.1	1,317.3	1,317.4
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,684.0	22,855.9	23,377.2	23,673.5	23,839.5
2.4 पूंजी खाता	7,512.8	8,599.7	7,568.5	7,771.7	7,784.5
2.5 अन्य मदें (निवल)	820.6	1,118.5	960.9	997.5	1,026.0

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2016-17	2016	2017				
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 14	जुला. 21	जुला. 28
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	19,004.8	21,630.3	20,128.6	20,205.7	20,359.4	20,271.6	20,330.9
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	13,352.7	17,363.6	15,327.6	15,428.2	15,479.9	15,479.8	15,410.9
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,441.3	4,130.7	4,599.3	4,596.2	4,700.2	4,612.2	4,738.8
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	210.9	135.9	201.8	181.3	179.3	179.6	181.2
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	6,208.1	6,996.2	6,672.7	7,178.9	6,753.1	6,462.7	6,269.3
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-3,165.7	-198.6	-3,011.1	-3,510.2	-2,994.2	-2,859.2	-2,639.1
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	72.9	75.9	69.3	62.5	69.3	68.7	70.1
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,972.1	24,247.0	24,674.1	24,990.6	25,061.4	25,156.7	25,197.5
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	250.9	227.9	253.1	253.1	253.1	253.1	253.1
2.6 भा.रि.बैं. की निवल ग़ैर मौद्रिक देयताएं	8,333.5	9,718.2	8,529.4	8,769.2	8,783.4	8,810.5	8,820.0

सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2016-17	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	106,728.9	93,184.9	104,669.4	105,138.4	104,210.8
1.1.1 मांग जमाराशियां	12,953.3	8,671.8	11,245.9	10,948.0	10,761.2
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	93,775.6	84,513.1	93,423.5	94,190.4	93,449.6
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	42,199.0	38,030.9	42,040.6	42,385.7	42,052.3
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	1,570.6	1,755.5	1,267.7	1,197.0	1,239.6
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	51,576.6	46,482.2	51,382.9	51,804.7	51,397.3
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	3,154.5	2,907.2	2,909.9	3,082.8	2,854.6
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	115,665.6	106,338.2	115,949.9	116,817.3	115,514.4
2.1.1 सरकार को ऋण	30,422.4	27,912.0	32,320.0	32,699.9	32,446.0
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	85,243.2	78,426.2	83,629.9	84,117.3	83,068.4
2.1.2.1 बैंक ऋण	78,815.3	72,405.5	76,637.1	77,060.5	76,178.6
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	78,279.6	71,350.9	76,053.7	76,541.1	75,654.3
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	44.2	100.8	94.4	79.8	76.8
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	10.9	18.6	17.3	19.8	19.1
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	6,372.9	5,901.3	6,881.0	6,957.1	6,794.0
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–152.3	–1,979.2	–480.0	–614.1	–532.9
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,983.5	2,041.9	1,561.2	1,502.0	1,541.4
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	1,376.3	3,034.2	1,387.2	1,391.0	1,375.1
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	759.5	986.9	654.1	725.1	699.2
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	8,871.2	4,713.1	8,013.7	8,465.3	7,849.6
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	5,087.7	3,867.4	4,295.1	4,286.5	4,306.3
2.3.2 उपलब्ध नकदी	617.7	647.1	707.4	668.5	684.1
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	–3,165.7	–198.6	–3,011.1	–3,510.2	–2,859.2
2.4 पूंजी खाता	10,441.0	9,984.1	11,126.4	11,183.4	11,172.6
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	4,060.1	2,995.9	4,777.8	5,263.7	4,593.0
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	3,995.0	3,611.2	4,193.9	3,991.9	4,053.4
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–108.8	–106.2	–447.5	–485.7	–463.9

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31, 2017 की स्थिति	2016	2017		
		जुला. 22	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	30,309.6	27,930.6	32,196.6	32,719.8	32,465.1
2 वाणिज्यिक पत्र	1,159.6	912.2	1,291.9	1,202.4	1,136.3
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	91.9	76.8	97.0	97.9	97.3
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	567.3	477.3	616.2	645.9	643.1
3.3 अन्य	51.8	43.5	46.9	46.9	46.8
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,118.5	1,182.7	1,106.6	1,045.6	1,015.0
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	1,680.0	1,304.5	1,614.0	1,612.0	1,611.4
4.3 अन्य	810.9	649.2	731.3	754.6	733.7
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	134.0	761.4	672.0	759.6	752.4
5.2 वित्तीय संस्थाएं	844.3	611.2	814.1	792.3	758.2

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2016-17	2016	2017		2016-17	2016	2017	
		जुला.	जून	जुला.		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	221	219	215	215	150	148	144	144
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,397.7**	**2,136.1**	**2,171.4**	**2,106.4**	**2,330.7**	**2,067.0**	**2,108.6**	**2,047.9**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,765.5	1,533.1	1,671.2	1,573.8	1,698.6	1,465.8	1,614.7	1,518.1
1.2 बैंकों से उधार राशि	573.6	550.3	452.6	487.8	573.5	548.5	448.4	485.9
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	58.6	52.7	47.6	44.8	58.6	52.7	45.6	43.9
2 अन्य के प्रति देयताएं	**118,405.4**	**107,845.0**	**118,571.1**	**117,763.1**	**115,376.9**	**105,079.2**	**115,617.1**	**114,680.2**
2.1 कुल जमाराशियां	110,485.7	99,524.5	110,466.9	109,500.7	107,576.6	96,877.7	107,651.1	106,551.0
2.1.1 मांग	13,104.8	9,222.8	12,746.6	11,524.0	12,814.4	8,990.1	12,478.2	11,239.1
2.1.2 मीयादी	97,381.0	90,301.7	97,720.3	97,976.7	94,762.2	87,887.6	95,172.9	95,311.9
2.2 उधार	3,192.8	3,175.6	3,276.6	3,461.8	3,163.2	3,144.1	3,239.1	3,428.6
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	4,726.9	5,144.9	4,827.5	4,800.7	4,637.1	5,057.4	4,726.8	4,700.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**218.1**	**261.2**	**15.4**	**17.4**	**218.1**	**261.2**	**15.4**	**17.4**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	218.1	261.2	15.4	17.4	218.1	261.2	15.4	17.4
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,869.3	4,763.7	5,202.6	5,248.2	5,701.3	4,637.5	5,062.8	5,105.3
4.1 उपलब्ध नकदी	630.5	626.3	786.5	695.6	613.60	612.2	767.7	672.7
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,238.8	4,137.4	4,416.1	4,552.6	5,087.7	4,025.4	4,295.1	4,432.6
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**2,934.5**	**2,683.4**	**2,922.4**	**2,972.0**	**2,437.3**	**2,297.5**	**2,482.1**	**2,516.3**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	1,898.0	1,695.1	1,952.2	2,017.4	1,700.1	1,530.4	1,767.9	1,844.6
5.1.1 चालू खाते में	197.3	173.9	172.6	137.0	160.6	152.7	145.0	116.6
5.1.2 अन्य खातों में	1,700.7	1,521.2	1,779.6	1,880.4	1,539.5	1,377.7	1,622.9	1,728.0
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	296.9	377.9	285.6	311.6	77.0	206.4	121.3	125.8
5.3 बैंकों को अग्रिम	380.4	266.2	365.3	331.8	379.5	263.9	364.5	323.7
5.4 अन्य आस्तियां	359.1	344.3	319.3	311.2	280.7	296.9	228.3	222.3
6 निवेश	**31,161.1**	**28,680.7**	**33,348.0**	**33,494.6**	**30,309.6**	**27,925.4**	**32,464.5**	**32,544.5**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	31,144.8	28,655.5	33,330.1	33,430.9	30,297.5	27,907.9	32,452.4	32,526.9
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	16.4	25.3	17.9	63.7	12.2	17.5	12.1	17.6
7 बैंक ऋण	**80,817.8**	**74,783.4**	**80,541.1**	**79,386.4**	**78,414.7**	**72,569.8**	**78,198.1**	**76,963.5**
7क खाद्यान्न ऋण	652.4	1,203.7	701.2	739.6	539.3	1,041.0	508.9	547.2
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	78,490.1	72,628.5	78,354.0	77,303.0	76,148.5	70,466.7	76,069.6	74,940.8
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	263.5	257.4	224.6	197.8	246.0	241.6	209.3	183.9
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,402.8	1,273.8	1,345.8	1,313.9	1,365.9	1,243.2	1,308.3	1,272.5
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	248.6	219.3	216.6	207.4	246.4	218.7	214.8	206.1
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	412.7	404.5	400.2	364.3	407.9	399.7	396.0	360.1

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		जुला. 22	जून 23	जुला. 21	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**71,347**	**66,321**	**69,209**	**69,452**	**-2.7**	**4.7**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**400**	**794**	**511**	**456**	**13.8**	**-42.6**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**70,947**	**65,527**	**68,698**	**68,996**	**–2.7**	**5.3**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**9,924**	**9,123**	**9,719**	**9,743**	**–1.8**	**6.8**
1.2.2 उद्योग	**26,800**	**26,365**	**26,185**	**26,280**	**–1.9**	**-0.3**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,697	3,597	3,616	3,593	–2.8	-0.1
1.2.2.2 मझौले	1,048	1,089	1,002	1,005	–4.1	-7.7
1.2.2.3 बड़े	22,055	21,679	21,567	21,681	–1.7	0.0
1.2.3 सेवाएं	**18,022**	**15,559**	**16,393**	**16,316**	**–9.5**	**4.9**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	1,104	1,061	1,102	1,107	0.2	4.3
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	179	183	169	174	–2.6	-5.1
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	375	384	361	360	–4.0	-6.3
1.2.3.4 नौवहन	84	101	76	72	–14.6	-28.9
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,377	1,145	1,278	1,322	–3.9	15.5
1.2.3.6 व्यापार	4,279	3,894	4,078	4,059	–5.2	4.2
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	1,932	1,746	1,787	1,773	–8.2	1.5
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,347	2,148	2,291	2,286	–2.6	6.4
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,856	1,815	1,771	1,774	–4.4	-2.3
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	3,910	3,424	3,410	3,375	–13.7	-1.4
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	4,859	3,551	4,149	4,073	–16.2	14.7
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**16,200**	**14,480**	**16,401**	**16,657**	**2.8**	**15.0**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	208	188	173	172	–17.2	-8.5
1.2.4.2 आवास	8,601	7,816	8,619	8,636	0.4	10.5
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	661	612	597	579	–12.5	-5.4
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	48	58	52	52	8.9	-10.0
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	521	429	567	568	8.9	32.5
1.2.4.6 शिक्षा	701	691	695	701	0.0	1.5
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,705	1,575	1,716	1,726	1.2	9.6
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	3,755	3,112	3,982	4,224	12.5	35.7
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**24,357**	**22,805**	**23,492**	**23,547**	**–3.3**	**3.3**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	9,909	9,087	9,698	9,725	–1.9	7.0
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	9,020	8,502	8,733	8,726	–3.3	2.6
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,697	3,597	3,616	3,593	–2.8	-0.1
1.2अ.2.2 सेवाएं	5,322	4,905	5,117	5,132	–3.6	4.6
1.2अ.3 आवास	3,683	3,512	3,571	3,572	–3.0	1.7
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	189	182	142	150	–20.5	-17.7
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	604	607	582	587	–2.9	-3.3
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	6	6	3	3	–59.6	-56.8
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	5,546	4,939	5,258	5,502	–0.8	11.4
1.2अ.8 निर्यात ऋण	425	471	390	412	–3.2	-12.6

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2017	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		जुला. 22	जून 23	जुला. 21	2017-18	2017
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**26,800**	**26,365**	**26,185**	**26,280**	**–1.9**	**–0.3**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**345**	**338**	**327**	**333**	**–3.4**	**–1.5**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,455**	**1,441**	**1,450**	**1,446**	**–0.6**	**0.4**
1.2.1 चीनी	327	364	297	285	–12.9	–21.7
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	184	189	183	184	0.2	–2.6
1.2.3 चाय	35	35	39	43	22.0	22.3
1.2.4 अन्य	909	853	930	934	2.7	9.5
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**173**	**168**	**166**	**174**	**0.9**	**3.4**
1.4 वस्त्र	**1,963**	**1,976**	**1,927**	**1,933**	**–1.5**	**–2.2**
1.4.1 सूती वस्त्र	964	963	971	971	0.8	0.9
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	23	20	22	27	18.5	38.4
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	204	194	216	222	8.9	14.3
1.4.4 अन्य वस्त्र	773	800	718	713	–7.7	–10.8
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**107**	**106**	**106**	**106**	**–1.0**	**–0.1**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**105**	**103**	**101**	**101**	**–3.8**	**–1.7**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**326**	**340**	**319**	**318**	**–2.6**	**–6.6**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**596**	**516**	**525**	**548**	**–8.1**	**6.2**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,724**	**1,531**	**1,536**	**1,550**	**–10.1**	**1.3**
1.9.1 उर्वरक	335	241	272	263	–21.3	9.4
1.9.2 औषधि और दवाइयां	464	501	427	449	–3.1	–10.4
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	507	345	436	432	–14.7	25.2
1.9.4 अन्य	419	444	401	406	–3.1	–8.6
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**392**	**365**	**389**	**386**	**–1.3**	**5.8**
1.11 कांच और कांच के सामान	**79**	**86**	**76**	**76**	**–4.2**	**–12.0**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**542**	**541**	**506**	**546**	**0.6**	**0.8**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,211**	**4,178**	**4,154**	**4,155**	**–1.3**	**–0.5**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,192	3,111	3,213	3,241	1.5	4.1
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	1,018	1,067	941	914	–10.2	–14.3
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,496**	**1,516**	**1,463**	**1,474**	**–1.5**	**–2.8**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	336	356	318	318	–5.4	–10.6
1.14.2 अन्य	1,160	1,161	1,146	1,156	–0.4	–0.4
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**736**	**694**	**706**	**708**	**–3.8**	**2.0**
1.16 रत्न और आभूषण	**690**	**690**	**689**	**680**	**–1.5**	**–1.4**
1.17 निर्माण	**822**	**758**	**849**	**816**	**–0.8**	**7.6**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**9,064**	**9,101**	**8,915**	**8,884**	**–2.0**	**–2.4**
1.18.1 पावर	5,254	5,245	5,203	5,247	–0.1	0.0
1.18.2 दूरसंचार	851	883	827	830	–2.5	–6.0
1.18.3 सड़क	1,800	1,835	1,721	1,710	–5.0	–6.8
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,160	1,138	1,164	1,098	–5.3	–3.6
1.19 अन्य उद्योग	**1,973**	**1,915**	**1,981**	**2,045**	**3.6**	**6.8**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति					
	2016-17	2016	2017			
		अप्रै. 29	मार्च 17	मार्च 31	अप्रै. 14	अप्रै. 28
	1	2	3	4	5	6
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	32	31	31	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	**508.7**	**429.3**	**489.8**	**508.7**	**520.7**	**509.6**
2 मांग और मीयादी देयताएं						
2.1 मांग देयताएं	**181.4**	**156.8**	**157.1**	**181.4**	**169.0**	**162.4**
2.1.1 जमाराशियां						
2.1.1.1 अंतर-बैंक	45.0	35.6	37.2	45.0	38.9	36.3
2.1.1.2 अन्य	104.4	82.2	86.5	104.4	98.5	91.0
2.1.2 बैंकों से उधार	2.0	8.7	0.0	2.0	2.2	1.2
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	30.0	30.2	33.3	30.0	29.4	33.9
2.2 मीयादी देयताएं	**930.5**	**855.8**	**899.5**	**930.5**	**948.4**	**943.3**
2.2.1 जमाराशियां						
2.2.1.1 अंतर-बैंक	512.6	501.7	489.0	512.6	517.7	516.2
2.2.1.2 अन्य	404.3	347.0	403.3	404.3	422.1	418.6
2.2.2 बैंकों से उधार	4.4	0.0	0.0	4.4	0.0	0.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	9.2	7.0	7.3	9.2	8.6	8.5
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	17.6	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	517.2	424.4	494.3	517.2	501.1	487.5
4.1 मांग	180.4	164.5	173.4	180.4	171.1	171.1
4.2 मीयादी	336.8	259.9	320.8	336.8	330.0	316.4
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	**66.5**	**44.4**	**49.8**	**66.5**	**49.0**	**51.2**
5.1 उपलब्ध नकदी	3.7	2.6	4.5	3.7	3.0	3.2
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	62.9	41.8	45.3	62.9	46.0	48.0
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	**16.8**	**6.4**	**9.0**	**16.8**	**8.5**	**7.2**
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**327.1**	**301.9**	**330.2**	**327.1**	**329.1**	**321.2**
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**254.1**	**185.6**	**251.6**	**254.1**	**267.9**	**255.9**
9 बैंक ऋण (10.1+11)	**458.7**	**452.6**	**453.3**	**458.7**	**477.6**	**483.8**
10 अग्रिम						
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**458.6**	**452.6**	**453.2**	**458.6**	**477.6**	**483.7**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	777.0	706.3	767.3	777.0	756.8	746.0
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.1	0.0	0.0	0.1	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2016-17			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	जुला. 16	जून 17	जुला. 17	जुला. 16	जून 17	जुला. 17	जुला. 16	जून 17	जुला. 17
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**135.3**	**134.9**	**135.2**	**137.6**	**134.9**	**138.5**	**139.8**	**135.7**	**139.8**	**138.4**	**135.2**	**139.0**
1.1 अनाज और उत्पाद	130.8	128.9	130.2	129.3	133.5	134.0	126.8	132.9	132.8	128.5	133.3	133.6
1.2 मांस और मछली	137.9	140.1	138.7	139.5	143.7	144.2	144.2	148.7	148.4	141.2	145.5	145.7
1.3 अंडा	128.9	130.7	129.6	129.6	128.0	129.8	136.6	128.3	129.4	132.3	128.1	129.6
1.4 दूध और उत्पाद	135.2	132.4	134.1	134.5	138.6	139.1	131.8	137.3	137.7	133.5	138.1	138.6
1.5 तेल और चर्बी	120.3	112.0	117.3	119.5	120.9	121.0	111.0	113.5	113.4	116.4	118.2	118.2
1.6 फल	138.1	132.8	135.6	138.5	140.9	143.8	137.0	137.2	139.4	137.8	139.2	141.7
1.7 सब्जी	139.2	144.8	141.1	158.2	128.8	151.5	179.5	142.2	175.1	165.4	133.3	159.5
1.8 दाल और उत्पाद	165.6	170.3	167.2	171.8	140.2	138.0	188.4	128.2	124.7	177.4	136.2	133.5
1.9 चीनी और उत्पाद	112.1	114.9	113.0	110.3	118.9	120.0	113.3	120.9	121.5	111.3	119.6	120.5
1.10 मसाले	135.1	143.8	138.0	134.3	133.5	133.9	143.9	138.8	137.8	137.5	135.3	135.2
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	128.1	122.4	125.7	127.3	130.4	131.4	121.7	124.2	124.4	125.0	127.8	128.5
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	141.7	139.2	140.5	139.9	146.5	147.7	137.5	143.1	143.7	138.8	144.9	145.8
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**140.1**	**144.2**	**141.2**	**138.0**	**145.8**	**147.4**	**142.9**	**148.6**	**150.5**	**139.3**	**146.5**	**148.2**
3 कपड़ा और जूते	**137.9**	**127.8**	**133.9**	**136.5**	**142.3**	**143.5**	**126.9**	**130.2**	**130.4**	**132.7**	**137.5**	**138.3**
3.1 कपड़ा	138.6	128.9	134.8	137.2	143.1	144.3	127.9	131.5	131.6	133.5	138.5	139.3
3.2 जूते	133.7	121.7	128.7	132.2	137.7	138.1	121.1	123.2	123.7	127.6	131.7	132.1
4 आवास	--	**128.0**	**128.0**	--	--	--	**126.4**	**131.4**	**132.7**	**126.4**	**131.4**	**132.7**
5 ईंधन और लाइट	**130.1**	**116.4**	**124.9**	**128.2**	**134.8**	**135.3**	**115.5**	**119.0**	**119.7**	**123.4**	**128.8**	**129.4**
6 विविध	**125.0**	**120.6**	**122.9**	**123.8**	**128.1**	**128.6**	**119.9**	**122.7**	**123.0**	**121.9**	**125.5**	**125.9**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	131.3	124.3	128.0	130.0	135.2	136.1	123.5	126.8	127.2	126.9	131.2	131.9
6.2 स्वास्थ्य	128.1	121.6	125.6	126.7	131.3	132.2	120.9	123.8	125.0	124.5	128.5	129.5
6.3 परिवहन और संचार	117.4	112.8	114.9	116.4	119.4	119.0	111.7	113.9	113.2	113.9	116.5	115.9
6.4 मनोरंजन	125.9	121.0	123.2	125.2	129.8	130.6	120.3	122.9	123.5	122.4	125.9	126.6
6.5 शिक्षा	132.3	131.1	131.6	130.8	136.9	138.7	130.8	134.3	135.3	130.8	135.4	136.7
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	121.7	120.3	121.1	120.9	124.1	124.4	120.0	122.5	122.4	120.5	123.4	123.6
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**132.4**	**127.9**	**130.3**	**133.0**	**133.9**	**136.2**	**129.0**	**129.9**	**131.8**	**131.1**	**132.0**	**134.2**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2016-17	2016	2017	
				जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	276	280	280	285
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	870	877	877	884
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	875	881	884	890

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2016-17	2016	2017	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,665	30,942	28,823	28,170
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42,748	46,943	39,492	37,404

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड/बिजनेस लाइन/द इकोनॉमिक टाइम्स, मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**111.6**	**111.8**	**112.9**	**112.7**	**113.9**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**22.618**	**128.9**	**131.8**	**126.6**	**126.9**	**132.4**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**15.256**	**140.3**	**144.5**	**137.9**	**139.0**	**147.6**
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	152.0	154.8	144.8	143.5	142.8
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	138.7	155.4	129.1	137.3	176.8
1.1.1.3 दूध	4.440	134.3	134.2	138.5	138.9	138.9
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	133.0	133.2	136.4	137.9	137.6
1.1.1.5 मसाले	0.529	140.5	142.4	121.6	118.3	119.6
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	150.5	145.7	154.6	143.7	140.3
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.119**	**122.2**	**126.5**	**119.8**	**117.8**	**118.5**
1.1.2.1 फाइबर	0.839	117.1	126.1	119.5	120.4	119.6
1.1.2.2 तिलहन	1.115	136.0	144.4	127.4	125.4	124.7
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	114.9	117.1	112.9	112.0	114.0
1.1.2.4 फूल	0.204	137.4	120.9	145.4	120.3	124.3
1.1.3 खनिज	**0.833**	**113.1**	**95.8**	**119.6**	**116.3**	**119.6**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	98.4	76.1	107.0	103.2	107.0
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	164.4	165.1	163.8	162.4	163.8
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	**2.410**	**73.1**	**72.3**	**69.4**	**69.4**	**64.0**
1.2 ईंधन और बिजली	**13.152**	**86.3**	**84.7**	**90.9**	**89.7**	**88.4**
1.2.1 कोल	**2.138**	**109.0**	**107.0**	**117.5**	**117.5**	**117.5**
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	108.2	101.4	135.5	135.5	135.5
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	110.5	110.7	110.7	110.7	110.7
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	90.2	90.7	95.0	95.0	95.0
1.2.2 खनिज तेल	**7.950**	**73.3**	**71.8**	**79.1**	**77.5**	**75.3**
1.2.3 बिजली	**3.064**	**104.2**	**102.7**	**102.8**	**102.0**	**102.0**
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.231**	**110.7**	**110.3**	**112.6**	**112.5**	**112.7**
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.122**	**125.4**	**124.3**	**126.9**	**126.7**	**126.9**
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.1	138.0	136.0	135.9	134.7
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस,मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	127.7	126.4	131.3	130.8	126.3
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	120.2	120.7	120.5	120.8	120.1
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	107.0	104.3	106.0	105.7	105.6
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	132.3	128.7	141.8	141.1	142.8
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	136.2	136.2	136.1	136.3	135.9
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	114.6	119.9	113.3	113.5	112.9
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	127.0	126.5	130.5	130.6	130.9
1.3.1.9 चीनी,गुड़ और शहद	1.163	124.8	121.5	133.1	132.1	132.5
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	125.5	125.2	123.6	124.0	129.0
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स,और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	137.1	141.4	137.0	137.0	136.2
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	125.9	131.1	127.1	127.7	129.0
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	124.5	127.0	115.3	116.6	116.5
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	126.3	127.4	127.4	127.2	127.7
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	143.2	146.5	140.2	142.5	144.2
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	165.4	170.8	157.6	156.8	155.6
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	**0.909**	**116.1**	**115.4**	**117.3**	**117.6**	**117.4**
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	113.3	112.7	113.6	114.2	114.1
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	114.2	113.7	116.6	116.6	116.6
1.3.2.3 शीतल पेय,मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	121.8	120.9	123.6	123.3	122.9
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	**0.514**	**141.6**	**139.4**	**141.5**	**144.3**	**143.6**
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	141.6	139.4	141.5	144.3	143.6
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	**4.881**	**111.2**	**111.3**	**113.6**	**113.7**	**113.4**
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	103.3	103.2	107.2	107.2	106.6
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	120.9	121.6	120.6	121.0	121.0
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	107.1	106.0	109.3	107.1	108.9
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	121.7	121.1	124.1	124.6	124.6
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	143.0	142.9	145.3	145.8	142.3
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	112.9	112.1	117.4	117.6	117.0
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	**0.814**	**131.0**	**129.8**	**134.7**	**133.2**	**136.0**
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर बुलन के तैयार वस्त्र	0.593	133.9	133.5	137.1	135.3	138.9
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉस्चिटेड वस्त्र	0.221	123.3	119.7	128.4	127.5	128.2

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद	**0.535**	**122.6**	**123.8**	**120.1**	**119.9**	**119.5**
1.3.6.1 चमड़ेकी टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	119.9	119.5	114.3	114.0	111.0
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	132.3	132.8	131.6	131.1	131.6
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	121.5	123.6	119.9	119.9	120.4
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	**0.772**	**129.8**	**129.9**	**131.1**	**130.5**	**131.7**
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.9	126.6	121.2	120.9	119.9
1.3.7.2 विनियर शीट,प्लायवुड का विनिर्माण,लॅमिन बोर्ड,पार्टिकल बोर्डऔर अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	127.3	127.0	130.0	129.0	131.1
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	153.8	147.7	160.5	159.9	159.9
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	140.3	140.0	137.7	137.9	137.9
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद	**1.113**	**113.6**	**113.3**	**117.7**	**115.7**	**117.5**
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	117.7	117.3	122.1	121.6	122.0
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	114.7	113.6	115.7	112.6	115.4
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	105.9	106.3	112.7	109.3	112.3
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	**0.676**	**141.1**	**141.2**	**142.8**	**142.4**	**143.6**
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	141.1	141.2	142.8	142.4	143.6
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	**6.465**	**111.0**	**111.7**	**111.7**	**111.6**	**111.3**
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	104.7	104.5	107.2	107.1	107.1
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	118.7	120.3	117.2	117.3	116.6
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिथेंटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	113.7	116.5	112.8	111.4	111.4
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकेमिकल उत्पाद	0.454	116.8	117.1	117.2	118.1	117.8
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	108.5	107.4	111.1	112.0	108.7
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट,सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	113.7	113.8	115.0	115.3	116.3
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	106.5	106.8	109.1	108.6	108.6
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	94.1	93.0	94.8	95.2	94.8
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	**1.993**	**119.7**	**120.2**	**120.3**	**120.2**	**120.0**
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	119.7	120.2	120.3	120.2	120.0
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	**2.299**	**107.5**	**106.8**	**108.0**	**108.5**	**107.9**
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब,रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	101.4	101.0	103.3	103.4	103.2
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	90.4	91.1	91.1	91.3	91.0
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	113.3	112.3	113.2	114.0	113.1
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**3.202**	**109.8**	**110.7**	**112.5**	**112.3**	**112.8**
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	116.6	118.3	117.1	116.8	116.2
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	116.2	118.2	119.8	119.9	119.8
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	94.3	99.5	94.1	93.7	98.4
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	111.8	111.6	112.7	112.8	112.0
1.3.13.5 सीमेन्ट,चूना और प्लास्टर	1.645	110.6	111.8	114.7	114.2	114.8
1.3.13.6 कंक्रीट,सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	115.3	114.3	117.2	117.8	119.0
1.3.13.7 पत्थरों को काटना,आकार देना और संवारना	0.234	117.4	116.9	118.1	118.2	117.4
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	70.9	69.0	70.9	70.9	73.0
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	**9.646**	**91.1**	**88.7**	**96.9**	**96.7**	**97.0**
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	82.9	77.3	92.7	93.5	94.2
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	79.4	72.6	92.8	90.0	89.8
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	89.8	88.9	89.3	89.0	90.2
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	85.3	83.1	90.3	90.1	90.5
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	89.4	85.2	97.8	97.5	98.0
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	85.6	81.3	95.2	94.7	92.4
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	84.1	81.2	94.3	94.8	94.3
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	107.8	106.4	110.6	109.3	109.4
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	100.1	98.4	104.4	104.1	104.3
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	102.2	104.5	103.5	103.4	103.2
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	118.2	122.9	118.0	118.0	118.0
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**3.155**	**105.1**	**104.0**	**108.2**	**108.0**	**107.8**
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	102.5	101.5	104.2	104.7	105.1
1.3.15.2 धातु से बने टैंक,जलाशय और डिब्बे	0.660	109.2	107.0	118.7	117.3	117.3
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	108.5	110.2	107.8	107.8	107.8
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	94.7	95.1	91.5	91.4	90.9
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	111.5	109.5	114.6	113.3	111.3
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	108.1	106.5	111.5	111.6	110.8
1.3.16 कंप्यूटर,इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	**2.009**	**108.3**	**108.3**	**108.6**	**108.5**	**109.3**
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	106.7	107.2	105.3	105.3	106.1
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	127.3	127.3	127.5	127.3	127.5

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(समाप्त)*
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	104.1	104.1	104.1	104.1	104.1
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक्स	0.641	100.0	99.4	100.2	100.2	101.6
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	103.1	101.5	106.6	106.6	109.0
1.3.16.6 हाथ घडी और दीवार घडी	0.076	137.9	139.6	141.8	139.1	136.5
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	104.3	108.9	103.5	103.5	103.5
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	96.6	97.5	97.8	98.2	103.4
1.3.17 इलेक्ट्रानिक उपकरण का विनिर्माण	**2.930**	**108.2**	**108.8**	**108.5**	**108.3**	**108.4**
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	105.0	106.0	104.6	104.4	105.4
1.3.17.2 बैटरी और एक्युम्युलेटर	0.236	120.4	118.8	122.1	121.8	120.8
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	118.8	122.5	117.5	117.5	113.2
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रानिक और बिज़ली के वायर और केबल	0.428	99.7	98.5	102.2	102.0	102.4
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	108.5	112.1	106.8	105.6	104.5
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.4	119.2	120.4	120.9	120.6
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	104.4	105.0	105.8	105.8	106.1
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	**4.789**	**107.9**	**107.8**	**108.1**	**107.8**	**108.1**
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन,एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.1	105.3	102.8	102.0	102.8
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	114.3	114.2	114.4	114.4	115.8
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	106.6	106.0	107.9	108.0	108.0
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	104.5	103.7	104.4	103.5	103.6
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर भट्टियां	0.008	77.8	83.5	74.9	74.9	79.2
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने -उतारने वाले उपकरण	0.285	103.2	103.0	103.2	103.5	103.6
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	124.9	124.4	125.1	125.1	125.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	112.3	112.3	112.4	112.1	111.9
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	100.1	98.2	99.9	101.2	101.5
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	79.6	80.3	76.2	75.4	76.3
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	116.9	112.4	124.1	120.4	119.3
1.3.18.13 कपड़ा,परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	116.2	120.3	117.1	117.6	116.9
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	115.8	115.4	117.0	117.5	119.7
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	73.7	75.1	70.9	69.8	69.8
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	**4.969**	**110.4**	**110.6**	**111.4**	**111.6**	**111.1**
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	113.4	113.4	114.2	114.9	114.3
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	107.2	107.6	108.3	108.0	107.5
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	**1.648**	**107.7**	**105.5**	**109.0**	**109.7**	**111.0**
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.7	158.7	158.8	158.7	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टाक	0.110	100.6	96.9	102.3	102.0	102.8
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	102.8	100.3	104.0	104.9	106.7
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाडी	0.117	118.0	117.3	120.5	120.5	118.4
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	116.5	117.6	119.9	118.7	120.3
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	**0.727**	**114.1**	**112.9**	**116.4**	**116.2**	**117.8**
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	114.1	112.9	116.4	116.2	117.8
1.3.22 अन्य विनिर्माण	**1.064**	**119.7**	**127.9**	**112.9**	**110.3**	**115.9**
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	118.4	127.0	111.3	108.1	114.1
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	158.0	150.8	147.7	147.7	147.2
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	124.7	124.2	127.1	127.1	127.1
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	125.2	125.3	127.7	127.7	127.9
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	143.3	147.3	139.1	148.0	148.0
2 खाद्य सूचकांक	**24.378**	**134.7**	**137.0**	**133.8**	**134.4**	**139.9**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)

उद्योग	भारांक	2015-16	2016-17	अप्रैल-मई		जून	
				2016-17	2017-18	2016	2017
	1	2	3	4	5	4	5
सामान्य सूचकांक	100.00	114.7	120.0	118.2	120.6	119.7	119.6
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन और उत्खनन	14.37	97.3	102.5	98.6	99.8	98.4	98.8
1.2 विनिर्माण	77.63	115.9	121.0	119.2	121.3	121.1	120.6
1.3 बिजली	7.99	133.8	141.6	144.4	152.0	144.3	147.4
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	112.0	117.5	115.8	118.3	116.7	116.5
2.2 पूंजीगत माल	8.22	98.4	101.5	100.3	96.4	106.3	99.1
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	118.4	122.3	119.8	121.4	121.5	120.8
2.4 मुलभूत माल निर्माण	12.34	120.3	125.0	126.5	128.9	128.9	129.7
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	119.1	122.6	122.3	121.2	121.9	119.3
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	117.2	126.5	121.4	130.8	122.3	128.3

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23ः केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-जुलाई			
	2017-18 (बजट अनुमान)	2017-18 (वास्तविक)	2016-17 (वास्तविक)	बजट अनुमानों का प्रतिशत	
				2017-18	2016-17
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	**15,157.7**	**2,910.2**	**2,557.7**	**19.2**	**18.6**
1.1 कर राजस्व (निवल)	12,270.1	2,578.8	2,216.7	21.0	21.0
1.2 करेतर राजस्व	2,887.6	331.4	341.0	11.5	10.6
2 पूंजीगत प्राप्तियां	**6,309.6**	**5,174.0**	**4,009.2**	**82.0**	**66.7**
2.1 ऋण की वसूली	119.3	41.8	42.5	35.0	40.0
2.2 अन्य प्राप्तियां	725.0	83.2	31.8	11.5	5.6
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	5,465.3	5,049.0	3,934.9	92.4	73.7
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	**21,467.4**	**8,084.2**	**6,566.9**	**37.7**	**33.2**
4 राजस्व व्यय	18,369.3	7,132.9	5,854.0	38.8	33.8
4.1 ब्याज भुगतान	5,230.8	1,608.4	1,404.8	30.7	28.5
5 पूंजी व्यय	3,098.0	951.3	712.8	30.7	28.9
6 कुल व्यय (4+5)	**21,467.4**	**8,084.2**	**6,566.9**	**37.7**	**33.2**
7 राजस्व घाटा (4-1)	**3,211.6**	**4,222.7**	**3,296.4**	**131.5**	**93.1**
8 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	**5,465.3**	**5,049.0**	**3,934.9**	**92.4**	**73.7**
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**234.5**	**3,440.6**	**2,530.1**	**1,466.9**	**613.6**

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		जुला. 29	जून 23	जून 30	जुला. 7	जुला. 14	जुला. 21	जुला. 28
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	239.8	244.8	280.9	290.1	293.6	249.0	260.5
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	168.5	222.7	247.5	222.9	172.1	164.5	167.0
1.3 राज्य सरकारें	146.2	645.2	771.7	776.7	766.7	641.9	722.7	676.8
1.4 अन्य	343.4	882.0	681.7	641.3	677.7	742.5	812.2	819.1
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	307.8	324.5	378.1	363.9	386.0	377.3	372.2
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	278.9	215.4	218.3	214.7	224.4	219.2	242.7
2.3 राज्य सरकारें	193.6	95.7	218.7	218.7	218.7	218.7	218.7	218.8
2.4 अन्य	120.9	133.0	113.5	56.9	74.6	74.0	87.9	99.4
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	502.2	645.2	643.8	589.8	630.2	596.4	595.5
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	670.2	458.0	465.1	456.6	452.6	456.3	476.8
3.3 राज्य सरकारें	26.3	25.2	29.7	29.7	29.7	29.7	29.7	29.7
3.4 अन्य	326.4	347.9	284.6	280.5	342.8	307.0	336.7	317.3
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	841.8	1,152.0	1,178.8	1,073.0	1,272.1	1,309.9	1,421.0
4.4 अन्य	5.1	4.6	3.3	5.8	7.0	6.5	6.5	5.2
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)	3,320.8	4,296.4	4,210.4	4,237.5	4,248.3	4,172.6	4,270.8	4,275.9

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
जून 28	80	47	1,135.49	17.56	36	80.00	17.56	97.56	98.46	6.2735
जुला. 5	100	63	997.26	30.62	55	100.00	30.62	130.62	98.45	6.3149
जुला. 12	100	60	1,481.35	3.41	22	100.00	3.41	103.41	98.47	6.2322
जुला. 19	100	73	1,527.76	175.51	10	100.00	175.51	275.51	98.50	6.1081
जुला. 26	100	68	775.00	30.54	45	100.00	30.54	130.54	98.49	6.1495
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
जून 28	60	56	327.03	15.03	36	60.00	15.03	75.03	96.94	6.3305
जुला. 12	70	63	325.26	10.00	36	70.00	10.00	80.00	96.94	6.3305
जुला. 26	70	54	365.30	–	29	70.00	–	70.00	96.98	6.2452
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2017-18										
जून 7	60	64	312.37	–	19	60.00	–	60.00	93.97	6.4346
जून 21	60	78	370.26	29.74	18	60.00	29.74	89.74	94.02	6.3778
जुला. 5	60	74	256.18	–	24	60.00	–	60.00	94.02	6.3778
जुला. 19	60	83	428.32	–	11	60.00	–	60.00	94.10	6.2872

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
जुलाई	1, 2017	4.70-6.25	5.97
जुलाई	3, 2017	5.00-6.26	6.07
जुलाई	4, 2017	5.00-6.26	6.04
जुलाई	5, 2017	5.00-6.25	6.03
जुलाई	6, 2017	5.00-6.25	6.03
जुलाई	7, 2017	4.95-6.25	6.08
जुलाई	10, 2017	5.00-6.27	6.10
जुलाई	11, 2017	5.10-6.30	6.04
जुलाई	12, 2017	5.10-6.25	6.05
जुलाई	13, 2017	5.00-6.25	6.05
जुलाई	14, 2017	5.00-6.25	6.07
जुलाई	15, 2017	4.70-6.13	5.91
जुलाई	17, 2017	5.00-6.25	6.07
जुलाई	18, 2017	5.10-6.26	6.07
जुलाई	19, 2017	5.00-6.40	6.08
जुलाई	20, 2017	5.00-6.25	6.04
जुलाई	21, 2017	5.00-6.25	6.10
जुलाई	24, 2017	5.00-6.30	6.09
जुलाई	25, 2017	5.00-6.25	6.08
जुलाई	26, 2017	5.00-6.30	6.10
जुलाई	27, 2017	5.00-6.28	6.08
जुलाई	28, 2017	5.00-6.25	6.06
जुलाई	29, 2017	4.70-6.02	5.61
जुलाई	31, 2017	5.00-6.30	6.09
अगस्त	1, 2017	5.00-6.25	6.10
अगस्त	2, 2017	5.00-6.30	6.05
अगस्त	3, 2017	4.90-6.00	5.83
अगस्त	4, 2017	4.90-6.00	5.88
अगस्त	5, 2017	4.60-5.90	5.64
अगस्त	7, 2017	4.90-6.05	5.94
अगस्त	8, 2017	4.90-6.10	5.91
अगस्त	9, 2017	4.90-6.05	5.91
अगस्त	10, 2017	4.90-6.00	5.85
अगस्त	11, 2017	4.90-6.00	5.84
अगस्त	14, 2017	4.90-6.18	5.86

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2016	2017			
	जुला. 22	जून 9	जून 23	जुला. 7	जुला. 21
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	1,691.6	1,251.6	1,111.1	1,102.2	1,226.2
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	92.3	63.6	130.3	55.2	200.7
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.65-7.39	6.40-7.05	6.20-6.70	6.32-6.68	6.25-6.75

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2016	2017			
	जुला. 31	जून 15	जून 30	जुला. 15	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	3,811.9	3,885.2	3,294.2	3,584.0	3,255.2
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	566.3	725.6	972.4	845.9	329.4
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.42-13.84	6.18-11.97	6.23-11.95	6.02-11.97	6.11-11.96

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		जुला. 29	जून 23	जून 30	जुला. 7	जुला. 14	जुला. 21	जुला. 28
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	259.0	232.0	267.7	168.5	279.4	196.2	260.4	211.4
2 नोटिस मुद्रा	46.8	89.0	5.0	56.8	4.8	47.7	3.8	54.0
3 मीयादी मुद्रा	8.4	8.2	6.8	11.6	6.6	10.4	4.0	9.1
4 सीबीएलओ	1,700.2	1,872.8	1,742.5	2,326.9	1,608.0	2,066.6	1,674.1	2,204.8
5 बाजार रिपो	1,753.3	1,704.9	2,070.3	2,022.1	1,846.0	1,826.8	1,646.7	1,821.7
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	2.5	0.2	13.1	1.1	3.5	4.5	2.9	3.0
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	53,982	51,970	72,009	50,457	54,568	50,839	59,928
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	1,249.1	1,853.0	1,089.9	878.8	1,061.6	1,343.8	886.5	1,170.2
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	50.7	76.6	59.8	103.1	36.5	57.2	58.2	94.4
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	45.1	44.7	46.3	93.6	47.3	54.6	48.4	44.4
10.2 182-दिवसीय	11.8	17.6	6.4	31.6	13.1	17.9	12.6	8.1
10.3 364-दिवसीय	18.5	24.8	9.0	8.0	6.6	5.3	12.5	2.4
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13.8	–	8.1	90.4	37.3	21.0	33.0	26.8
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	1388.8	2,016.8	1,219.5	1,205.6	1,202.4	1,499.8	1,051.2	1,346.4
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	0.1	0.1	1.6	31.8	1.8	20.2	6.3

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2016-17 *		2016-17 (अप्रै.-जुला.)		2017-18 (अप्रै.-जुला.)*		जुला. 2016		जुला. 2017*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**116**	**303.6**	**22**	**65.6**	**45**	**82.3**	**3**	**16.6**	**13**	**11.1**
1ए प्रीमियम	113	291.3	21	62.1	45	79.1	3	16.6	13	10.6
1.1 पब्लिक	105	280.7	21	64.8	41	75.4	3	16.6	12	9.1
1.1.1 प्रीमियम	102	270.4	20	61.5	41	72.9	3	16.6	12	8.7
1.2 राइट्स	11	22.9	1	0.8	4	6.9	–	–	1	2.0
1.2.1 प्रीमियम	11	20.9	1	0.7	4	6.2	–	–	1	1.9
2 अधिमान शेयर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**16**	**295.5**	**5**	**24.0**	**3**	**36.8**	**1**	**5.0**	**2**	**17.1**
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	16	295.5	5	24.0	3	36.8	1	5.0	2	17.1
3.1.1 पब्लिक	16	295.5	5	24.0	3	36.8	1	5.0	2	17.1
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**132**	**599.0**	**27**	**89.6**	**48**	**119.1**	**4**	**21.6**	**15**	**28.2**
5.1 पब्लिक	121	576.1	26	88.8	44	112.2	4	21.6	14	26.2
5.2 राइट्स	11	22.9	1	0.8	4	6.9	–	–	1	2.0

* आंकड़े अनंतिम है।
स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2016-17	2016	2017				
			जुला.	मार्च	अप्रै.	मई	जून	जुला.
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	18,541.0	1,457.7	1,919.9	1,587.2	1,548.4	1,519.3	1,453.1
	अमरीकी मिलियन डालर	276,547.0	21,689.6	29,144.5	24,604.4	22,543.8	23,575.6	22,543.8
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,120.3	167.8	245.0	190.0	165.4	172.0	193.5
	अमरीकी मिलियन डालर	31,622.3	2,496.7	3,718.4	2,945.1	2,468.4	2,668.3	3,002.7
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	16,420.7	1,289.9	1,675.0	1,397.2	1,383.0	1,347.3	1,259.5
	अमरीकी मिलियन डालर	244,924.7	19,192.9	25,426.1	21,659.3	20,075.4	20,907.4	19,541.1
2 आयात	बिलियन ₹	25,668.2	1,979.3	2,613.3	2,455.8	2,443.5	2,354.7	2,191.1
	अमरीकी मिलियन डालर	382,740.9	29,451.0	39,668.9	38,070.4	37,928.5	36,538.7	33,993.6
2.1 तेल	बिलियन ₹	5,825.6	458.4	639.9	476.4	497.3	523.7	505.7
	अमरीकी मिलियन डालर	86,865.7	6,820.3	9,714.0	7,385.9	7,718.7	8,127.1	7,844.9
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	19,842.6	1,521.0	1,973.3	1,979.4	1,946.3	1,830.9	1,685.4
	अमरीकी मिलियन डालर	295,875.2	22,630.6	29,954.9	30,684.4	30,209.8	28,411.6	26,148.7
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–7,127.2	–521.6	–693.3	–868.6	–895.1	–835.4	–738.0
	अमरीकी मिलियन डालर	–106,193.9	–7,761.4	–10,524.4	–13,465.9	–15,384.7	–12,963.1	–11,449.8
3.1 तेल	बिलियन ₹	–3,705.4	–290.6	–395.0	–286.5	–331.8	–351.8	–312.1
	अमरीकी मिलियन डालर	–55,243.4	–4,323.6	–5,995.6	–4,440.8	–5,250.3	–5,458.8	–4,842.3
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–3,421.9	–231.0	–298.3	–582.2	–563.3	–483.6	–425.9
	अमरीकी मिलियन डालर	–50,950.6	–3,437.8	–4,528.8	–9,025.1	–10,134.4	–7,504.2	–6,607.6

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2016	2017					
		अग. 26	जुला. 21	जुला. 28	अग. 4	अग. 11	अग. 18	अग. 25
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**24,463**	**25,174**	**25,210**	**25,071**	**25,252**	**25,215**	**25,274**
	अमरीकी मिलियन डालर	**366,777**	**391,331**	**392,868**	**393,449**	**393,613**	**393,402**	**394,550**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	22,754	23,610	23,651	23,552	23,732	23,695	23,755
	अमरीकी मिलियन डालर	341,285	367,149	368,759	369,723	369,899	369,691	370,833
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,447	1,317	1,317	1,278	1,278	1,278	1,278
	अमरीकी मिलियन डालर	21,585	20,349	20,349	19,944	19,944	19,944	19,944
1.3 एसडीआर	बिलियन ₹	1,066	1,064	1,064	1,064	1,063	1,063	1,063
	अमरीकी मिलियन डालर	100	96	96	96	96	96	96
	बिलियन ₹	1,497	1,492	1,496	1,505	1,499	1,498	1,500
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	162	151	145	145	146	146	146
	अमरीकी मिलियन डालर	2,410	2,341	2,264	2,277	2,271	2,270	2,273

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2016-17	2016	2017		2016-17	2017-18
		जून.	मई	जून	अप्रै.-जून	अप्रै.-जून
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**116,867**	**126,266**	**117,456**	**118,247**	**1,377**	**1,237**
1.1 एफसीएनआर (बी)	21,002	45,075	21,212	20,898	–241	–104
1.2 एनआर (ई) आरए	83,213	71,226	83,704	84,611	1,547	1,275
1.3 एनआरओ	12,652	9,965	12,540	12,737	71	66

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016-17	2017-18	2016	2017	
		अप्रै.-जुला.	अप्रै.-जुला.	जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**35,612**	**8,592**	**10,465**	**4,710**	**1,588**	**3,409**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**42,215**	**9,961**	**14,148**	**4,064**	**2,550**	**4,088**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**60,220**	**17,173**	**20,554**	**5,425**	**4,507**	**6,045**
1.1.1.1.1ईक्विटी	44,701	12,054	15,617	4,179	3,214	4,925
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	5,900	814	391	106	121	125
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	30,417	7,612	12,396	3,627	2,572	3,935
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,161	3,246	2,448	349	426	767
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	1,223	382	382	98	95	98
1.1.1.1.2पुनर्निवेशित आय	12,343	4,127	4,127	958	1,056	958
1.1.1.1.3अन्य पूंजी	3,176	993	811	288	237	163
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**18,005**	**7,213**	**6,406**	**1,360**	**1,957**	**1,957**
1.1.1.2.1ईक्विटी	17,318	7,085	6,247	1,301	1,920	1,920
1.1.1.2.2अन्य पूंजी	687	128	159	59	37	37
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**6,603**	**1,368**	**3,683**	**–646**	**962**	**680**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	9,792	3,266	2,077	839	549	296
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	2,925	975	975	244	244	244
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,450	1,552	1,549	271	380	350
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	10,564	4,425	918	2,001	211	211
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**7,612**	**4,151**	**15,752**	**2,047**	**4,607**	**3,301**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	–	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	7,766	3,507	15,203	2,267	4,587	3,282
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	154	–643	–549	219	–19	–19
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**43,224**	**12,743**	**26,217**	**6,758**	**6,195**	**6,710**

सं. 35: निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016	2017		
		जुला.	मई	जून	जुला.
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**8,170.7**	**682.7**	**847.1**	**905.1**	**880.0**
1.1 जमाराशियां	283.8	16.6	27.9	26.3	23.3
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	92.9	9.0	6.7	10.1	3.6
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	443.6	41.1	30.7	44.3	28.0
1.4 उपहार	749.5	59.1	95.9	83.5	77.9
1.5 दान	8.8	0.4	0.6	0.3	0.5
1.6 यात्रा	2,568.0	206.0	285.2	352.6	342.8
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,169.5	182.2	256.5	229.5	211.8
1.8 चिकित्सा उपचार	17.3	1.2	1.6	2.4	1.7
1.9 विदेश में शिक्षा	1,536.4	132.9	133.0	144.8	179.0
1.10 अन्य	300.8	34.2	9.0	11.3	11.4

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2015-16	2016-17	2016	2017	
			अगस्त	जुलाई	अगस्त
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.76	74.66	73.93	77.61	77.67
1.2 रीर	112.07	114.50	114.15	118.23	118.32
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.45	76.39	75.49	79.49	79.60
2.2 रीर	114.44	116.44	116.07	120.34	120.51
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	67.52	67.17	66.39	69.26	68.90
1.2 रीर	122.71	125.99	125.36	132.14	131.45
2 आधार : 2015-16 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	99.47	98.32	102.57	102.04
2.2 रीर	100.00	102.67	102.15	107.68	107.12

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार पंजीकरण

(राशि अमरीकी मिलियन डालर में)

मद	2016-17	2016	2017	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	729	54	76	55
1.2 राशि	16,247	1,020	1,335	1,244
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	37	3	2	2
2.2 राशि	5,738	184	299	650
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	766	57	78	57
3.2 राशि	21,985	1,204	1,634	1,894
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.30	4.50	6.00	7.10
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.62	3.53	2.50	1.11
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-14.75	0.00-12.05	0.00-12.00	0.00-11.00

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**252,123**	**248,848**	**3,274**	**283,799**	**276,488**	**7,312**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**124,652**	**124,990**	**–338**	**138,288**	**141,741**	**–3,452**
1.1 पण्य	**65,831**	**90,586**	**–24,755**	**77,354**	**107,076**	**–29,722**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**58,821**	**34,404**	**24,417**	**60,934**	**34,665**	**26,270**
1.2.1 सेवाएं	39,413	23,336	16,077	40,717	23,081	17,636
1.2.1.1 यात्रा	5,904	3,580	2,324	6,720	3,630	3,090
1.2.1.2 परिवहन	3,550	3,666	–115	4,226	3,694	533
1.2.1.3 बीमा	520	249	271	591	439	153
1.2.1.4 जीएनआईई	133	230	–97	136	146	–10
1.2.1.5 विविध	29,306	15,611	13,695	29,043	15,173	13,871
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	18,064	736	17,328	17,813	974	16,839
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	7,291	8,664	–1,373	8,320	8,176	144
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	983	596	387	1,007	1,431	–424
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	601	344	257	666	204	462
1.2.2 अंतरण	15,729	768	14,961	15,735	1,549	14,186
1.2.2.1 आधिकारिक	41	225	–185	34	216	–183
1.2.2.2 निजी	15,689	542	15,146	15,701	1,333	14,368
1.2.3 आय	3,679	10,300	–6,621	4,482	10,034	–5,552
1.2.3.1 निवेश आय	2,839	9,749	–6,910	3,366	9,399	–6,033
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	839	551	288	1,116	635	481
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**127,313**	**123,858**	**3,455**	**145,139**	**134,747**	**10,392**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**66,942**	**59,683**	**7,259**	**85,079**	**69,283**	**15,796**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16,114	7,318	8,797	13,999	9,001	4,997
2.1.1.1 भारत में	14,752	3,367	11,384	12,342	3,201	9,141
2.1.1.1.1 इक्विटी	10,895	3,343	7,553	7,968	2,818	5,149
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3,098	–	3,098	3,241	–	3,241
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	758	25	733	1,133	383	750
2.1.1.2 विदेश में	1,363	3,950	–2,588	1,657	5,800	–4,143
2.1.1.2.1 इक्विटी	1,363	2,367	–1,004	1,657	3,471	–1,814
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	834	–834	0	731	–731
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	749	–749	0	1,598	–1,598
2.1.2 संविभाग निवेश	50,828	52,366	–1,538	71,080	60,282	10,799
2.1.2.1 भारत में	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
2.1.2.1.1 एफआईआई	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	40,988	40,805	183	57,118	50,678	6,440
2.1.2.1.1.2 ऋण	9,552	10,522	–970	13,739	9,049	4,691
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	288	1,038	–751	223	554	–332
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**32,714**	**31,444**	**1,270**	**34,267**	**30,279**	**3,987**
2.2.1 बाह्य सहायता	2,134	1,147	987	2,020	1,154	866
2.2.1.1 भारत द्वारा	15	126	–111	14	58	–43
2.2.1.2 भारत को	2,119	1,021	1,098	2,005	1,096	909
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	7,025	9,381	–2,356	6,976	7,851	–875
2.2.2.1 भारत द्वारा	1,926	1,646	280	1,736	1,675	61
2.2.2.2 भारत को	5,099	7,735	–2,636	5,240	6,176	–936
2.2.3 भारत को अल्पावधि	23,556	20,917	2,639	25,270	21,274	3,996
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	22,505	20,917	1,588	24,645	21,274	3,371
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	1,051	0	1,051	625	0	625
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**18,939**	**27,941**	**–9,002**	**16,039**	**29,081**	**–13,042**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	18,904	27,941	–9,036	16,034	29,081	–13,047
2.3.1.1 आस्तियां	3,001	12,954	–9,952	163	11,215	–11,053
2.3.1.2 देयताएं	15,903	14,987	916	15,872	17,866	–1,994
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	15,052	10,664	4,388	15,006	12,308	2,698
2.3.2 अन्य	34	0	34	5	0	5
2.4 रुपया ऋण चुकौती	–	22	–22	0	48	–48
2.5 अन्य पूंजी	8,718	4,767	3,951	9,755	6,056	3,698
3 भूल-चूक	**158**	–	**158**	**372**	–	**372**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**3,274**	**–3,274**	0	**7,312**	**–7,312**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	–	3,274	–3,274	0	7,312	–7,312

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**17,019**	**16,798**	**221**	**19,018**	**18,528**	**490**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**8,414**	**8,437**	**–23**	**9,267**	**9,498**	**–231**
1.1 पण्य	**4,444**	**6,115**	**–1,671**	**5,184**	**7,175**	**–1,992**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**3,971**	**2,322**	**1,648**	**4,083**	**2,323**	**1,760**
1.2.1 सेवाएं	2,661	1,575	1,085	2,728	1,547	1,182
1.2.1.1 यात्रा	399	242	157	450	243	207
1.2.1.2 परिवहन	240	247	–8	283	248	36
1.2.1.3 बीमा	35	17	18	40	29	10
1.2.1.4 जीएनआईई	9	16	–7	9	10	–1
1.2.1.5 विविध	1,978	1,054	924	1,946	1,017	929
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,219	50	1,170	1,194	65	1,128
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	492	585	–93	558	548	10
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	66	40	26	67	96	–28
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	41	23	17	45	14	31
1.2.2 अंतरण	1,062	52	1,010	1,054	104	951
1.2.2.1 आधिकारिक	3	15	–12	2	14	–12
1.2.2.2 निजी	1,059	37	1,022	1,052	89	963
1.2.3 आय	248	695	–447	300	672	–372
1.2.3.1 निवेश आय	192	658	–466	226	630	–404
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	57	37	19	75	43	32
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**8,594**	**8,361**	**233**	**9,726**	**9,030**	**696**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	4,519	4,029	490	5,701	4,643	1,059
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,088	494	594	938	603	335
2.1.1.1 भारत में	996	227	768	827	214	613
2.1.1.1.1 इक्विटी	735	226	510	534	189	345
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	209	0	209	217	0	217
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	51	2	50	76	26	50
2.1.1.2 विदेश में	92	267	–175	111	389	–278
2.1.1.2.1 इक्विटी	92	160	–68	111	233	–122
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	56	–56	0	49	–49
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	51	–51	0	107	–107
2.1.2 संविभाग निवेश	3,431	3,535	–104	4,763	4,040	724
2.1.2.1 भारत में	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
2.1.2.1.1 एफआईआई	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	2,767	2,755	12	3,828	3,396	432
2.1.2.1.1.2 ऋण	645	710	–65	921	606	314
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	19	70	–51	15	37	–22
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**2,208**	**2,123**	**86**	**2,296**	**2,029**	**267**
2.2.1 बाह्य सहायता	144	77	67	135	77	58
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	8	–7	1	4	–3
2.2.1.2 भारत को	143	69	74	134	73	61
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	474	633	–159	467	526	–59
2.2.2.1 भारत द्वारा	130	111	19	116	112	4
2.2.2.2 भारत को	344	522	–178	351	414	–63
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,590	1,412	178	1,693	1,426	268
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,519	1,412	107	1,652	1,426	226
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	71	0	71	42	0	42
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**1,278**	**1,886**	**–608**	**1,075**	**1,949**	**–874**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	1,276	1,886	–610	1,074	1,949	–874
2.3.1.1 आस्तियां	203	874	–672	11	752	–741
2.3.1.2 देयताएं	1,074	1,012	62	1,064	1,197	–134
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	1,016	720	296	1,006	825	181
2.3.2 अन्य	2	0	2	0	0	0
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	2	–2	0	3	–3
2.5 अन्य पूंजी	589	322	267	654	406	248
3 भूल-चूक	**11**	0	**11**	**25**	–	**25**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**221**	**–221**	0	**490**	**–490**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	221	–221	0	490	–490

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**124,651**	**124,969**	**–318**	**138,288**	**141,721**	**–3,433**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**105,244**	**113,921**	**–8,678**	**118,071**	**130,157**	**–12,086**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**65,831**	**90,586**	**–24,755**	**77,354**	**107,076**	**–29,722**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	68,053	85,295	–17,242	77,623	97,379	–19,756
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–2,222	0	–2,222	–268	0	–268
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	–	5,291	–5,291	–	9,697	–9,697
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**39,413**	**23,336**	**16,077**	**40,717**	**23,081**	**17,636**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	40	26	14	23	11	12
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	31	83	–51	68	116	–48
1.अ.ख.3 परिवहन	3,550	3,666	–115	4,226	3,694	533
1.अ.ख.4 यात्रा	5,904	3,580	2,324	6,720	3,630	3,090
1.अ.ख.5 निर्माण	499	314	185	564	244	320
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	520	249	271	591	439	153
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	983	596	387	1,007	1,431	–424
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	97	1,088	–991	140	1,342	–1,203
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	18,750	1,192	17,558	18,551	1,278	17,274
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	7,291	8,664	–1,373	8,320	8,176	144
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	338	150	188	328	454	–126
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	133	230	–97	136	146	–10
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	1,277	3,499	–2,222	42	2,121	–2,079
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**3,679**	**10,300**	**–6,621**	**4,482**	**10,034**	**–5,552**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	839	551	288	1,116	635	481
1.आ.2 निवेश आय	2,419	9,589	–7,170	2,624	9,182	–6,558
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,406	4,525	–3,119	1,319	4,376	–3,057
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	26	1,886	–1,860	46	1,677	–1,630
1.आ.2.3 अन्य निवेश	160	3,177	–3,017	243	3,129	–2,886
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	826	1	825	1,015	0	1,015
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	421	160	261	742	217	525
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**15,729**	**747**	**14,982**	**15,734**	**1,529**	**14,205**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,689	542	15,146	15,701	1,333	14,368
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	15,155	463	14,692	15,155	1,075	14,080
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	534	80	454	546	259	288
1.इ.2 सामान्य सरकार	40	205	–165	33	196	–163
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**73**	**62**	**11**	**96**	**72**	**24**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	27	7	20	49	13	36
2.2 पूँजी अंतरण	46	55	–9	47	60	–13
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**127,240**	**127,091**	**149**	**145,044**	**142,006**	**3,038**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**16,114**	**7,318**	**8,797**	**13,999**	**9,001**	**4,997**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	14,752	3,367	11,384	12,342	3,201	9,141
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	13,994	3,343	10,651	11,209	2,818	8,390
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	10,895	3,343	7,553	7,968	2,818	5,149
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3,098	–	3,098	3,241	–	3,241
3.1.अ.2 ऋण लिखत	758	25	733	1,133	383	750
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	758	25	733	1,133	383	750
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1,363	3,950	–2,588	1,657	5,800	–4,143
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,363	3,201	–1,838	1,657	4,202	–2,545
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1,363	2,367	–1,004	1,657	3,471	–1,814
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	–	834	–834	–	731	–731
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	749	–749	0	1,598	–1,598
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	–	749	–749	–	1,598	–1,598
3.2 संविभाग निवेश	**50,828**	**52,366**	**–1,538**	**71,080**	**60,282**	**10,799**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	50,540	51,327	–787	70,858	59,727	11,131
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	40,988	40,805	183	57,118	50,678	6,440
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	9,552	10,522	–970	13,739	9,049	4,691
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	288	1,038	–751	223	554	–332
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**4,858**	**2,330**	**2,528**	**4,371**	**1,458**	**2,914**
3.4 अन्य निवेश	**55,441**	**61,803**	**–6,363**	**55,594**	**63,954**	**–8,360**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15,086	10,664	4,422	15,011	12,308	2,702
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	34	0	34	5	0	5
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	15,052	10,664	4,388	15,006	12,308	2,698
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	13,011	27,804	–14,793	10,024	25,777	–15,753
3.4.3अ भारत को ऋण	11,070	26,033	–14,962	8,274	24,045	–15,771
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	1,941	1,771	169	1,750	1,733	18
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	28	709	–681	30	171	–142
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	23,556	20,917	2,639	25,270	21,274	3,996
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	3,760	1,709	2,051	5,259	4,423	837
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**3,274**	**–3,274**	0	**7,312**	**–7,312**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	3,274	–3,274	0	7,312	–7,312
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**127,240**	**127,091**	**149**	**145,044**	**142,006**	**3,038**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	61,517	51,426	10,091	74,607	59,882	14,725
4.2 ऋण लिखत	61,963	70,681	–8,719	65,178	70,390	–5,212
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	3,760	4,984	–1,224	5,259	11,734	–6,475
5. निवल भूल-चूक	**158**	–	**158**	**372**	–	**372**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	जन.-मार्च 2016 (आं.सं)			जन.-मार्च 2017 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**8,414**	**8,436**	**–21**	**9,267**	**9,497**	**–230**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**7,104**	**7,690**	**–586**	**7,912**	**8,722**	**–810**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,444**	**6,115**	**–1,671**	**5,184**	**7,175**	**–1,992**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,594	5,758	–1,164	5,202	6,525	–1,324
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	–150	0	–150	–18	0	–18
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	357	–357	–	650	–650
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**2,661**	**1,575**	**1,085**	**2,728**	**1,547**	**1,182**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	3	2	1	2	1	1
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	2	6	–3	5	8	–3
1.अ.ख.3 परिवहन	240	247	–8	283	248	36
1.अ.ख.4 यात्रा	399	242	157	450	243	207
1.अ.ख.5 निर्माण	34	21	12	38	16	21
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	35	17	18	40	29	10
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	66	40	26	67	96	–28
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	7	73	–67	9	90	–81
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,266	80	1,185	1,243	86	1,158
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	492	585	–93	558	548	10
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	23	10	13	22	30	–8
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	9	16	–7	9	10	–1
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	86	236	–150	3	142	–139
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**248**	**695**	**–447**	**300**	**672**	**–372**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	57	37	19	75	43	32
1.आ.2 निवेश आय	163	647	–484	176	615	–439
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	95	305	–211	88	293	–205
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	2	127	–126	3	112	–109
1.आ.2.3 अन्य निवेश	11	214	–204	16	210	–193
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	56	0	56	68	0	68
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	28	11	18	50	15	35
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,062**	**50**	**1,011**	**1,054**	**102**	**952**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,059	37	1,022	1,052	89	963
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,023	31	992	1,016	72	944
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	36	5	31	37	17	19
1.इ.2 सामान्य सरकार	3	14	–11	2	13	–11
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**5**	**4**	**1**	**6**	**5**	**2**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	2	0	1	3	1	2
2.2 पूँजी अंतरण	3	4	–1	3	4	–1
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**8,589**	**8,579**	**10**	**9,720**	**9,516**	**204**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**1,088**	**494**	**594**	**938**	**603**	**335**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	996	227	768	827	214	613
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	945	226	719	751	189	562
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	735	226	510	534	189	345
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	209	0	209	217	0	217
3.1.अ.2 ऋण लिखत	51	2	50	76	26	50
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	51	2	50	76	26	50
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	92	267	–175	111	389	–278
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	92	216	–124	111	282	–171
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	92	160	–68	111	233	–122
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	56	–56	0	49	–49
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	51	–51	0	107	–107
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	51	–51	0	107	–107
3.2 संविभाग निवेश	**3,431**	**3,535**	**–104**	**4,763**	**4,040**	**724**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	3,412	3,465	–53	4,748	4,002	746
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	2,767	2,755	12	3,828	3,396	432
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	645	710	–65	921	606	314
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	19	70	–51	15	37	–22
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**328**	**157**	**171**	**293**	**98**	**195**
3.4 अन्य निवेश	**3,742**	**4,172**	**–429**	**3,725**	**4,286**	**–560**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	1,018	720	299	1,006	825	181
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	2	0	2	0	0	0
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	1,016	720	296	1,006	825	181
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	878	1,877	–999	672	1,727	–1,056
3.4.3अ भारत को ऋण	747	1,757	–1,010	554	1,611	–1,057
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	131	120	11	117	116	1
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	2	48	–46	2	11	–10
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,590	1,412	178	1,693	1,426	268
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	254	115	138	352	296	56
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	–	–	–	–	–	–
3.5 आरक्षित आस्तियां	**0**	**221**	**–221**	**0**	**490**	**–490**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	221	–221	0	490	–490
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**8,589**	**8,579**	**10**	**9,720**	**9,516**	**204**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	4,153	3,471	681	5,000	4,013	987
4.2 ऋण लिखत	4,183	4,771	–589	4,368	4,717	–349
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	254	336	–83	352	786	–434
5. निवल भूल-चूक	**11**	–	**11**	**25**	–	**25**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2016-17		2016				2017	
			मार्च		दिसं.		मार्च	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	148,229	342,651	141,626	293,862	144,086	318,519	148,229	342,651
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	99,114	327,845	96,961	280,267	96,569	304,538	99,114	327,845
1.2 अन्य पूंजी	49,115	14,806	44,665	13,595	47,516	13,981	49,115	14,806
2 संविभाग निवेश	2,615	238,678	2,461	224,788	2,283	221,189	2,615	238,678
2.1 इक्विटी	1,593	153,978	1,541	141,864	2,280	140,567	1,593	153,978
2.2 ऋण	1,022	84,700	919	82,924	4	80,622	1,022	84,700
3 अन्य निवेश	45,032	377,339	47,460	392,523	37,734	365,341	45,032	377,339
3.1 व्यापार ऋण	3,429	88,821	4,548	82,283	3,585	84,779	3,429	88,821
3.2 ऋण	7,306	159,893	6,688	170,426	4,220	160,216	7,306	159,893
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,073	117,110	20,861	127,109	14,594	110,020	20,073	117,110
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	14,223	11,515	15,363	12,705	15,335	10,327	14,223	11,515
4 रिज़र्व्स	369,955	–	360,177	–	358,898	–	369,955	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	565,830	958,668	551,724	911,174	543,001	905,049	565,830	958,668
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–392,838		–359,450		–362,048		–392,838

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2016-17	2017			2016-17	2017		
		मई	जून	जुला.		मई	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**107.86**	**10.43**	**9.83**	**9.38**	**1,253,652.08**	**113,312.69**	**116,200.57**	**110,562.10**
1.1 ग्राहक लेनदेन	103.66	10.09	9.51	9.07	849,950.51	80,716.62	83,330.95	77,675.80
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	4.17	0.35	0.32	0.31	131,953.25	9,453.90	9,481.63	9,473.46
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.018	0.002	0.002	0.002	271,748.31	23,142.16	23,387.99	23,412.84
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.65**	**0.29**	**0.30**	**0.30**	**1,056,173.36**	**86,202.69**	**90,919.03**	**86,663.63**
2.1 सीबीएलओ	0.22	0.02	0.02	0.02	229,528.33	21,769.86	21,892.28	21,736.46
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.51	0.10	0.12	0.11	404,389.08	31,150.92	36,913.97	34,047.29
2.2.1 एकमुश्त	1.34	0.08	0.11	0.10	168,741.46	9,926.66	13,709.92	13,400.47
2.2.2 रिपो	0.168	0.016	0.017	0.016	235,647.62	21,224.26	23,204.05	20,646.82
2.3 विदेशी समाशोधन	1.93	0.17	0.16	0.17	422,255.95	33,281.91	32,112.78	30,879.88
3 पेपर समाशोधन	**1,206.69**	**101.63**	**95.47**	**95.35**	**80,958.15**	**7,100.00**	**6,669.43**	**6,572.52**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,111.86	97.08	91.85	92.20	74,035.22	6,745.89	6,409.95	6,342.50
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	94.83	4.55	3.61	3.15	6,922.93	354.10	259.48	230.02
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**4,204.96**	**427.36**	**426.75**	**432.20**	**132,250.12**	**13,768.40**	**14,113.17**	**13,471.67**
4.1 ईसीएस नामे	8.76	0.17	0.13	0.14	39.14	1.06	0.89	0.93
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	10.10	0.62	0.64	0.43	144.08	10.36	10.49	10.90
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,622.10	155.82	152.34	148.14	120,039.68	12,410.81	12,694.20	12,011.60
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	506.73	66.72	65.84	69.07	4,111.06	585.59	596.55	604.76
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,057.27	204.03	207.79	214.42	7,916.17	760.58	811.05	843.47
5 कार्ड	**12,055.87**	**1,036.07**	**1,032.50**	**1,069.07**	**30,214.00**	**2,899.56**	**2,989.67**	**2,956.25**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,093.51	115.88	110.03	111.38	3,312.21	364.02	357.50	342.15
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	6.37	0.55	0.55	0.61	28.39	2.61	2.67	2.85
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,087.13	115.33	109.47	110.76	3,283.82	361.41	354.83	339.30
5.2 डेबिट कार्ड	10,962.36	920.20	922.47	957.69	26,901.79	2,535.54	2,632.17	2,614.11
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,563.06	655.47	667.81	703.23	23,602.73	2,163.92	2,256.93	2,268.42
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	2,399.30	264.72	254.66	254.46	3,299.07	371.62	375.24	345.68
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**1,963.66**	**278.08**	**255.65**	**270.24**	**838.01**	**106.69**	**85.07**	**98.56**
6.1 एम-वॉलेट	1,629.98	241.72	221.63	235.46	532.42	71.94	53.10	69.34
6.2 पीपीआई कार्ड	333.11	36.32	33.97	34.74	277.52	32.75	29.87	27.07
6.3 पेपर वाउचर	0.51	0.04	0.05	0.04	25.36	2.01	2.10	2.15
7 मोबाइल बैंकिंग	**976.85**	**114.26**	**115.73**	**111.79**	**13,104.76**	**2,134.20**	**1,807.65**	**1,396.20**
8 कार्ड बकाया	**884.72**	**910.88**	**825.31**	**836.11**	–	–	–	–
8.1 क्रेडिट कार्ड	29.84	30.86	31.48	32.06	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	854.87	880.03	793.83	804.05	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222475**	**222813**	**222926**	**222653**	–	–	–	–
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**2529141**	**2692986**	**2776949**	**2840113**	–	–	–	–
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**19,542.66**	**1,853.86**	**1,820.50**	**1,876.54**	**2,282,337.40**	**200,247.86**	**207,588.96**	**196,911.89**

टिप्पणियाः पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

प्रासंगिक श्रृंखला

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2015-16	2016		2017	
			फर.	दिसं.	जन.	फर.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**3,224.88**	**375.07**	**343.80**	**342.41**	**418.42**
	बकाया	**6,805.58**	**6,689.88**	**7,225.59**	**7,225.05**	**7,244.24**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**2,820.87**	**326.76**	**316.96**	**308.23**	**307.76**
	बकाया	**4,287.13**	**4,224.29**	**4,666.13**	**4,655.88**	**4,661.62**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	1,574.15	197.89	200.71	186.83	183.34
	बकाया	615.67	606.63	937.48	930.92	926.38
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0.51	0.05	–0.29	0.00	0.04
	बकाया	34.97	34.68	32.95	32.82	32.73
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.06	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	1.21	1.22	–0.30	–0.33	–0.36
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	315.26	35.20	30.95	31.48	32.40
	बकाया	1,938.08	1,935.86	1,814.62	1,805.97	1,800.78
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना	प्राप्तियां	103.21	12.87	8.92	9.59	10.23
	बकाया	228.76	213.51	269.25	275.25	284.14
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	424.53	43.12	38.96	43.48	44.02
	बकाया	706.35	678.18	768.60	773.99	782.52
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	498.16	482.51	514.47	513.63	514.82
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	29.96	27.77	34.42	34.99	35.66
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	47.82	45.96	50.46	50.80	51.22
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	130.41	121.94	169.25	174.57	180.82
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	403.15	37.63	37.71	36.85	37.83
	बकाया	761.79	753.85	843.13	836.86	835.13
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	बकाया	0.08	0.08	0.18	0.18	0.08
1.1.10 अन्य जमाराशियां	बकाया	0.05	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	0.22	0.28	0.22	0.22	0.22
	बकाया	**326.10**	**39.44**	**22.75**	**28.06**	**34.64**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	**1,942.42**	**1,916.46**	**1,963.89**	**1,969.04**	**1,976.30**
	बकाया	98.26	12.94	10.88	13.47	18.11
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	881.39	877.22	870.82	869.41	869.85
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	8.91	8.87	8.89	8.90	8.89
	बकाया	14.66	1.49	0.04	0.33	0.04
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	648.58	675.76	566.44	558.15	548.69
	बकाया	213.18	25.01	11.83	14.26	16.49
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	बकाया	291.18	242.81	404.87	419.00	435.58
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	बकाया	0.04	–	–	–	–
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	–0.89	–0.89	–1.06	–1.08	–1.09
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	–0.57	–0.59	–0.61	–0.63	–0.63
	बकाया	113.82	113.28	114.54	115.29	115.01
		77.91	**8.87**	**4.09**	**6.12**	**76.02**
		576.03	**549.13**	**595.57**	**600.13**	**606.32**

स्रोतः महालेखाकार, डाक और तार।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	**46422.34**	**47967.49**	**49246.98**	**49109.75**	**50430.94**
1. वाणिज्य बैंक	39.90	40.00	40.92	40.46	39.68
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.45	0.14	0.28	0.16	0.31
3. बीमाकृत कंपनियां	22.63	22.68	22.55	22.90	23.13
4. म्यूच्यूअल फंड	2.09	2.13	1.96	1.49	1.44
5. सहकारी बैंक	2.68	2.47	2.63	2.70	2.65
6. वित्तीय संस्थाएं	0.71	0.84	0.86	0.81	0.73
7. कॉरपोरेट	1.31	1.09	1.05	1.05	1.29
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.63	3.82	3.13	3.53	4.29
9. भविष्य निधियां	5.89	6.25	6.24	6.27	6.13
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	14.88	14.80	14.61	14.65	14.29
11. अन्य	5.83	5.79	5.77	5.98	6.07
11.1 राज्य सरकार	1.84	1.84	1.83	1.92	1.91

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	**17277.70**	**18114.95**	**19343.91**	**20893.41**	**21467.07**
1. वाणिज्य बैंक	41.20	40.22	41.25	39.01	37.94
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.38	0.35	0.30	0.39	0.38
3. बीमाकृत कंपनियां	32.53	32.67	31.87	32.50	33.53
4. म्यूच्यूअल फंड	1.36	1.62	1.36	2.42	1.89
5. सहकारी बैंक	4.01	4.21	4.47	4.75	4.82
6. वित्तीय संस्थाएं	0.25	0.27	0.29	0.30	0.27
7. कॉरपोरेट	0.13	0.14	0.13	0.17	0.11
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.22	0.08	0.06	0.07	0.08
9. भविष्य निधियां	16.39	16.84	16.81	17.27	18.10
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.02	0.01	0.03	0.06	0.06
11. अन्य	3.52	3.59	3.43	3.05	2.81
11.1 राज्य सरकार	-	-	-	-	-

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2016			2017	
	जून	सितं.	दिसं.	मार्च	जून
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	**4310.09**	**4202.40**	**4366.47**	**3320.80**	**6135.01**
1. वाणिज्य बैंक	54.41	52.58	50.47	57.85	53.96
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.85	1.38	1.80	1.25	1.09
3. बीमाकृत कंपनियां	1.83	1.91	2.02	4.58	3.20
4. म्यूच्यूअल फंड	11.77	16.06	12.91	7.85	15.31
5. सहकारी बैंक	2.23	3.52	3.28	5.62	2.48
6. वित्तीय संस्थाएं	3.09	2.75	2.76	4.57	2.60
7. कॉरपोरेट	2.22	1.21	1.81	1.83	1.54
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	-	-	-	-	-
9. भविष्य निधियां	0.03	0.45	0.43	0.35	0.06
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.25	0.16	0.09	0.02	0.05
11. अन्य	22.30	19.96	24.44	16.09	19.72
11.1 राज्य सरकार	18.26	15.98	20.51	11.02	16.71

टिप्पणी: (-): नगण्य में कुछ नहीं को दर्शाता है।

1. जून 2016 से संशोधित सारणी फार्मेट में केंद्र सरकार के प्रतिभूतियों के साथ राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित स्वामित्व का पैटर्न समाविष्ट किया गया है।
2. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) स्कीम के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल किए गए हैं।
3. प्राथमिक व्यापारी (पीडी) बैंक को वाणिज्य बैंकों के अंतर्गत समाविष्ट किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में वे बहुत ही छोटे अंश में है।
4. "अन्य" श्रेणी में राज्य सरकार, पेंशन निधि, सरकारी क्षेत्र, ट्रस्ट, एचयूएफ / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।

3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।

4.1 से 4.4, 4.8.4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।

4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।

4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।

2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वता वार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।

2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं.7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं.8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।

2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।

2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं.9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।

एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।

जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनःदिए गए हैं।

सारणी सं.13

कालम सं (1),(2) और (3) के सामने दर्शाए गए आंकड़े अंतिम (आरआरबी सहित) हैं और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं.15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 95 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान.बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

चूँकि भारतीय स्टेट बैंक से समामेलन के उपरांत के समेकित आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं, अत: 28 अप्रैल 2017 के आंकड़ों के लिए इसकी चारों पूर्व अनुषंगियों यथा- स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर,स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर और स्टेट बैंक ऑफ पटियाला से प्राप्त 31 मार्च 2017 के आंकड़ों को ही दोहराया गया है।

सारणी सं.17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं.24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं.30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी-अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं.32

आईआईएफ सी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमरीकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमरीकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं.34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं.35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं.36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2012-13 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं.37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं.38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं.43

1.3 : बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3 : 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

इस तिमाही में, संशोधित टेबल फार्मेट केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है। इसके अतिरिक्त, पहली बार राज्य सरकारों की धारित प्रतिभूतियों को अलग श्रेणी में दर्शाया गया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां, न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (https://rbi.org.in/scripts/publicationsview.aspx?id=17618) में उपलब्ध हैं।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी की हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2017	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का अभिदान) ₹3150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3360 (एक वर्ष का अंशदान - डाक प्रभार सहित@) ₹2520 (एक वर्ष का रियायती दर*)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का अभिदान) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय स्टेट 2016-17 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹550 एक प्रति (सामान्य) ₹600 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय इकोनॉमी 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹500 एक प्रति (सामान्य) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹375 एक प्रति (रियायती) ₹425 एक प्रति (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त : 2016-17 के बजटों का अध्ययन	₹500 एक प्रति (कांउटर पर) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 23 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मिंट रोड माइलस्टोन्स : आरबीआई ऐट 75	₹1650 एक प्रति (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (सामान्य) ₹170 (डाक द्वारा एक प्रति)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकी विवरणियां, खंड 41 मार्च 2012	₹270 एक प्रति (कांउटर पर) ₹310 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 10 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
10. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों,अध्यापकों/ व्याख्याताओं,अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं,सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है ।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई- 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।.
5. अभिदान मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषण पत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई- 400 001 को संबोधित होना चाहिए।

   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम ..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर पहले आओ पहले पाओ आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपना अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई मेल आईडी to spsdcs@rbi.org.in को प्रेषित करें ताकि हम सुचारु रूप से आपके साथ संपर्क कर सकें।**